WWW. bntonline.in | ePAPER epaper.bntonline.in | Breaking News Today | bntnewschannel | breaking.news.today | BNTNews_2008

RNI NO.DELBIL/2008/24327

17 साल बेमिसाल

Breaking News Today

हम सबकी खबर लें, हम सबको खबर दें!

Vol. No. XVII & Issue No. 09 | 11 May 2025 | Fortnightly | Pages 16 | ₹ 5

भारत ने अपनी शर्तों पर किया सीजफायर

■ बीएनटी न्यूज

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर हो गया है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच शाम पांच बजे से युद्धविराम लागू हो गया है।

विक्रम मिस्री ने कहा कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने फोन पर बात की थी। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी शर्तों पर सीजफायर किया है और 12 मई को दोनों देशों के डीजीएमओ फिर से बात करेंगे।

इसके साथ ही विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि भारत और पाकिस्तान ने आज गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनाई है।

उन्होंने कहा कि भारत ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ लगातार दृढ़ और अडिग रुख अपनाया है और ऐसा करना जारी रखेगा।

● **पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने भी तत्काल युद्धविराम की पुष्टि की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि पाकिस्तान अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से समझौता किए बिना क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए हमेशा से प्रयासरत रहा है।**

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम की घोषणा की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि भारत-पाकिस्तान पिछले तीन दिनों से जारी संघर्ष पर तत्काल पूर्ण युद्धविराम के लिए सहमत हो गए हैं। यह सहमति अमेरिका की मध्यस्थता से पूरी हुई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ पर एक पोस्ट में लिखा, 'अमेरिका की मध्यस्थता में रात में

● **अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ पर एक पोस्ट में लिखा, 'अमेरिका की मध्यस्थता में रात में चली लंबी वार्ता के बाद मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं।'**

चली लंबी वार्ता के बाद मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं।'

ट्रंप ने समझदारी दिखाने के लिए दोनों देशों को धन्यवाद दिया है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी एक्स पर बताया कि वह स्वयं और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पिछले 48 घंटे से भारत और पाकिस्तान के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे थे। इस बातचीत में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सेना प्रमुख असीम मुनीर और पाक एनएसएस असीम मलिक शामिल थे।

इससे पहले भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जारी लड़ाई को लेकर बड़ा फैसला लिया। सरकार ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि भविष्य में कोई भी आतंकी घटना भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई मानी जाएगी।

भारत सरकार के शीर्ष सूत्र

शेष पृष्ठ 2 पर

संक्षिप्त खबरें

युद्ध विराम के बाद कांग्रेस ने की सर्वदलीय बैठक, संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

भारत और पाकिस्तान के बीच तत्काल प्रभाव से पूर्ण युद्ध विराम पर सहमति बनने के बाद कांग्रेस ने सरकार से सर्वदलीय बैठक और पिछले दिनों के घटनाक्रम पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की। कांग्रेस महासचिव और पार्टी के संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने युद्ध विराम की घोषणा के तुरंत बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'अभूतपूर्व घोषणा के मद्देनजर अब पहले से कहीं ज्यादा इन चीजों की जरूरत है – एक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लिया जाए। दूसरा, पहलगाम में निर्मम आतंकवादी हमले से लेकर पिछले 18 दिन के घटनाक्रम और भविष्य की राह पर चर्चा, तथा सामूहिक संकल्प दिखाने के लिए

शेष पृष्ठ 2 पर

अंदर पढ़ें

खबरें	पृष्ठ
जस्टिस यशवंत वर्मा इस्तीफा...	02
भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़...	03
राहुल गांधी से शरद पवार...	04
अब भारत का पानी देश के...	05
जाति जनगणना कराएगी मोदी...	06
राहुल गांधी ने अमेरिका में...	07
नेशनल हेराल्ड मामले में...	08
'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की...	09
बांग्लादेश: अवमानना मामले...	10
भारत ने पाकिस्तान से सभी...	11
दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी...	12
योगी सरकार का 'संभव'...	13
रोहित शर्मा का टेस्ट क्रिकेट...	14
अनुराग कश्यप की बढ़ी...	15
कंगना रनौत बनेंगी हॉलीवुड की...	16

एक मूर्ख व्यक्ति के लिए किताबें उतनी ही उपयोगी होती हैं, जितना कि एक अंधे व्यक्ति के लिए आईना।

-चाणक्य

ऑनलाइन फ्रॉड का कहर

10 महीने में स्कैमर्स ने लोगों से छीने रु 4,245 करोड़

संपादक की कलम से...

राजेन्द्र कुमार गोयल
मुख्य संपादक
chiefeditor@bntonline.in

ऑनलाइन स्कैम की घटनाएं तेजी से बढ़ती जा रही हैं, हर दिन कोई न कोई व्यक्ति स्कैमर्स के जाल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई गंवा बैठता है। अब हाल ही में वित्त मंत्रालय द्वारा राज्यसभा में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 के शुरूआती 10 महीनों में डिजिटल फाइनेंशियल फ्रॉड की वजह से लोगों ने रु4,245 करोड़ गंवा दिए हैं।

67% बढ़ गया नुकसान

याद दिला दें कि 2022-2023 में लगभग 20 लाख मामले सामने आए थे जिसमें लोगों ने रु2,537 करोड़ गंवा दिए थे। वहीं, 2023-2024 में फाइनेंशियल फ्रॉड के 28 लाख से ज्यादा केस सामने आए जिसमें स्कैमर्स ने लोगों के खातों से रु4,403 करोड़ उड़ा लिए।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने भुगतान संबंधी धोखाधड़ी के लिए फ्रॉड रिपोर्टिंग सिस्टम तैयार किया है। बैंक, नॉन-बैंक प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट इशूअर्स और नॉन-बैंक क्रेडिट कार्ड इशूअर्स (issuers) इस सिस्टम के जरिए फ्रॉड की घटनाओं की रिपोर्ट कर सकते हैं।

सरकार ने बचाए रु4,386 करोड़

सरकार ने बताया कि वित्तीय धोखाधड़ी की तत्काल रिपोर्टिंग करने और जालसाजों को धन की हेराफेरी करने से रोकने के लिए सिजिटन फाइनेंशियल साइबरफ्रॉड रिपोर्टिंग और मैनेजमेंट सिस्टम को शुरू किया गया है। अब तक 1.3 मिलियन शिकायतों के आधार पर इस सिस्टम के माध्यम से लगभग रु4,386 करोड़ बचा लिए गए हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा को बताया कि डिजिटल वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने के लिए सरकार, RBI और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) द्वारा कई पहल की गई हैं।

ऑनलाइन स्कैम से खुद को कैसे बचाएं?

अगर आप भी ऑनलाइन स्कैम से बचना चाहते हैं तो आपको कुछ बातों को ध्यान में रखना होगा जैसे कि संदिग्ध ईमेल और मैसेज पर क्लिक करने की गलती न करें। इसके अलावा जिस भी वेबसाइट को आप खोल रहे हैं वो साइट वाकई विश्वसनीय है भी या नहीं, इस बात को वेरिफाई करें। अपने अकाउंट के लिए एक मजबूत पासवर्ड बनाए जिसका आसानी से पता न लगाया जा सके। बैंक या कंपनी का अधिकारी बनकर कोई भी आपसे ओटीपी या पिन मांगता है, तो सतर्क रहें। बैंक कभी फोन पर इस तरह की जानकारी नहीं मांगते। समय-समय पर अपने बैंक स्टेटमेंट को चेक करें ताकि किसी भी संदिग्ध ट्रांजेक्शन का जल्दी पता चल सके।

Online Scam Complaint Number

आपके साथ भी या फिर आपके किसी जानने

वाले के साथ ऑनलाइन स्कैम की घटना होती है तो आपको पहले से इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि स्कैम होने के तुरंत बाद किस नंबर पर कॉल कर आप शिकायत दर्ज कर सकते हैं। 1930 (साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर) पर कॉल कर आप अपने साथ हुई घटना के बारे में जानकारी देकर शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

इस तरह के घटनाओ से लोगों का विश्वास कानून व्यवस्था और तंत्र पर shake होता है। लोगों में यह भावना घर कर रही है कि घोटालेबाजों का कुछ नहीं होगा। यह एक आम धारणा है कि ये घोटालेबाज अपनी money power एवं contacts का इस्तेमाल कर बच निकलेंगे। घोटालेबाजों का राजनैतिक गठजोड़ व सत्ता लोलुप्ता भी एक बड़ी समस्या है। निष्पक्ष जांच नहीं हो पाती। Investigating Agencies पर political pressure डाला जाता है। घोटालेबाजों को कानून का कोई भय नहीं कानूनों को कठोरता से लागू किया जाना चाहिए। जांच time-bound manner में की जानी चाहिए। जरा सोचिए! फैसला आप खुद कीजिये।

ऑपरेशन सिंदूर : सैन्य और कूटनीतिक दोनों मोर्चों पर भारत की जीत

■ बीएनटी न्यूज

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने 7 मई को तड़के 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था और इसके जवाब में पाकिस्तान की ओर से किए गए दुस्साहस को भारत ने न सिर्फ नाकाम किया, बल्कि ऐसे दुस्साहस के लिए इस्तेमाल किए जा रहे कई लॉन्चिंग पैड भी पूरी तरह ध्वस्त कर दिए।

इन सबके बीच भारत ठोस और सटीक, लेकिन लक्ष्य तक सीमित कार्रवाई करने और आम लोगों को नुकसान न पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम रहा।

एक तरफ जहां आतंकवाद के

खिलाफ हमारी सेना ने उपलब्धि हासिल की, वहीं कूटनीतिक स्तर पर भी हम सफल रहे। सूत्रों ने स्पष्ट किया कि युद्धविराम की गुहार पाकिस्तान ने लगाई थी। फोन उसके डीजीएमओ (डायरेक्टर जनरल मिलिट्री ऑपरेशन्स) की तरफ से किया गया था।

उन्होंने बताया कि भारत ने युद्धविराम अपनी शर्तों पर किया है। केवल सैन्य कार्रवाई रोकी गई है और सिंधु जल संधि का निलंबन तथा पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द करने जैसे नीतिगत फैसले अब भी प्रभावी हैं। इसके अलावा, उन्होंने युद्धविराम में किसी तीसरे पक्ष की भूमिका से भी इनकार किया है।

'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत की महत्वपूर्ण उपलब्धियां इस प्रकार हैं –

भारत ने पाकिस्तान और पीओके में नौ प्रमुख आतंकवादी शिविर ध्वस्त कर दिए, जिनका इस्तेमाल आतंकवादियों को प्रशिक्षित करने और जम्मू-कश्मीर में भेजने के लिए लॉन्चपैड के रूप में किया जा रहा था। ये आतंकवादी शिविर लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन के थे।

भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर सैकड़ों किलोमीटर तक अपने लक्ष्य पर सटीक हमले किए। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भी हमले किए गए, जिसे पाकिस्तान की सेना का रणनीतिक गढ़ माना जाता है। बहावलपुर में संवेदनशील आतंकवादी ठिकानों तक भी भारतीय सेना पहुंच गई, जहां अमेरिका ने भी अपने ड्रोन भेजने की हिम्मत नहीं की थी।

भारतीय सेना ने पाकिस्तान के वायु रक्षा ग्रिड को सफलतापूर्वक बायपास या जाम कर दिया। कुल 23 मिनट की अवधि में किए गए हमलों की तेज और सटीक प्रकृति

शेष पृष्ठ 2 पर

देशभर में संघर्ष विराम का स्वागत

भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम को लेकर देशभर में सियासी और सामाजिक हलकों से प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इस समझौते को जहां एक ओर शांति की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सेना की कूटनीतिक और सामरिक सफलता भी करार दिया गया है। हालांकि, पाकिस्तान ने कुछ ही घंटे बाद संघर्ष विराम का उल्लंघन कर दिया।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने संघर्ष विराम का स्वागत करते हुए कहा, 'अगर यह दो-तीन दिन पहले हुआ होता, तो कई जानें बच सकती थीं। पाकिस्तान के डीजीएमओ ने हमारे डीजीएमओ को कॉल करके संघर्ष विराम लागू किया। अब हमारी सरकार की जिम्मेदारी है कि प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन कर राहत पहुंचाई जाए। एयरपोर्ट भी कई दिनों से बंद है, उम्मीद है अब वह फिर से खुल जाएगा।'

पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने शांति प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, 'हम संघर्ष विराम और भारत-पाक के बीच नई शांति पहल का स्वागत करते हैं। भारत की ताकत हमेशा संवाद में रही है, न कि संघर्ष में। जम्मू-कश्मीर को अब जंग का मैदान नहीं, समझ का पुल बनाना चाहिए।'

शेष पृष्ठ 2 पर

आवश्यकता है

वीडियो एडिटर, कंटेंट राइटर एवं वेब डेवलपर

संपर्क करें:

9990533306

पाकिस्तान ने चार घंटे के अंदर किया सीजफायर का उल्लंघन

■ बीएनटी न्यूज

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के चार घंटे के भीतर ही पाकिस्तान ने फिर से अपने नापाक इरादे स्पष्ट कर दिए। जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में शनिवार रात करीब आठ बजे तेज धमाके हुए और पाकिस्तान की ओर से ड्रोन आते दिखे। इसके साथ ही कई इलाकों में ब्लैकआउट कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि श्रीनगर, रियासी, कटरा, उधमपुर समेत कई जगहों पर तेज धमाके की आवाजें सुनी गई हैं, जिसके बाद ब्लैकआउट कर दिया गया। इसके साथ ही पंजाब के फिरोजपुर और होशियार में भी ब्लैकआउट कर दिया गया।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पाकिस्तान की इस नापाक हरकत पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सवालिया लहजे में लिखा, 'आखिर संघर्ष विराम का क्या हुआ?' उन्होंने कहा कि श्रीनगर में धमाकों की आवाजें सुनी गईं।

इसके साथ ही उन्होंने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें

पाकिस्तान की ओर से ड्रोन आते दिख रहे हैं। उन्होंने लिखा कि यह कोई युद्धविराम नहीं है। श्रीनगर के मध्य में हवाई रक्षा इकाइयों ने अभी-अभी गोलीबारी शुरू की है।

अमृतसर के जिलाधिकारी ने लोगों से अपील की है कि ब्लैकआउट के लिए तैयार रहें। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 'प्रिय नागरिकों, चूंकि संघर्ष विराम उल्लंघन की खबरें हैं, इसलिए हम आज अलर्ट पर रहेंगे। जरूरत पड़ने पर हम ब्लैकआउट का पालन करेंगे। मैं सभी को सलाह देता हूं कि जरूरत पड़ने पर ब्लैकआउट

शेष पृष्ठ 2 पर

जनसंख्या विस्फोट * बेरोजगारी * आत्महत्या करता किसान * दमघोंटू प्रदूषण * अनाज के लिए भंडारण की कमी * न्याय में देरी * भूख * शिक्षा, आदि अनेक मुद्दे...

Breaking News Today
339, 3rd Floor , Tower B-3, Spaze Techpark, Sohna Road, Gurgaon-122002 Haryana, India.

'एक देश-एक चुनाव' पर जनता के बीच किया जा रहा जन जागरण

■ बीएनटी न्यूज

भारतीय जनता पार्टी के नेता लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने वाराणसी में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' पर बने विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) बनाकर विचार किया जा रहा है, वहीं हम इसपर जनता के बीच जाकर जनजागरण कर रहे हैं।

यूपी भाजपा के प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा, 'एक देश, एक चुनाव को लेकर वाराणसी में कार्यक्रम है। उसमें विषय रखना है। पार्टी ने निर्णय किया और उसके बाद रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई, उस कमेटी ने अपनी संस्तुतियां दीं, जिसके आधार पर सदन में विधेयक प्रस्तुत किया गया। 'एक देश, एक चुनाव' पर बने विधेयक पर एक जेपीसी बनाई गई, जिस पर विचार किया जा रहा है। हम जनता के बीच जन जागरण करने का काम कर रहे हैं।'

यूपी प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की तरफ से राफेल लिखे खिलौने पर नींबू-मिर्च लटकाए जाने को लेकर लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने पलटवार किया। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान में पक्ष और विपक्ष के नेता अपनी सेना पर अंधविश्वास करते हैं। यह दुर्भाग्य है कि उत्तर प्रदेश में भी कुछ नेता ऐसे हैं, जो ऐसी स्थिति में राफेल पर मजाक बनाने का काम कर रहे हैं। उन्हें इस बात का ध्यान नहीं है कि देश की बहन-बेटियों की मांग का सिंदूर छीना गया है।'

उन्होंने सलाह दी कि संवेदनशील और गंभीर सरकार के कार्यकाल में मजाक नहीं करें और सरकार को अपना काम करने देना चाहिए।

भारत-पाकिस्तान में तनाव के बीच देशभर में व्यापक मॉक ड्रिल किए जाने पर उन्होंने कहा, 'इसकी तैयारी करनी चाहिए। सेना अपनी व्यवस्था कर रही है, लेकिन किसी परिस्थिति में अगर आवश्यकता पड़े तो देश की जनता भी साथ खड़ी है, इसके लिए मॉक ड्रिल किया जा रहा है। मॉक ड्रिल में नौजवान, माताएं-बहनें सभी अपना रोल निभाएं और अनुभव प्राप्त करें ताकि समय आने पर सरकार का सहयोग कर सकें।'

रांची के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय का नाम अब शहीद वीर बुधु भगत, हेमंत कैबिनेट का फैसला

■ बीएनटी न्यूज

झारखंड सरकार ने रांची स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय का नाम बदलकर वीर शहीद बुधु भगत विश्वविद्यालय करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में इससे संबंधित झारखंड राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2017 में संशोधन प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है।

राज्य की कैबिनेट सचिव वंदना डाडेल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने कुल 34 फैसलों पर मुहर लगाई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में झारखंड में रघुवर दास के नेतृत्व वाली तत्कालीन भाजपा सरकार ने 1949 से संचालित शहर के सबसे पुराने महाविद्यालय रांची कॉलेज को अपग्रेड करते हुए इसे विश्वविद्यालय के तौर पर मान्यता दी थी और इसका नामकरण भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर किया था।

झारखंड के कई आदिवासी संगठन इसका नाम बदलने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे। झारखंड विधानसभा के हालिया बजट सत्र के दौरान सदन में भी एक विधायक ने यह मांग उठाई थी, जिस पर सरकार ने अपने जवाब में कहा था कि विश्वविद्यालय का नामकरण वीर शहीद बुधु भगत पर किया जाएगा।

रांची के सिलागाई गांव के रहने वाले बुधु भगत अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ झारखंड में हुए कोल विद्रोह के प्रमुख योद्धाओं में एक थे। वह विद्रोह के दौरान अंग्रेजी सेना के खिलाफ लड़ते हुए शहीद हो गए थे। कैबिनेट की बैठक में राज्य के 3 लाख से अधिक कर्मचारियों-पेंशनर्स को देय महंगाई भत्ते में वृद्धि के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। इन कर्मचारियों-पेंशनर्स को अब 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा। यह वृद्धि एक जनवरी, 2025 की तारीख से मान्य होगी।

राज्य में उग्रवादियों और नक्सलियों की तरह कुख्यात अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए इनाम राशि घोषित करने की पॉलिसी में संशोधन को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है। अब अपराधियों पर 2 लाख से लेकर 30 लाख तक के इनाम घोषित किए जा सकेंगे।

लैंड फॉर जॉब मामले में बढ़ीं लालू यादव की मुश्किलें
राष्ट्रपति मुर्मू ने दी मुकदमा चलाने की दी मंजूरी

■ बीएनटी न्यूज

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रवर्तन निदेशालय को आरजेडी प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद यादव पर कथित भूमि-के-लिए-नौकरी घोटाले में मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दे दी है। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ने सीआरपीसी की धारा 197(1) और बीएनएसएस, 2023 की धारा 218 के तहत अनिवार्य अनुमति दी। अगस्त 2024 में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत धन शोधन मामले में लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे और राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। यह मामला सीबीआई की प्राथमिकी से संबंधित है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि लालू प्रसाद 2004-2009 के दौरान भारतीय रेलवे में ग्रुप डी के स्थानापन्नों की नियुक्ति में भ्रष्टाचार में लिप्त थे। सीबीआई ने अपनी एफआईआर में आरोप लगाया है कि उम्मीदवारों या उनके परिवार के सदस्यों को रेलवे में नौकरी दिलाने के बदले रिश्वत के तौर पर जमीन हस्तांतरित करने के लिए कहा गया था। इसके अलावा, एफआईआर में यह भी आरोप लगाया गया है कि जमीन के टुकड़े सीधे या परोक्ष रूप से लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों के नाम पर पंजीकृत थे। इसके अलावा, सीबीआई ने इस मामले में तीन आरोपपत्र भी दाखिल किए थे।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की पुस्तक का विमोचन किया

■ बीएनटी न्यूज

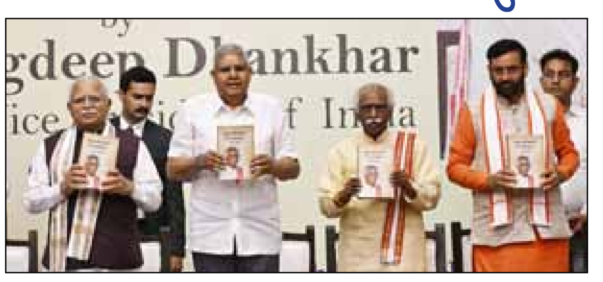

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यू महाराष्ट्र सदन, नई दिल्ली में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की लिखी पुस्तक 'जनता की कहानी मेरी आत्मकथा' का विमोचन किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में कई गणमान्य व्यक्ति और राजनेता उपस्थित रहे।

यह पुस्तक राज्यपाल दत्तात्रेय के जीवन, उनके सार्वजनिक सेवा के अनुभवों और समाज के प्रति उनके योगदान को जीवंत रूप से प्रस्तुत करती है। इस अवसर पर आयोजित समारोह में मौजूद हस्तियों ने इस कृति की गहराई और प्रेरणादायक संदेशों की सराहना की।

उपराष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज न्यू महाराष्ट्र सदन, नई दिल्ली में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय जी द्वारा लिखित पुस्तक 'जनता की कहानी मेरी आत्मकथा' का विमोचन किया।'

यह पुस्तक 'जनता की कहानी मेरी आत्मकथा' बंडारू दत्तात्रेय के जीवन के विभिन्न पहलुओं को उजागर करती है। यह उनके बचपन, शिक्षा, सामाजिक कार्यों और राजनीतिक यात्रा से लेकर हरियाणा के राज्यपाल के रूप में उनकी भूमिका तक के अनुभवों का एक दस्तावेज है। पुस्तक में उन्होंने जिन चुनौतियों का सामना किया, उनकी उपलब्धियों और जनता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रस्तुत किया गया है।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने इस अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, 'यह पुस्तक मेरे जीवन का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि उन सभी लोगों की कहानी है, जिन्होंने मेरे सफर में मेरा साथ दिया। मैंने हमेशा जनता की सेवा को अपनी प्राथमिकता माना है और यह पुस्तक उसी भावना को दर्शाती है।' मैं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की उपस्थिति के लिए उनका आभार जताता हूं।' विमोचन समारोह में अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बंडारू दत्तात्रेय के समर्पण और सेवा भाव की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक सिर्फ एक आत्मकथा नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र और सामाजिक सेवा में उनके योगदान का एक जीवंत दस्तावेज है। बंडारू दत्तात्रेय ने अपने जीवन के माध्यम से यह दिखाया है कि सच्चा नेतृत्व जनता के कल्याण के लिए समर्पित होता है। यह पुस्तक युवाओं के लिए प्रेरणादायी भी है।

ऑपरेशन सिंदूर : राष्ट्रीय संकट की घड़ी में संपूर्ण देश सरकार और सैन्य बलों के साथ खड़ा : आरएसएस

■ बीएनटी न्यूज

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में किए गए भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत और संघ सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले की तरफ से बयान जारी किया गया है। उन्होंने आतंकियों के खिलाफ जारी 'ऑपरेशन सिंदूर' का समर्थन करते हुए भारत सरकार और सैन्य बलों का हार्दिक अभिनंदन किया है।

आरएसएस ने कहा कि राष्ट्रीय संकट की इस घड़ी में संपूर्ण देश तन-मन-धन से देश की सरकार एवं सैन्य बलों के साथ खड़ा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 'ऑपरेशन सिंदूर' की फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'पहलगाम की कायरतापूर्ण आतंकवादी घटना के पश्चात पाक प्रायोजित आतंकवादियों एवं उनके समर्थक पारितंत्र पर की जा रही निर्णायक कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारत सरकार के नेतृत्व और सैन्य बलों का हार्दिक अभिनंदन। हिंदू यात्रियों के नृशंस हत्याकांड में आहत परिवारों को एवं समस्त देश को न्याय दिलाने हेतु हो रही इस कार्रवाई ने समूचे देश के स्वाभिमान एवं हिम्मत को बढ़ाया है।'

पोस्ट में आगे लिखा गया है, 'हमारा यह भी मानना है कि पाकिस्तान में आतंकियों, उनका ढांचा एवं सहयोगी तंत्र पर की जा रही सैनिक कार्रवाई देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक एवं अपरिहार्य कदम है। राष्ट्रीय संकट की इस घड़ी में संपूर्ण देश तन-मन-धन से देश की सरकार एवं सैन्य बलों के साथ खड़ा है। पाकिस्तानी सेना द्वारा भारत की सीमा पर धार्मिक स्थलों एवं नागरिक बस्ती क्षेत्र पर किए जा रहे हमलों की हम निंदा करते हैं और जो इन हमलों का शिकार हुए, उनके परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करते हैं।'

आरएसएस ने आगे लिखा, 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस चुनौतीपूर्ण अवसर पर समस्त देशवासियों से आ'न करता है कि शासन एवं प्रशासन द्वारा दी जा रही सभी सूचनाओं का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित करें। इसके साथ-साथ इस अवसर पर हम सबको अपने नागरिक कर्तव्य का निर्वहन करते हुए यह भी सावधानी रखनी है कि राष्ट्र विरोधी शक्तियों के सामाजिक एकता एवं समरसता को भंग करने के किसी भी षड्यंत्र को सफल न होने दें। समस्त देशवासियों से अनुरोध है कि अपनी देशभक्ति का परिचय देते हुए सेना एवं नागरी प्रशासन के लिए जहां भी, जैसी भी आवश्यकता हो, हरसंभव सहयोग के लिए तत्पर रहें और राष्ट्रीय एकता तथा सुरक्षा को बनाए रखने के सभी प्रयासों को बल प्रदान करें।'

जस्टिस यशवंत वर्मा इस्तीफा दें या महाभियोग...
घर में कैश केस पर कमेटी ने सौंपी चीफ जस्टिस को रिपोर्ट

■ बीएनटी न्यूज

सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त इन-हाउस जांच समिति ने भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को सौंपी अपनी रिपोर्ट के अनुसार 14 मार्च की रात को आग लगने के दौरान हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास पर नकदी पाए जाने की पुष्टि की है।

इस घटनाक्रम से अवगत सूत्रों ने पुष्टि की है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के निर्देश पर जस्टिस यशवंत वर्मा को रिपोर्ट भेजी गई है। जस्टिस वर्मा को निष्कर्षों पर प्रतिक्रिया देने के लिए दो दिन का समय दिया गया है। यह समझा जाता है कि ऐसा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आगे की कार्रवाई करने से पहले न्यायमूर्ति वर्मा को जवाब देने का उचित अवसर दिया जा सके।

जस्टिस यशवंत वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद से इस्तीफा देने का विकल्प दिया गया है। अगर वह इस्तीफा देने से इंकार करते हैं, तो उनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करनी पड़ सकती है। उम्मीद है कि जस्टिस वर्मा सप्ताह के अंत तक सीजेआई के समक्ष अपना जवाब पेश करेंगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि सूत्रों ने यह भी बताया है कि CJI संजीव खन्ना, जो अगले सप्ताह सेवानिवृत्त हो रहे हैं, पद छोड़ने से पहले भविष्य की कार्रवाई के बारे में निर्णय लेने का इरादा रखते हैं। यह निवर्तमान CJI द्वारा लिए जाने वाले अंतिम बड़े निर्णयों में से एक होने की उम्मीद है।

कार्यवाही से पहले सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट के जजों से भी मुलाकात की। संभावना है कि इस बैठक के दौरान जजों को रिपोर्ट के निष्कर्षों के बारे में बताया गया होगा।

इस बड़ी रिपोर्ट में 14-15 मार्च की घटना का तथ्यात्मक घटनाक्रम शामिल है, जिसमें जस्टिस वर्मा के आवास पर आग लगने की समय-सीमा, नकदी की खोज और आपातकालीन सेवाओं की प्रतिक्रिया का विवरण दिया गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि घटना के दौरान कौन-कौन मौजूद था। इस पैनल ने जस्टिस वर्मा, उनके स्टाफ, अग्निशमन अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के बयान दर्ज किए, जिनमें दिल्ली अग्निशमन सेवा प्रमुख और दिल्ली उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार भी शामिल थे, जो आग लगने के दौरान वहां पहुंचे थे।

भारत ने अपनी शर्तों पर किया...

पृष्ठ 1 का शेष

के मुताबिक, भारत ने निर्णय लिया है कि भविष्य में किसी भी आतंकी कार्रवाई को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसी के अंदाज में जवाब भी दिया जाएगा। पिछले महीने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर 7 मई को पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। इसके बाद पाकिस्तान ने लगातार भारतीय सैन्य ठिकानों और आबादी वाले इलाके में ड्रोन तथा मिसाइलों से हमले किए, जिनमें ज्यादातर को भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया। दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बाद अमेरिका को मध्यस्तता के लिए बीच में आना पड़ा।

ऑपरेशन सिंदूर : सैन्य और कूटनीतिक दोनों...

ने पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणालियों में कमियों को उजागर किया। एससीईएलपी मिसाइलों और हैमर बमों से लैस भारतीय राफेल जेट ने बिना किसी नुकसान के मिशन को अंजाम दिया, जिससे तकनीकी और रणनीतिक श्रेष्ठता का प्रदर्शन हुआ।

भारत ने किसी भी सैन्य या नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना नहीं बनाया, केवल आतंकवादियों के ठिकानों और उनकी संपत्तियों को निशाना बनाया गया। भारत ने व्यापक तनाव से बचते हुए अपने जीरो टॉलरेंस सिद्धांत का पालन किया।

भारत की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल लोगों सहित कई खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया। एक ही रात में कई आतंकी मॉड्यूल के नेतृत्व का सफाया कर दिया गया।

भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना ने समन्वित हमले किए, जो भारत की बढ़ती संयुक्त युद्ध क्षमता का सबूत है।

भारत ने दुनिया को दिखाया कि अपने लोगों की रक्षा के लिए हम अनुमति का इंतजार नहीं करेंगे। आतंक को कभी भी, कहीं भी दंडित किया जाएगा। इस ऑपरेशन ने यह भी दिखाया कि आतंकवादियों और उनके आकाओं के पास छिपने के लिए कोई जगह नहीं है।

युद्ध विराम के बाद कांग्रेस ने की सर्वदलीय बैठक...

संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए।'

इससे पहले, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने एक बेहद छोटे और नपे-तुले बयान में युद्ध विराम की घोषणा की। उन्होंने बताया कि शनिवार शाम पांच बजे से युद्ध विराम लागू हो गया है। भारत ने अपनी शर्तों पर सीजफायर किया है। अब 12 मई को दोनों देशों के डीजीएमओ दोबारा बैठक करेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक्स पर बताया था कि अमेरिका की मध्यस्थता में रात को चली लंबी वार्ता के बाद भारत और पाकिस्तान 'पूर्ण तथा तत्काल' युद्ध विराम पर सहमत हुए हैं।

पिछले महीने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर 7 मई को तड़के पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। इसके बाद पाकिस्तान ने लगातार भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों और आबादी वाले इलाके में ड्रोन तथा मिसाइलों से हमले किए, जिनमें ज्यादातर को भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया।

पाकिस्तान ने चार घंटे के अंदर किया सीजफायर...

लागू होने के लिए तैयार रहें और घर के अंदर रहें। कृपया पटाखे न फोड़ें। हमने यह अभ्यास कई बार किया है, इसलिए कृपया घबराएं नहीं।'

उल्लेखनीय है कि तीन दिनों तक चले संघर्ष के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम हुआ था। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया कि शनिवार शाम पांच बजे से सीजफायर लागू हो गया है, लेकिन महज चार घंटे के अंदर ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन करते हुए और सीमा पार से गोलीबारी शुरू की। साथ ही कई शहरों को ड्रोन के जरिए निशाना बनाया।

इससे पहले भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जारी लड़ाई को लेकर बड़ा फैसला लिया। सरकार ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि भविष्य में कोई भी आतंकी घटना भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई मानी जाएगी। भारत सरकार के शीर्ष सूत्र के मुताबिक, भारत ने निर्णय लिया है कि भविष्य में किसी भी आतंकी कार्रवाई को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसी के अंदाज में जवाब भी दिया जाएगा।

देशभर में संघर्ष विराम का स्वागत

भाजपा सांसद कमलजीत सिंह सहरावत ने कहा, 'भारत हमेशा से शांति का पक्षधर रहा है। हमने अपनी शर्तों पर संघर्ष विराम को स्वीकार किया और पाकिस्तान को उसकी औकात भी दिखाई। उम्मीद है कि पाकिस्तान अब कोई गुस्ताखी नहीं करेगा।'

निषाद पार्टी के नेता संजय निषाद ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा, 'मोदी हैं तो मुमकिन है। आतंकियों को बख्शा नहीं जाएगा। जो नहीं मानता, उसे मनवा देते हैं।'

सपा सांसद मोहिबुल्ला नदवी ने कहा, 'जंग किसी मसले का हल नहीं है, पर जब फैसला ऑपरेशन का लिया गया, तो सेना ने बहादुरी से उसे अंजाम दिया। सभी दलों ने एकजुट होकर साथ दिया। उम्मीद है पाकिस्तान सबक सीखेगा और मासूमों का खून बहाना बंद करेगा।'

बिहार सरकार के मंत्री नितिन नवीन ने कहा, 'मैं भारतीय सेना के शौर्य को सलाम करता हूं, जिसने न सिर्फ सीमा की रक्षा की, बल्कि घर में घुसकर जवाब दिया। यह प्रधानमंत्री की कूटनीतिक जीत है।'

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के सीईओ आशीष चौहान ने भी संघर्ष विराम का स्वागत करते हुए कहा, 'भारत और पाकिस्तान के तत्काल संघर्ष विराम के निर्णय का हम हार्दिक स्वागत करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी और हमारी सशस्त्र सेनाओं के प्रयासों को सलाम।'

समय आने पर सरकार से कई सवाल पूछे जा सकते हैं: राशिद अल्वी

■ बीएनटी न्यूज

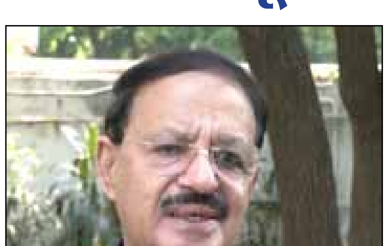

पहलगाम आतंकी हमले का जवाब भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह करके दिया। वहीं, इसके जवाब में पाकिस्तानी सेना ने एलओसी पर सीजफायर का उल्लंघन किया। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने बीएनटी न्यूज से बात करते हुए केंद्र सरकार पर सवालों से भागने का आरोप लगाया।

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा, 'भारत सरकार कुछ कारणों से अभी किसी भी सवाल का जवाब नहीं दे रही है। हमें इंतजार करना चाहिए कि जब समय आए तो भारत सरकार जवाब दे। उस समय उनसे कई सवाल पूछे जा सकते हैं। अभी तक हमें यह नहीं पता है कि पाकिस्तान ने सरहद पर क्या किया है? उसने सरहद पर कुछ किया है या नहीं किया है। हम पाकिस्तान पर भरोसा नहीं कर सकते, लेकिन भारत सरकार अभी तक किसी भी सवाल का जवाब नहीं दे रही है। सर्वदलीय बैठक में सरकार ने कहा कि हम अभी तक के लिए इन सवालों का जवाब नहीं देंगे। जो ब्रीफिंग की गई, उसमें कहा गया कि हम कोई सवाल नहीं लेंगे। ऐसे वक्त में जब सरकार खामोश है और सरकार का कहना है कि देश की सुरक्षा के कारण हम अभी कोई बात डिस्क्लोज नहीं करना चाहते, तो हमें कुछ दिन इंतजार करना होगा।'

उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी सऊदी अरब के दौरे को छोड़कर चले आए, लेकिन क्या कारण था कि वो पहलगाम नहीं गए और वहां के पीड़ितों से नहीं मिले। वो राजनीति करने के लिए पटना चले गए। ऐसे में वक्त में राजनीति नहीं करनी चाहिए। सारा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा है, कोई राजनीति नहीं कर रहा है और कोई सवाल नहीं पूछ रहा है। ऐसे में यह जिम्मेदारी भारतीय जनता पार्टी की भी बनती है कि वो किसी मुद्दे पर राजनीति नहीं करे।'

अल्वी ने कहा, 'पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को वापस लेने का बहुत ही सही वक्त है। लेकिन यह फैसला भारत सरकार करेगी कि क्या उचित है। मैं इतना मानता हूं कि हमारी फौज हमारा गर्व है। हमारे फौज से जो कहा जाएगा, वो करके दिखाएगी। पिछले 75 सालों में सेना को जो भी लक्ष्य दिया गया, उसने वो प्राप्त करके दिखाया। 1965 हो, 1971 में पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए या फिर कारगिल हो। फौज हर वो काम करने के लिए तैयार है, जो देश हित में हो, हम दुनिया को दिखा चुके हैं। अब सवाल है कि भारत सरकार क्या करती है।'

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ रही युद्ध की आशंका के बीच केंद्र सरकार के साथ खड़े होने की बात दोहराते हुए उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी दोनों सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं हुए। मीटिंग के अंदर सरकार ने कोई बात नहीं बताई। लेकिन विपक्ष ने सरकार पर कोई हमला नहीं किया। इसके बावजूद सारा विपक्ष कह रहा है कि वो भारत सरकार के साथ खड़े हैं। देश किसी एक राजनीतिक दल नहीं बल्कि सबका है। देश होगा तो राजनीतिक दल होगा। मैं देख रहा हूं कि भाजपा के लोग कांग्रेस पर लगातार सवाल उठाते हैं और पाकिस्तान के बजाय कांग्रेस से लड़ना ज्यादा उचित समझते हैं। उनसे अपील है कि राजनीति करने के लिए बहुत समय है, अभी सभी एक साथ रहें। पाकिस्तान लगातार सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है, बमबारी कर रहा है। भारत सरकार को फैसला करना है कि उसका जवाब कैसे देंगे।'

भारत का पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब

■ बीएनटी न्यूज

सैन्य अधिकारियों ने बताया कि एक त्वरित और समन्वित हमले में भारत ने बालाकोट के बाद से सबसे व्यापक सीमापार हमला किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। ऑपरेशन सिंदूर नाम से किए गए इन हमलों में वायु, नौसेना और जमीन आधारित परिसंपत्तियां शामिल थीं और इन्हें पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में अंधेरे में शुरू किया गया था जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे।

भारत का कहर केवल सैन्य विजय नहीं है बल्कि यह रणनीतिक दृढ़ता, कूटनीतिक सफलता, आंतरिक स्थिरता और वैश्विक सम्मान का प्रतीक है। भारत लंबे समय से पाकिस्तान के बार-बार उकसावे की नीति के बावजूद अपने संयम और शक्ति का संतुलन दिखाता चला आ रहा था। लेकिन इस बार पाक ने हद खत्म की तो भारत ने जवाब दिया। भारत का जवाब पूरे विश्व ने देखा और सराहा। भारत की एयर स्ट्राइक ने पाक के आतंकवादी कैंप का खात्मा कर दिया वहीं अब वहां क्या हो रहा है पूरा विश्व देख रहा है। भारत के डिफेंस सिस्टम का भी दुनिया ने लोहा माना और पाक के अटैक को विफल किया। भारत अलर्ट मोड में धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है और दुश्मन के किसी भी हमले को विफल करने की ताकत रखता है। एहतियात के तौर पर बहुत से एयरपोर्ट को बंद किया गया है। उड़ानों को रदद किया गया है। आईपीएल को भी स्थागित कर दिया गया है ताकि किसी विपरीत परिस्थितियों में जान—माल का नुकसान न हो।

बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया कि उसने एक तिहाई बलूचिस्तान पर कब्जा कर लिया है। बीएलए ने दावा किया है कि पाकिस्तानी सेना अपनी चौकी छोड़कर भाग चुकी है। बीएलए ने अफगानिस्तान-ईरान से सटे हिस्से पर कब्जे का दावा किया है। इसी बीच पाकिस्तान के कई इलाकों में इमरजेंसी जैसे हालात बने हुए हैं। लोगों को घरों में रहने की हिदायत दी गई। बलोच लिबरेशन आर्मी ने बयान जारी कर कहा है कि उसने मस्तूंग और लाखी में पाकिस्तानी सेना और उसके सहयोगियों पर छह अलग-अलग हमले किए। इन हमलों में पाकिस्तानी सेना, उसके खुफिया और कम्युनिकेशन टॉवर को निशाना बनाकर रिमोट कंट्रोल आईईडी से और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से हमले किए।

एक्स ने बंद किये एकाउंट

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने भारत में आठ हजार अकाउंटों को ब्लॉक करना शुरू कर दिया है। एक्स ने कहा कि उसे भारत सरकार से इसे लेकर आदेश मिला है। जिसमें आठ हजार से अधिक अकाउंट को ब्लॉक करने की आवश्यकता बताई गई है। गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। पाकिस्तान लगातार फेक खबरों के माध्यम से प्रॉपेगेंडा फैला रहा है।

सेना पर हमें गर्व है : मोदी

ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय सेना की जांबाजी की तारीफ की। उन्होंने कहा हमें भारत की सेना पर गर्व है। पीएम ने सेना की पूरी कार्रवाई पर नजर रखी हुई थी। सेना की पूरी कार्रवाई के बाद प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति से मुलाकात की और पूरे ऑपरेशन की जानकारी दी।

भारत के सशस्त्र बलों पर बहुत गर्व है : राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर की गई सैन्य कार्रवाई के बाद कहा कि उन्हें भारत के सशस्त्र बलों पर बहुत गर्व है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक्स पर पोस्ट किया, हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है। जय हिंद!

भारतीय सेना को सलाम : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सेना की कार्रवाई की तारीफ करते हुए कहा कि हमें अपनी सेना पर पूरा भरोसा है दुश्मनों का माकूल जवाब देता है। सेना को सलाम। उधर खरगे ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के लिए 24 अकबर रोड पर दिल्ली में मौजूद वरिष्ठ नेताओं की एक अनौपचारिक आपात बैठक बुलाई।

पराक्रम की विजय होती है : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पराक्रम की विजय होती है। उन्होंने एक्स पर कहा कि पराक्रमो विजयते! भारत ने पाकिस्तान और पीओके के अंदर आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। इसमें आतंकी सरगना हाफिज सईद और मसूद अजहर के ठिकाने शामिल हैं।

अब पाकिस्तान को हुआ होगा दर्द का एहसास...

ऑपरेशन सिंदूरः शहीद लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी

■ बीएनटी न्यूज

22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी नरवाल ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों पर भारतीय वायुसेना के हमले का स्वागत किया और इसे 26 लोगों की जान लेने के लिए जिम्मेदार लोगों को करारा जवाब बताया। ऑपरेशन के बाद बोलते हुए हिमांशी ने कहा, हमारी सेना और मोदी सरकार ने आतंकवादियों और उनके आकाओं को एक कड़ा संदेश दिया है। हमने जो दर्द सहा है, 26 परिवारों ने जो कुछ झेला है, वह अब सीमा पार के लोगों को पता चल गया है।

घात लगाए जाने वाले दिन को याद करते हुए हिमांशी ने कहा कि उन्होंने हमलावरों से उन्हें छोड़ देने की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि मैंने उनसे कहा कि मेरी शादी को सिर्फ. छह दिन हुए हैं। मैंने उनसे रहम की भीख मांगी। लेकिन आतंकवादियों ने जवाब दिया, 'मोदी से पूछो'। और आज, मोदी जी और हमारी सेना ने उन्हें जवाब दे दिया है। हिमांशी ने कहा, पहलगाम हमले का बदला लिया गया है, इस बात से संतुष्टि है। लेकिन गहरा दुख भी है – विनय और 26 अन्य अब हमारे बीच नहीं हैं।

अपने पति की मौत के तुरंत बाद हिंदू-मुस्लिम एकता की मांग करने और कश्मीरियों के लिए समर्थन मांगने के लिए पहले की आलोचना का जिक्र करते हुए हिमांशी ने कहा कि उनकी टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने कहा, जिस तरह से मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया और मेरे खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया, उससे मैं बहुत आहत हुई। मैं एक बहादुर सैनिक की पत्नी हूँ। हमले के बाद, मैं पहलगाम में दो घंटे तक अकेली रही। मैं अकेली नहीं थी – 26 अन्य बहनें, अन्य महिलाएँ भी वहाँ थीं। हमें उम्मीद थी कि सरकार और सेना हमारे दर्द को समझेगी।

नरवाल के पिता राजेश नरवाल ने पाकिस्तान में आतंकवादियों के खिलाफ भारत की कार्रवाई की सराहना की और कहा कि मोदी सरकार ने एक कड़ा संदेश दिया है तथा अब 22 अप्रैल के हमले के साजिशकर्ता भविष्य में ऐसे हमले दोहराने से पहले "100 बार सोचेंगे।" भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए जिनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का ठिकाना भी शामिल है।

सभी पार्टियों के प्रमुख एकसुर में हम सरकार के साथ

■ बीएनटी न्यूज

सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई इसमें उसने सभी राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों को पाक के खिलाफ किए गए कार्रवाइयों की जानकारी दी। उधर बैठक के बाद सभी दलों ने सरकार के साथ खड़े होने की बात दोहराई। बैठक में प्रमुख दलों के नेताओं ने भाग लिया और इसकी अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की, जिसके दौरान कांग्रेस ने कहा कि उन्होंने सरकार को पूर्ण समर्थन दिया है। सूत्र बता रहे हैं कि सरकार की ओर से कहा गया है कि ऑपरेशन सिंदूर में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। वहीं केंद्र ने पड़ोसी देश के साथ चल रहे संघर्ष के बारे में राजनीतिक दलों को जानकारी देने के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के दौरान कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है, जबकि सीमा पर स्थिति तेजी से बदल रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में गृह मंत्री अमित शाह,

विदेश मंत्री एस जयशंकर और मंत्री जेपी नड्डा और निर्मला सीतारमण ने भाग लिया।

सर्वदलीय बैठक में एक बड़ा खुलासा हुआ है। सरकार ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में 100 आतंकवादियों का खात्मा हुआ है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर अभी चल रहा है। इस वजह से इससे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी को साझा नहीं किया जा सकता।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की, जिन्होंने सभी को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी और सभी नेताओं ने अपने सुझाव दिए। सभी नेताओं ने ऐसे समय में परिपक्वता दिखाई है जब हम सब मिलकर काम कर रहे हैं। सभी ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए सशस्त्र बलों की सराहना की और उन्हें बधाई दी, और कहा कि हम सरकार और सशस्त्र बलों का समर्थन करेंगे। हमें कुछ सुझाव भी मिले हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि हम सिर्फ.शासन करने के लिए सरकार नहीं बनाते।

हमने सरकार की बातें सुनीं सब सरकार के साथ : खरगे

कांग्रेस सांसद और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि बैठक में हमने सुना कि उन्हें (केंद्र को) क्या कहना था। उन्होंने यह भी कहा कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे के कारण कुछ गोपनीय जानकारी साझा नहीं कर सकते। हमने उनसे कहा कि हम सब सरकार के साथ हैं।

हमारा पूरा समर्थन : राहुल

सर्वदलीय बैठक के बाद कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि हमने सरकार को अपना पूरा समर्थन दिया है। जैसा कि मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, उन्होंने (सरकार ने) कहा कि कुछ चीजें हैं जिन पर हम चर्चा नहीं करना चाहते हैं।

भारत सरकार और सेना जवाब देने में सक्षम : संजय सिंह

आप सांसद संजय सिंह ने कहा ने पहले कहा कि बैठक में भारतीय सेना द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में हमें जानकारी दी जाएगी। जिस तरह से ऑपरेशन सिंदूर के तहत नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया, मसूद अजहर चिल्लाता हुआ और यह कहता हुआ नजर आया कि वह धमकी भरा प्रेस रिलीज जारी करेगा, उससे पता चलता है कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर पोषित और पोषित आतंकी संगठनों को बड़ा सबक सिखाया है।

राहुल गांधी ने अमेरिकी रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट को नए पोप चुने जाने पर दी बधाई

■ बीएनटी न्यूज

अमेरिकी धर्मगुरु रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्त को नया पोप चुन लिया गया है। वो अमेरिका से पोप बनने वाले पहले कार्डिनल हैं। दो दिनों तक चली गहन चयन प्रक्रिया के बाद प्रीवोस्ट को पोप लियो क्श के रूप में चुना गया।

नए पोप के चयन की घोषणा के साथ ही वेटिकन में सेंट पीटर्स स्क्वायर पर हजारों की भीड़ ने उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। कई वैश्विक नेताओं ने भी प्रीवोस्त के नेतृत्व में चर्च के प्रगतिशील भविष्य की उम्मीद जताई है। वहीं कांग्रेस नेता ने उन्हें बधाई दी है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कार्डिनल रॉबर्ट प्रीवोस्त को पोप लियो क्श के रूप में चुने जाने पर हार्दिक बधाई। उनके नेतृत्व में शांति, करुणा और मानवता की सेवा को बढ़ावा मिलेगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर वैश्विक कैथोलिक समुदाय को मेरी शुभकामनाएं।'

शिकागो में जन्मे 69 वर्षीय प्रीवोस्ट, ऑगस्टिनियन ऑर्डर के सदस्य थे और इन्होंने पेरू में बड़े पैमाने पर सेवा की थी। वह साल 2023 से बिशप के लिए डिकास्टरी के प्रीफेक्ट और लैटिन अमेरिका के लिए पोंटिफिकल कमीशन के अध्यक्ष थे। उन्हें पोप फ्रांसिस द्वारा पदों पर नियुक्त किया गया था, जिन्होंने उन्हें कार्डिनल के रूप में पदोन्नत किया था। वह लियो क्श का पोंटिफिकल नाम लेंगे।

लोग यह जानने को उत्सुक थे कि नया पोप कौन होगा, पोप लियो सेंट पीटर्स बेसिलिका की सेंट्रल बालकनी में सिस्टिन चैपल की चिमनी से सफेद धुआं निकलने के करीब 70 मिनट बाद दिखाई दिए। तब स्पष्ट हुआ कि 133 कार्डिनल निर्वाचकों ने कैथोलिक चर्च के लिए एक नया नेता चुन लिया है। नए पोप के रूप में रॉबर्ट प्रीवोस्त के नाम का ऐलान फ्रांस के कार्डिनल डोमिनिक माम्बरटी ने किया। सेंट पीटर्स स्क्वेयर में जुटे लोगों के हुजूम के बीच उन्होंने कहा कि 'हमारे पास एक पोप है।'

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इटली भाषा में जयकार कर रही भीड़ को संबोधित करते हुए नए पोप ने कहा, 'आप सभी के लिए शांति की उम्मीद। भाइयों और बहनों, यह पुनर्जीवित मसीह का पहला अभिवादन है। मैं आपके परिवारों, आप सभी को, चाहे आप कहीं भी हों, शांति का अभिवादन देना चाहता हूं। आपको सुकून प्राप्त हो।'

चुनाव आयोग ने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने में बड़ी उपलब्धि अर्जित की

■ बीएनटी न्यूज

भारत निर्वाचन आयोग ने अब तमिलनाडु और पुडुचेरी के प्रक्षेत्र स्तरीय चुनाव कार्यकताओं को तमिल भाषा में प्रशिक्षण देने का एक और अभूतपूर्व कदम उठाया है। दिल्ली के भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में आयोजित इस मिश्रित-बैच प्रशिक्षण कार्यक्रम में 264 बीएलओ पर्यवेक्षकों, 14 ईआरओ, 2 डीईओ और अन्य अधिकारियों सहित 293 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बीएलओ के साथ भारत के निर्वाचन आयोग का यह पहला परस्पर संयोजन है और सही तथा अद्यतन मतदाता सूची सुनिश्चित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके साथ ही, पिछले कुछ हफ्तों के दौरान आईआईआईडीईएम में आयोजित किए जा रहे गहन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लगभग 2,300 प्रतिभागियों को लाभ हुआ है। यह दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम अगले कुछ वर्षों में देश भर में एक लाख से अधिक बीएलओ सहित सभी स्तरों पर चुनाव कार्यकताओं को प्रशिक्षित करने के व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुरूप है। बीएलओ पर्यवेक्षकों को फॉर्म 6, 7 और 8 सहित विभिन्न फॉर्मों को सही तरीके से भरना सुनिश्चित करने के लिए संवादमूलक सत्रों, परस्पर वार्ता के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है। मॉड्यूल में आईटी समाधानों के उपयोग में व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल है। इन बीएलओ पर्यवेक्षकों को अन्य बीएलओ को प्रशिक्षित करने के लिए विधानसभा स्तर के मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार किया जा रहा है।

प्रतिभागियों को आरपी अधिनियम 1950 की धारा 24 (ए) के तहत जिला मजिस्ट्रेट (जिलाधिकारी या समकक्ष रैंक के अधिकारी) और धारा 24 (बी) के तहत राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के साथ अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची के मुकाबले पहली और दूसरी अपील के प्रावधानों से भी परिचित कराया गया। उल्लेखनीय है कि एसएसआर अभ्यास पूरा होने के बाद 6 से 10 जनवरी 2025 तक तमिलनाडु और पुडुचेरी से कोई अपील दायर नहीं की गई थी।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर पृथ्वीराज चव्हाण और उदित राज ने उठाए सवाल, 'नाम' पर जताई आपत्ति

■ बीएनटी न्यूज

भारतीय सेना के शौर्य पर कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने सवाल खड़े कर दिए हैं। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण के 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सरकार के भावनात्मक लाभ लेने वाले बयान से कांग्रेस ने किनारा कर लिया है। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि इस पर कोई टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि केंद्र सरकार ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से इसका भावनात्मक लाभ ले रही है। युद्ध बंदूकों, विमानों और बमों का इस्तेमाल करके लड़ा जाता है, न कि प्रतीकात्मकता या भावनाओं के माध्यम से। ऑपरेशन सिंदूर पर पृथ्वीराज चव्हाण के सवाल उठाने को लेकर कांग्रेस ने अपना स्टैंड स्पष्ट किया और उनके इस बयान से दूरी बना ली है।

बीएनटी न्यूज से बात करते हुए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि अभी किसी को इस पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार कोई भी कदम उठाए, कांग्रेस पार्टी पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़ी है।

पहले महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर कहा कि सरकार इसका भावनात्मक लाभ ले रही है तो अब दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उदित राज ने अभियान के नाम पर ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि बेहतर होता कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की जगह कोई और नाम दिया जाता।

बीएनटी न्यूज से बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि बुद्धिजीवियों के साथ चर्चा के दौरान यह बात सामने आई कि सिंदूर एक खास धर्म से जुड़ा है, और अगर कोई दूसरा नाम चुना जाता तो बेहतर होता। हालांकि, यह बहुत महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि पाकिस्तान को सबक सिखाया गया है।

सर्वदलीय बैठक पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि सरकार को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताना चाहिए। सरकार को यह भी बताना चाहिए कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की ओर से उनकी संसद में कहा गया है कि उन्होंने तीन राफेल मार गिराए। मेरा मानना है कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि शहबाज शरीफ कितने झूठे हैं। वह कैसे दावा कर सकते हैं कि तीन राफेल मार गिराए गए। जहां तक सरकार और सर्वदलीय बैठकों में हुई चचाओं का सवाल है, हम उन विवरणों को साझा नहीं कर सकते। पाकिस्तान के झूठे दावों पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि मैंने पाकिस्तान की संसद में देखा कि पीएम शहबाज शरीफ दावा कर रहे थे कि उन्होंने तीन राफेल मार गिराए हैं। यह बकवास है और वे इस तरह के झूठे दावे करके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना कद बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। मेरा मानना है कि वे भारतीय सेना के हताहतों के बारे में भी झूठ बोल रहे हैं।

पुंछ हमले को लेकर उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अभी सबक सिखाने की और जरूरत है क्योंकि वह सबक सीखने के बाद भी नापाक हरकत लगातार कर रहा है।

उदित राज और पृथ्वीराज चव्हाण मानसिक संतुलन खो बैठे हैं: शाइना एनसी

कांग्रेस नेताओं के इन विवादित बयानों पर शिवसेना नेता शाइना एनसी ने बीएनटी न्यूज से बातचीत में कहा कि कांग्रेस नेताओं ने ऑपरेशन सिंदूर पर बयान देकर साबित कर दिया है कि वे अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। ऑपरेशन सिंदूर उन महिलाओं का प्रतीक है जिन्होंने पहलगाम आतंकी हमले में अपने पति को खो दिया। पूरा देश इस आतंकी हमले के बाद गमगीन है। लेकिन, कांग्रेस में भावना नाम की चीज नहीं है। उन्हें बस आपत्तिजनक टिप्पणी करनी है।

कांग्रेस नेता उदित राज की ओर से 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम पर ऐतराज को लेकर नेता शाइना एनसी ने कहा कि उदित राज अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। भारत सरकार अगर कोई भी अच्छा कार्य करती है तो उन्हें दिक्कत होती है क्योंकि, वे सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर उन महिलाओं का प्रतीक है जिन्होंने अपने पति को खो दिया। ऑपरेशन सिंदूर चलाकर हमारी भारतीय सेना ने आतंकवादियों को करारा जवाब दिया और पाकिस्तान और पीओके स्थित 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। मुझे लगता है कि उदित राज को अब रिटायरमेंट ले लेना चाहिए और कहीं जाकर काउंसलिंग करवानी चाहिए। इसी के साथ ही कांग्रेस पार्टी को अपनी दुकान भी बंद कर लेनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि दूसरी ओर पृथ्वीराज चव्हाण को बताना चाहिए कि जब 2008 में आतंकी हमले हुए तो उनकी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ मुंहतोड़ जवाब क्यों नहीं दिया? भारत की जनता को पीएम मोदी में विश्वास है क्योंकि, यह नया भारत है, घर में घुसकर मारता है।

राहुल गांधी से लेकर शरद पवार... 'भारत माता की जय' के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' की तारीफ की

■ बीएनटी न्यूज

भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले के दो सप्ताह बाद सख्त जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किये, जिनमें आतंकवादी समूहों लश्कर-ए-तैयबा और जैश- ए- मोहम्मद के गढ़ भी शामिल हैं।

दलगत राजनीति से ऊपर उठते हुए भारत के विभिन्न दलों के नेताओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए मिसाइल हमलों की सराहना की और सोशल मीडिया पर 'भारत माता की जय' और 'जय हिंद' जैसे देशभक्ति के नारे पोस्ट किए।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर की गई सैन्य कार्रवाई के बाद कहा कि उन्हें भारत के सशस्त्र बलों पर बहुत गर्व है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक्स पर पोस्ट किया, हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है। जय हिंद! राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की, कहा; देश को उन पर गर्व है।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए मिसाइल हमलों का स्वागत करते हुए कहा कि हम पूरी मजबूती से भारतीय सेना तथा भारत सरकार के साथ खड़े हैं। गहलोत ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तानी आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर आतंक पर कड़ा प्रहार किया है।''

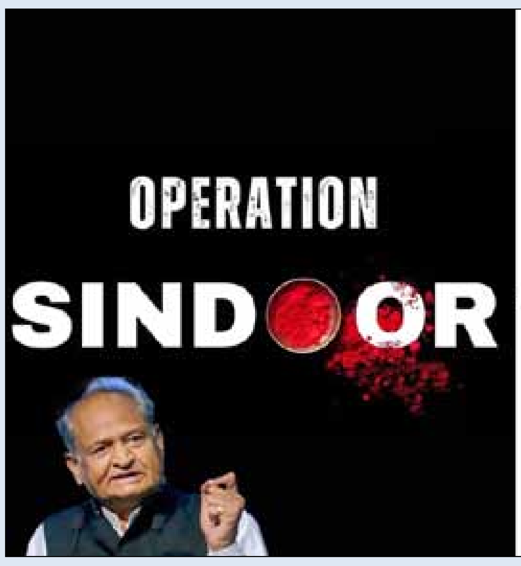

'जय हिंद' और भारतीय तिरंगे की इमोजी के साथ गहलोत ने पोस्ट में कहा, ''कांग्रेस पार्टी और पूरा भारत इस कार्रवाई का स्वागत करता है और हम भारतीय सेना तथा भारत सरकार के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं।''

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'भारत माता की जय' कहा जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऑपरेशन सिंदूर का स्वागत 'जय हिंद' और 'जय हिंद की सेना' के साथ किया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जय हिंद! ऑपरेशन सिंदूर!''

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत माता की जय!'' कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने 'एक्स' पर 'जय हिंद' लिखा वहीं लोजपा (रामविलास) नेता और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, ''सत्यमेव जयते। जय हिंद की सेना!'' ज्ञात हो कि पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले के दो सप्ताह बाद सख्त जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किये, जिनमें आतंकवादी समूहों लश्कर-ए-तोएबा और जैश- ए- मोहम्मद के गढ़ भी शामिल हैं। सूत्रों ने कहा कि सभी नौ ठिकानों पर हमले सफल रहे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की बारीकी से निगरानी की।

अधिकारियों ने बताया कि जिन नौ ठिकानों को निशाना बनाया गया उनमें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का मुख्यालय शामिल है। ये दोनों पाकिस्तान के पंजाब में हैं। लाहौर से थोड़ी दूरी पर स्थित मुरीदके, एक विशाल 'मरकज' यानी लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का अड्डा है और बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का मुख्य गढ़ है।

आतिशी ने मांगा प्रवेश वर्मा का इस्तीफा

■ बीएनटी न्यूज

दिल्ली में पानी को लेकर सियासत तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी और सत्तारूढ़ भाजपा में वार-पलटवार का दौर देखने को मिल रहा है। आज भाजपा ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा का आरोप था कि अरविंद केजरीवाल का निर्देश पर पंजाब दिल्ली को पानी नहीं दे रहा है। अब इसी को लेकर नेता प्रतिपक्ष और आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने भाजपा पर पलटवार किया है। इतना ही नहीं, उन्होंने जल मंत्री प्रवेश वर्मा का इस्तीफा भी मांग लिया है। आतिशी ने कहा कि दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा को इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि उन्हें इतना भी नहीं पता कि दिल्ली का पानी सिर्फ. 2 नदियों से आता है – यमुना और गंगा – और दोनों ही पंजाब से नहीं आती। इसलिए पंजाब दिल्ली का पानी रोक ही नहीं सकता। उन्होंने आगे कहा कि 'ऊपरी गंगा नहर' से गंगा का और 'मुनक नहर' से यमुना का पूरा पानी दिल्ली को मिल रहा है।

पानी कम नहीं आ रहा। अगर दिल्ली वालों को पानी की कमी है तो वो भाजपा की कुप्रबंध की वजह से। वैसे भी – जिस मंत्री को ये भी नहीं पता कि दिल्ली को किस नदी से पानी मिलता है, वो उस पानी को क्या मैनेज कर पाएंगे?

दिल्ली में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार का दावा है कि पिछले एक हफ्ते से शहर को हरियाणा से मिलने वाली पानी की आपूर्ति में लगातार कमी आ रही है।

दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने इस संकट के लिए आप और पंजाब सरकार को जिम्मेदार ठहराया है और आरोप लगाया है कि पानी की कमी दिल्ली विधानसभा चुनावों में पार्टी की हालिया हार का बदला लेने के लिए राजनीति से प्रेरित कदम है। वर्मा ने कहा कि पिछले एक हफ्ते से दिल्ली को हरियाणा से कम पानी मिल रहा है। यह स्थिति पंजाब सरकार और आम आदमी पार्टी की साजिश के कारण पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आप ने जानबूझकर पानी की आपूर्ति कम कर दी है। दिल्ली के जल मंत्री ने बताया कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड से दिल्ली को मिलने वाले पानी में 1 मई से 5 मई तक लगातार कमी आई है। उनके अनुसार, 1 मई को 88 क्यूसेक, 2 मई को 119 क्यूसेक, 3 मई को 71 क्यूसेक, 4 मई को 55 क्यूसेक और 5 मई को 130 क्यूसेक की कमी आई।

केजरीवाल ले रहे दिल्लीवालों से हार का बदला

■ बीएनटी न्यूज

दिल्ली सरकार ने आरोप लगाया है कि पंजाब सरकार और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता अरविंद केजरीवाल ने जानबूझकर राष्ट्रीय राजधानी में पानी की आपूर्ति कम करने की साजिश रची है। यह साजिश हरियाणा और पंजाब के बीच चल रहे जल वितरण विवाद के बीच की है, जिससे दिल्ली की आपूर्ति प्रभावित हुई है। दिल्ली में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार का दावा है कि पिछले एक हफ्ते से शहर को हरियाणा से मिलने वाली पानी की आपूर्ति में लगातार कमी आ रही है। दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने इस संकट के लिए आप और पंजाब सरकार को जिम्मेदार ठहराया है और आरोप लगाया है कि पानी की कमी दिल्ली विधानसभा चुनावों में पार्टी की हालिया हार का बदला लेने के लिए राजनीति से प्रेरित कदम है।

दिल्ली के निवासियों के लिए स्थिति को गंभीर समस्या बताते हुए, मंत्री ने संकट के लिए गंदी राजनीति को दोषी ठहराया और आश्वासन दिया कि सरकार इस मुद्दे को हल करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह बनाएगी। इस बीच, पानी के बंटवारे को लेकर हरियाणा और पंजाब के बीच तनाव बढ़ गया। हरियाणा मंत्रिमंडल ने पंजाब द्वारा राज्य को 4,500 क्यूसेक पानी छोड़ने से इनकार करने की कड़ी निंदा की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आप के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पर इस मुद्दे पर तुच्छ राजनीति करने का आरोप लगाया।

सीबीआई चीफ प्रवीण सूद को मिला एक साल का एक्टेंशन

■ बीएनटी न्यूज

सीबीआई के निदेशक प्रवीण सूद को एक साल का सेवा विस्तार दिया गया है, जिससे उनका कार्यकाल मूल दो साल के कार्यकाल से आगे बढ़ गया है, जो 24 मई, 2025 को समाप्त होने वाला था। अधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय चयन समिति की बैठक के दौरान लिया गया, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सदस्य थे। कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने समिति की सिफारिशों के आधार पर विस्तार को मंजूरी दी। कर्नाटक कैडर के 1986 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी सूद ने कर्नाटक में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के रूप में कार्य करने के बाद 25 मई, 2023 को सीबीआई प्रमुख का पदभार संभाला। 1964 में हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में जन्मे सूद 22 साल की उम्र में आईपीएस में शामिल हुए, उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान

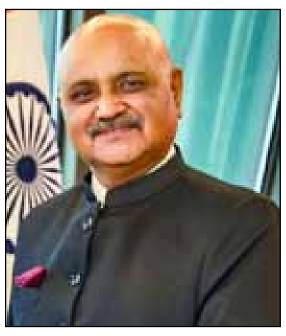

(आईआईटी) दिल्ली से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक किया। उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) बेंगलुरु और न्यूयॉर्क में सिरैक्यूज विश्वविद्यालय में मैक्सवेल स्कूल ऑफ सिटीजनशिप एंड पब्लिक अफेयर्स से स्नातकोत्तर उपाधियाँ भी प्राप्त की हैं। पुलिसिंग के लिए अपने तकनीक-संचालित दृष्टिकोण के लिए जाने जाने वाले सूद ने अंतरराष्ट्रीय और अंतरराज्यीय प्रभावों वाली कई हाई-प्रोफाइल जांचों की देखरेख की है। उन्होंने कर्नाटक में अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम और इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ऑपरेशन सिंदूर: संजय राउत ने की भारतीय सेना की तारीफ

■ बीएनटी न्यूज

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। पाकिस्तान की सेना लगातार सीमा पर सीजफायर का उल्लंघन कर रही है। पाकिस्तान की सेना जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा, बारमूला, उरी और अखनूर के सामने वाले हिस्सों में नियंत्रण रेखा के आगे हथियारों व तोपखानों के उपयोग किए बिना ही गोलीबारी कर रही है।

इसी बीच ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर शिवसेना नेता संजय राउत ने भी खुशी जाहिर की है। संजय राउत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए सशस्त्र बलों की सराहना की और कहा कि जो लोग राजनीतिक लाभ के लिए इसका श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं, वे पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के साथ अन्याय करेंगे।

पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सशस्त्र बलों के सबसे बड़े हमलों में से एक था और उन्होंने इसे सिर्फ शुरूआत बताया।

उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने जो कदम पाकिस्तान के खिलाफ उठाया है वो गौरवान्वित करने वाला है। भारतीय सेना पूरी तरह से प्रोफेशनल है। वो किसी पर जानकर हमला नहीं करती है। भारतीय सेना की अपनी प्रतिष्ठा है। पाकिस्तान ने हमारे 26 लोगों की जान ली, जिसके बाद हमने उन पर हमला किया। हमने उनके मिलिट्री कैंप या आम जनता पर हमला नहीं किया बल्कि आतंकी ठिकानों पर ही निशाना साधा है। ये कदम किसी भी सूरत में गलत नहीं है।

आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार के साथ

■ बीएनटी न्यूज

जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। इसे लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दो टूक कहा कि आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए उनकी पार्टी सरकार के साथ है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा है कि ऑल पार्टी मीटिंग फिर होना तय हुआ है, जो हमारी पार्टी से सुझाव होगा, वह देंगे। सजग रहते हुए ही सीमा की सुरक्षा हो सकती है। सरकार जो फैसला लेना चाहे, ठोस कदम उठाना चाहे आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए, हमारी पार्टी सरकार के साथ है।

उन्होंने कहा कि भारत की सुरक्षा को लेकर कोई चूक, कोई स्वीकार नहीं कर सकता है। हमें अपनी सेना और सशस्त्र बलों पर पूरा भरोसा है। उन्हीं की वजह से हम सुरक्षित माहौल में रह पा रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि कुछ लोग कहते थे कि अब नए तरीके का युद्ध है और इसमें फौज की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसका परिणाम यह हुआ कि 'अग्निवीर' जैसी व्यवस्था लागू हुई थी, जो स्थायी नहीं है, लेकिन वे ही लोग अब परंपरागत तरीकों को क्यों अपना रहे हैं?

बीजेपी विधायक कंवरलाल मीणा की विधायकी जाना तय

■ बीएनटी न्यूज

बीजेपी विधायक कंवरलाल मीणा की विधायकी जाना तय हो चुकी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कंवरलाल मीणा की एसएलपी को खारिज कर उन्हें दो सप्ताह में ट्रायल कोर्ट के समक्ष सरेंडर करने निर्देश दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस विक्रमनाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस संजय करोल की बैंच में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान विधायक के वकील ने कहा कि इस मामले में रिवॉल्वर की कोई बरामदगी नहीं हुई हैं। इस तरह क्रिमिनल फोर्स का कोई मामला नहीं बनता है। वहीं जिस वीडियो कैसेट को तोड़ने और जलाने की बात हुई है। उस वीडियो कैसेट को पुलिस ने बरामद नहीं किया हैं। इसके बाद

सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला भी यहां नहीं बन सकता हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उनकी दलीलों को खारिज कर एसएलपी को खारिज कर दिया।

वहीं विधायक को दो सप्ताह में ट्रायल कोर्ट के समक्ष सरेंडर करने के निर्देश दिए। करीब 20 साल पुराने मामले में एक मई को हाईकोर्ट ने विधायक की अपील को खारिज कर अपीलेंट कोर्ट (एडीजे, अकलेरा) के फैसले को बरकरार रखा था।

अपीलेंट कोर्ट ने विधायक को राजकार्य में बाधा डालने, सरकारी अधिकारियों को डराने-धमकाने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में दोषी करार देकर 3 साल की सजा सुनाई थी।

सनी जोसेफ बने केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नए अध्यक्ष

■ बीएनटी न्यूज

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने के. सुधाकरन के स्थान पर सनी जोसेफ को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में इसकी घोषणा की।

इसके अलावा, वरिष्ठ कांग्रेस सांसद अदूर प्रकाश को यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के संयोजक की भूमिका सौंपी गई है। वहीं, केपीसीसी के नेतृत्व ढांचे को मजबूत करने के लिए तीन कार्यकारी अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। पी.सी. विष्णुनाथ, ए.पी. अनिल कुमार और शफी परमबिल को केपीसीसी का नया कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने जारी बयान में कहा, केपीसीसी के नए अध्यक्ष विधायक सनी जोसेफ होंगे और यूडीएफ के संयोजक अतिंगल सांसद अदूर प्रकाश होंगे। केपीसीसी के नए कार्यकारी अध्यक्ष विधायक पी. सी. विष्णुनाथ, विधायक ए.पी. अनिल कुमार और वडाकरा सांसद शफी परमबिल होंगे। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इन नियुक्तियों को तत्काल प्रभाव से मंजूरी प्रदान की है।

वर्तमान यूडीएफ संयोजक एम.एम. हसन, तथा कार्यकारी अध्यक्ष कोडिकुन्निल सुरेश, टी.एन. प्रतापन और टी. सिद्दीकी को उनके पदों से हटा दिया गया है। नए कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए गए पी. सी. विष्णुनाथ को एआईसीसी सचिव के पद से मुक्त कर दिया गया है।

निवर्तमान केपीसीसी प्रमुख के. सुधाकरन कांग्रेस कार्य समिति में स्थायी आमंत्रित सदस्य के रूप में बने रहेंगे। राज्यसभा सांसद डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह भी कार्यसमिति में स्थायी आमंत्रित सदस्य होंगे।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि फेरबदल का उद्देश्य केरल में कांग्रेस को खड़ा करना और आंतरिक गुटबाजी को दूर करना है। केरल में विधानसभा चुनाव के नजदीक आने के साथ पार्टी को उम्मीद है कि नई टीम राज्य में वापसी की जमीन तैयार कर सकती है। ये नियुक्तियां 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर की गई हैं। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल अगले साल 23 मई को समाप्त हो रहा है।

केरल विधानसभा में विधायक जोसेफ अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में पार्टी की राज्य इकाई का नेतृत्व करेंगे। उन्हें नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष पी.सी. विष्णुनाथ, ए.पी. अनिल कुमार और शफी परमबिल का समर्थन प्राप्त होगा। पार्टी के नए अध्यक्ष सनी जोसेफ अब वकील के रूप में काम नहीं करते, इसके बावजूद पार्टी सदस्य उन्हें 'सनी लॉयर' के नाम से जानते हैं।

सावधान रहें: आपका सोशल मीडिया पाकिस्तान प्रायोजित दुष्प्रचार से भर जाएगा- हर पोस्ट को सच न माने

■ बीएनटी न्यूज

जिस दिन पाकिस्तान के आतंकवादियों ने पहलगाम में मासूम लोगों का धर्म पूछ कर हिंदुओं को गोली मारी थी और मुसलमानों को छोड़ दिया था, इसके पीछे का मतलब भी साफ था कि भारत के हिंदू-मुस्लिमों की एकता को भंग किया जाए और सांप्रदायिक दंगे भड़काए जाएं।

पाकिस्तान की सेना को भारता का बढ़ता कद पच नहीं रहा था इसी वजह से दोनों देशों के बीच युद्ध की स्थिति हो जाए और भारत की अर्थव्यवस्था फिर से ध्वस्त हो जाए। जनरल मुनीर की यही चाहत थी। पहलगाम हमले का भारत ने अब बहुत ही सटीक तरह से बदला ले लिया है। ऐसे में अब पाकिस्तान आतंकियों की लाश पर आसूं बहाकर उन्हें मासूमों की लिस्ट में शामिल करके दुनियाभर की मीडिया के सामने बेचारा बनेगा। इसकी शुरूआत भी पाकिस्तान ने कर दी है। पाकिस्तान से सोशल मीडिया पर पुरानी तस्वीरें शेयर करके लोगों को भड़काना शुरू कर दिया है। ऐसे में पीआईबी ने एक अलर्ट जारी किया है और लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है। पीआईबी ने लोगों से अपील की है कि 'आने वाले दिनों में आपका सोशल मीडिया पाकिस्तान प्रायोजित दुष्प्रचार से भर जाएगा।

हर जानकारी की सावधानीपूर्वक जांच करना महत्वपूर्ण है। अगर आपको कोई संदिग्ध सामग्री मिलती है, खास तौर पर भारतीय सशस्त्र बलों से संबंधित या मौजूदा स्थिति से संबंधित कोई जानकारी, तो इसकी रिपोर्ट

#PIBFactCheck पर करें।

पीआईबी फेक्ट चेक ने सोशल मीडिया पर एक नंबर और मेल भी दिया है और आग्रह किया है किसी तरह की फेक, संदिग्ध सामग्री अगर आपको भेजी जाती है तो आप इस नंबर पर उसे भेज सकते हैं और उसकी प्रमाणिकता की जांच कर सकते हैं।-

WhatsApp:
+91 8799711259

Email:
socialmedia@pib.gov.in

भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर पाकिस्तान के सोशल मीडिया पर किए गए दावों को खारिज करते हुए कहा कि पड़ोसी देश ने ''झूठ और व्यापक दुष्प्रचार'' फैलाने के लिए डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की 'फैक्ट-चेकिंग' इकाई ने कई पोस्ट कर कहा कि पाकिस्तान समर्थित सोशल मीडिया हैंडल भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के विमानों की दुर्घटनाओं की पुरानी तस्वीरें साझा करके दावा कर रहे हैं कि इन विमानों को 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान ने मार गिराया।

'पीआईबी फैक्टचेक' ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''वर्तमान संदर्भ में पाकिस्तान समर्थित 'हैंडल' द्वारा साझा की गई पुरानी तस्वीरों से सावधान रहें।'' कथित लड़ाकू जेट विमान संघर्ष के बारे में पाकिस्तान समर्थित हैंडल पर किए गए पोस्ट का जिक्र करते हुए 'पीआईबी फैक्टचेक' ने कहा, ''साझा किया जा रहा वीडियो फरवरी 2025 का है, जब ग्वालियर में शिवपुरी के पास वायु सेना का एक 'मिराज 2000' विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। दुर्घटना एक नियमित प्रशिक्षण अभियान के दौरान हुई थी।''

सोशल मीडिया पर प्रसारित एक पोस्ट में झूठा दावा किया गया है कि पाकिस्तान की सेना ने बहावलपुर के पास एक भारतीय राफेल जेट को मार गिराया। 'पीआईबी फैक्टचेक' की टीम ने पाया कि तस्वीर 2021 में पंजाब के मोगा में एक 'मिग -21' की दुर्घटना की थी, जिसका वर्तमान घटनाओं से कोई संबंध नहीं था। अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बेबुनियाद दावा भी किया कि हाल में सैन्य हमलों के दौरान भारतीय सैनिकों को पकड़ लिया गया। इस बयान को बाद में वापस ले लिया गया।

गैर-जिम्मेदाराना-बेतुकी टिप्पणियों के लिए निशिकांत दुबे को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

बीएनटी न्यूज

सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा के लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे को शीर्ष अदालत और भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) पर उनकी बेहद गैर-जिम्मेदाराना और बेतुकी टिप्पणियों के लिए फटकार लगाई। वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिकता पर चल रही सुनवाई के बीच, झारखंड के गोड्डा से सांसद निशिकांत दुबे ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि 'भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना भारत में हो रहे सभी गृहयुद्धों के लिए जिम्मेदार हैं' और 'इस देश में धार्मिक युद्ध को भड़काने के लिए केवल और केवल सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है।'

सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड किए गए अपने आदेश में कहा, हमारी राय में, टिप्पणियां बेहद गैर-जिम्मेदाराना थीं और भारत के सर्वोच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों पर आक्षेप लगाकर ध्यान आकर्षित करने की प्रवृत्ति को दर्शाती हैं।

हालांकि शीर्ष अदालत ने दुबे के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्रवाई की मांग करने वाली जनहित याचिका (पीआईएल) पर विचार करने से परहेज किया, लेकिन उसने कहा कि अदालतों को अवमानना की शक्ति का सहारा लेकर अपने फैसले और निर्णयों की रक्षा करने की आवश्यकता नहीं है।

हालांकि, सीजेआई खन्ना की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि सांप्रदायिक घृणा फैलाने या अभद्र भाषा में लिप्त होने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटा जाना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने कहा कि लक्षित समूह को अलग-थलग करने या अपमानित करने का कोई भी प्रयास एक आपराधिक अपराध है और

> **वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिकता पर चल रही सुनवाई के बीच, झारखंड के गोड्डा से सांसद निशिकांत दुबे ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि 'भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना भारत में हो रहे सभी गृहयुद्धों के लिए जिम्मेदार हैं' और 'इस देश में धार्मिक युद्ध को भड़काने के लिए केवल और केवल सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है।'**

उसके साथ उसी तरह से निपटा जाना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने दुबे के बयान की जांच करने के बाद अपने आदेश में कहा कि उनके बयान की विषय-वस्तु सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार को कम करने और बदनाम करने वाली है, यदि हस्तक्षेप नहीं करती है या अदालत के समक्ष लंबित न्यायिक कार्यवाही में हस्तक्षेप करने की प्रवृत्ति रखती है, और न्याय प्रशासन में हस्तक्षेप और बाधा डालने की प्रवृत्ति रखती है।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि भारत में कोई 'गृहयुद्ध' नहीं है और न्यायिक निर्णय कानूनी सिद्धांतों के अनुसार किए जाते हैं, न कि राजनीतिक, धार्मिक या सामुदायिक विचारों को ध्यान में रखकर।

सीजेआई खन्ना की अगुआई वाली पीठ ने कहा, निश्चित रूप से, न्यायालयों और न्यायाधीशों के कंधे इतने चौड़े हैं और उनमें एक अंतर्निहित भरोसा है कि लोग समझेंगे और पहचानेंगे कि आलोचना पक्षपातपूर्ण, निंदनीय और दुर्भावनापूर्ण है।

राहुल गांधी का ऑपरेशन ब्लू स्टार को गलती मानना बड़ी बात

बीएनटी न्यूज

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ऑपरेशन ब्लू स्टार पर दिए बयान की सराहना करते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। राउत ने कहा कि राहुल गांधी एक साफ-सुथरे और ईमानदार नेता हैं, जो अपनी गलतियों को स्वीकार करने की हिम्मत रखते हैं।

उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी ने ऑपरेशन ब्लू स्टार को गलती मानकर बड़ी बात की है, जबकि उस समय वह राजनीति में नहीं थे। गलती स्वीकार करना राजनीति में दुर्लभ है। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह को उनसे सीख लेनी चाहिए। ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद देश ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और सेना के जनरल को खोया, लेकिन राहुल ने उस दौर की गलती को स्वीकार कर साहस दिखाया। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे देश में ऐसा नेता है। राजनीति में गलती स्वीकार करना बहुत बड़ी बात होती है। पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को राहुल गांधी से गलती स्वीकार करना और आगे बढ़ना सीखना चाहिए।'

संजय राउत ने हाल के आतंकी हमलों को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'राजनाथ सिंह कहते हैं कि करारा जवाब दिया जाएगा, लेकिन हम इंतजार कर रहे हैं। देश चाहता है कि आतंकियों को जवाब मिले। जब वह दिन आएगा, हम सरकार के साथ खड़े होंगे। कश्मीर में हालिया आतंकवादी हमले और पुलवामा हमले में 40 जवानों की शहादत के लिए कौन जिम्मेदार हैं? अमित शाह को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए, जैसे 26/11 हमले के बाद शिवराज पाटिल ने इस्तीफा दिया था। जब कड़ी प्रतिक्रिया देने का समय आएगा तो हम निश्चित रूप से सरकार के साथ खड़े होंगे।'

राउत ने ऑल पार्टी मीटिंग में अपनी अनुपस्थिति का जिक्र करते हुए कहा, 'हम वहां इसलिए नहीं गए, क्योंकि हम अमित शाह का इस्तीफा मांगते। इससे सरकार की स्थिति असहज हो जाती। संसद में कश्मीर मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए। 27 लोगों की मौत के बाद अमित शाह को पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। हम संसद में यह मुद्दा उठाएंगे।'

वहीं दिल्ली सरकार में मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर 1984 के सिख नरसंहार को लेकर तीखा हमला बोला है। सिरसा ने कहा, '1984 का सिख नरसंहार, एक ऐसा काला अध्याय जिसे कोई सिख कभी भूल नहीं सकता। कांग्रेस और गांधी परिवार की शह पर 8000 से ज्यादा सिखों को दिल्ली की सड़कों पर जिंदा जला दिया गया। गुरु घरों में बेअदबी हुई, माताओं की गोद उजड़ गई और आज राहुल गांधी उस दर्द पर बस ये कहते हैं, 'जो हुआ, गलत हुआ', क्या राहुल गांधी का यह बयान सिख समुदाय के दर्द को कम कर सकता है?'

जातीय जनगणना वंचितों और शोषितों की भलाई के लिए उठाया गया एक बड़ा कदमः राजभर

बीएनटी न्यूज

केंद्र सरकार के जातीय जनगणना कराने के फैसले के बाद लगातार इसके श्रेय को लेकर राजनीतिक दलों में होड़ लग गई है। हर पार्टी का कहना है कि जातीय जनगणना करवाने के लिए सरकार पर दबाव बनाया गया। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने बीएनटी न्यूज से कहा कि जातीय जनगणना वंचितों और शोषितों के लिए एक बड़ा कदम है।

कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि आजादी के बाद ऐसा पहली बार हो रहा है। देश में पहली बार आजादी के बाद 1931 के बाद जातीय जनगणना कराने का फैसला केंद्र सरकार ने लिया है। इस बात को आज ही नहीं, पिछली बार सत्ता में रहने के दौरान भी कहा था। जिसकी कभी भी जातीय जनगणना पर जुबान नहीं खुली, वो आज इसका श्रेय लेने की होड़ में शामिल होना चाह रहे हैं। अखिलेश यादव पांच साल मुख्यमंत्री थे, उस दौरान इस पर कभी कुछ भी नहीं बोले। एक भी साक्ष्य दें कि प्रधानमंत्री जी से मिलने के बाद जातीय जनगणना की सिफारिश की हो।

उन्होंने कहा कि नीतीश जी ने जो भी हो सका, सही या गलत, जातीय जनगणना करवाई, लेकिन अखिलेश ने ऐसा कुछ नहीं किया। जो फैसला एनडीए सरकार ने लिया है, वो गरीब, कमजोर, पिछड़े, दलित और वंचित वर्ग के हित में है। जातीय जनगणना से उनको भी लाभ जरूर मिलेगा। अब आगे रोहिणी आयोग की रिपोर्ट लागू होगी। अभी न तो राहुल गांधी की जुबान पर है, न तो अखिलेश की जुबान पर है और न ही मायावती इस पर बात कर रही हैं। जैसे ही रोहिणी आयोग की रिपोर्ट लागू होगी, तब उसका श्रेय लेने के लिए फिर से हल्ला बोलेंगे कि हमने दबाव बनाया, इसलिए यह लागू किया गया।

राजभर ने आगे कहा कि दिल्ली में मैंने ब्लॉक प्रमुख का चुनाव जनता से करवाने के लिए प्रस्ताव रखा, अब ये लागू होगा, फिर ये कहेंगे मैंने करवा दिया।

अब भारत का पानी देश के हक में बहेगा : मोदी

बीएनटी न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब भारत का पानी देश में ही रहेगा, जो पहले बाहर जा रहा था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने नदियों को जोड़ने का काम शुरू किया है।

एबीपी के 'इंडिया@2047 समिट' में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस बदलते भारत का सबसे बड़ा सपना है- 2047 तक विकसित भारत। देश के पास सामर्थ्य है, संसाधन हैं और इच्छाशक्ति भी है।

उन्होंने कहा कि दशकों तक हमारी नदियों के पानी को तनाव और झगड़े का विषय बनाकर रखा गया, लेकिन हमारी सरकार ने राज्य सरकारों के साथ मिलकर नदियों को जोड़ने का एक महाअभियान शुरू किया है। केन-बेतवा लिंक परियोजना, पार्वती-कालीसिंध चंबल लिंक परियोजना, इनसे लाखों किसानों को फायदा होगा। वैसे आजकल तो मीडिया में पानी को लेकर काफी चर्चा चल रही है। पहले भारत के हक का पानी भी बाहर जा रहा था, अब भारत का पानी भारत के हक में बहेगा, भारत के हक में रुकेगा और भारत के ही काम आएगा।

उन्होंने देश की युवा शक्ति और महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी को 'बदलते भारत का प्रतिबिंब' बताया। उन्होंने कहा कि यह उपस्थिति अपने आप में अनोखी है और यह दर्शाती है कि भारत अब हर क्षेत्र में अपनी आवाज बुलंद कर रहा है।

इस दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने एक और ऐतिहासिक घोषणा की। उन्होंने बताया कि कुछ देर पहले उन्होंने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री से बातचीत की और भारत-यूके फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को अंतिम रूप दे दिया गया है।

उन्होंने कहा, 'विश्व की दो बड़ी और ओपन मार्केट इकोनॉमी के बीच यह समझौता दोनों देशों के विकास में नया अध्याय जोड़ेगा। यह व्यापार समझौता दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और रोजगार, निवेश और नवाचार के क्षेत्र में भी नए अवसर पैदा करेगा।' उन्होंने अपने संबोधन में यह भी कहा कि देश की उन्नति के लिए यह आवश्यक है कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा जाए। एक समय था, जब फैसले लेने से पहले इस बात की चिंता की जाती थी कि दुनिया क्या कहेगी या वोटबैंक पर असर पड़ेगा।

उन्होंने कहा, 'भांति-भांति के स्वार्थों के कारण बड़े फैसले और रिफॉर्म्स टलते रहते थे, लेकिन बीते एक दशक में भारत ने 'राष्ट्र प्रथम' की नीति को अपनाया है और आज हम इसके सकारात्मक परिणाम देख रहे हैं।'

मैंने पायलट की ट्रेनिंग ली हैः देश के लिए अपनी जान भी दे दूंगा..

बीएनटी न्यूज

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच ऑपरेशन सिंदूर की शुरूआत के बाद राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेज प्रताप यादव ने पायलट के तौर पर अपनी ट्रेनिंग के आधार पर देश के लिए लड़ने की पेशकश की है। पर एक पोस्ट में यादव ने कहा कि वह देश की सेवा करते हुए अपनी जान देने के लिए तैयार हैं। यादव ने पोस्ट किया, अगर पायलट की ट्रेनिंग देश के काम आ सकती है, तो मैं, तेज प्रताप यादव, देश की सेवा के लिए हमेशा तैयार हूं। आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि मैंने भी पायलट की ट्रेनिंग ली है और अगर मैं देश के लिए अपनी जान भी दे दूं, तो मैं खुद को खुशकिस्मत समझूंगा। जय हिंद।

इस बीच, अधिकारियों के अनुसार, भारतीय सेना ने 7 और 8 मई की रात को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार पाकिस्तानी सेना द्वारा बिना उकसावे के छोटे हथियारों और तोपों से की गई गोलीबारी का जवाब दिया है। पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा और बारामुल्ला जिलों और उरी और अखनूर सेक्टरों में विपरीत क्षेत्रों में गोलीबारी की थी।

भारतीय सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया है, '7-8 मई की रात को, पाकिस्तानी सेना की चौकियों ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामुल्ला, उरी और अखनूर क्षेत्रों में नियंत्रण रेखा के पार छोटे हथियारों और तोपों से बिना उकसावे के गोलीबारी की। भारतीय सेना ने भी इसका उचित जवाब दिया।'

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की है, जिसका भारत ने माकूल जवाब दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में नौ आतंकी ढांचों पर भारतीय सेना द्वारा किए गए सटीक हमलों के बाद भारतीय सेना पाकिस्तान द्वारा किए जा रहे संघर्ष विराम उल्लंघन पर कड़ी नजर रख रही है। हमलों का उद्देश्य पहलगाम हमले के पीड़ितों का बदला लेना और भारतीय धरती पर हमलों की योजना बनाने में शामिल जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के प्रमुख नेताओं और शिविरों को खत्म करना था।

ऑपरेशन सिंदूर : 22 अप्रैल से 7 मई तक, 'न भूलते हैं, न माफ करते हैं...'

बीएनटी न्यूज

22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में निर्दोष लोगों पर हुए हमले का बदला भारतीय सेना ने ले लिया है। भारतीय सेना ने देर रात 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान स्थित 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। सेना की इस कार्रवाई की पटकथा उसी दिन लिख दी गई थी, जब प्रधानमंत्री मोदी ने कसम खाई थी कि आतंकियों को मिट्टी में मिला देंगे।

22 अप्रैल से 7 मई के बीच भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए ऐसा बहुत कुछ किया जिसने जता दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करता है।

22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन घाटी में कुछ आतंकियों ने निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया था, जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की मौत हुई थी। पर्यटकों ने बताया था कि आतंकियों ने चुन-चुनकर गोली मारी थी।

इस हमले के एक दिन बाद 23 अप्रैल को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट सुरक्षा समिति (सीसीएस) की एक आपात बैठक में पाकिस्तान उच्चायोग को बंद करने और सिंधु जल समझौता खत्म करने की घोषणा की गई थी। साथ ही अटारी एकीकृत चेक पोस्ट को तत्काल प्रभाव से बंद करने और सार्क वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं देने का निर्णय लिया गया था। साथ ही भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर भारत छोड़ने का आदेश जारी किया गया था।

आतंकी हमले के दो दिन बाद यानी 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के मधुबनी में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आतंकियों को मिट्टी में मिलाने की कसम खाई थी। पीएम मोदी ने कहा था, 'बिहार की धरती से मैं पूरी दुनिया से कहता हूं, भारत हर आतंकवादी और उसके सरगना की पहचान करेगा, उसे खोजेगा और उसे सजा देगा। हम उन्हें धरती के कोने-कोने तक खदेड़ेंगे। आतंकवाद से भारत की आत्मा कभी नहीं टूटेगी। आतंकवाद को सजा मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।'

भारत ने 30 अप्रैल को पाकिस्तान के स्वामित्व वाली और संचालित उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को 23 मई तक बंद करने की घोषणा की थी। भारत ने इस संबंध में नोटम (नोटिस टू एयरमैन) जारी किया था, जिसमें कहा गया कि यह प्रतिबंध 30 अप्रैल से 23 मई तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान किसी भी पाकिस्तानी विमान को भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

दो मई को पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के आधिकारिक यूट्यूब अकाउंट को ब्लॉक किया गया। इससे पहले 30 अप्रैल को पाकिस्तानी अभिनेत्रियों हनिया आमिर और माहिरा खान के इंस्टाग्राम प्रोफाइल को ब्लॉक किया गया था।

इसके अलावा, 4 मई को भारत सरकार ने देश के खिलाफ जहर उगलने वाले पाकिस्तानी नेताओं के सोशल मीडिया अकाउंट्स को भारत में बैन कर दिया था। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख इमरान खान और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के 'एक्स' अकाउंट को ब्लॉक किया गया था। इससे पहले, पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार के एक्स अकाउंट को भी भारत में बैन किया गया था।

5 मई को भारत के गृह मंत्रालय ने देश के कई राज्यों में 7 मई को व्यापक नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए थे।

भारत ने 7 मई को पहलगाम आतंकी हमला का बदला लिया। भारतीय सेना ने नौ आतंकी ठिकानों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' को सफलता पूर्वक अंजाम दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी लगातार इस पूरी सैन्य कार्रवाई पर नजर रखे हुए हैं।

भारतीय सेना के प्रवक्ता ने कहा, 'हमारे हमले केंद्रित और सटीक थे। हमने केवल उन आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, जहां से भारत के खिलाफ हमले की योजना बनाई गई थी।'

अपना दल (एस) के यूपी अध्यक्ष ने पार्टी से दिया इस्तीफा, उपेक्षा का लगाया आरोप

बीएनटी न्यूज

अपना दल (सोनेलाल) के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक राजकुमार पाल ने बड़ा फैसला लेते हुए पद एवं पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पार्टी पर खुद की उपेक्षा और विचारधारा से भटकने का आरोप लगाया।

राजकुमार पाल ने अपना दल (सोनेलाल) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल को पत्र लिखकर पार्टी और उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की बात कही। उन्होंने पार्टी में अपनी उपेक्षा और विचारधारा से भटकने का आरोप लगाया।

राजकुमार ने पत्र में डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं सोनेलाल पटेल की विचारधारा से भटकने का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, 'लगातार हो रही उपेक्षा एवं बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर और डॉ. सोनेलाल पटेल जी की पवित्र विचारधारा से अपना दल (एस) के भटक जाने के कारण मैं प्रदेश अध्यक्ष एवं प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे रहा हूं।'

उन्होंने इस संदर्भ में पार्टी नेताओं को कई बार अवगत कराने और उसे नजरअंदाज किए जाने की बात कही। उन्होंने पत्र में आगे लिखा, 'उक्त संबंध में कई बार अवगत कराया, लेकिन मेरी बातों/विचारों को अनसुना कर दिया गया। मेरा त्यागपत्र स्वीकार करने की कृपा करें। आपके नेतृत्व में सौहार्दपूर्ण वातावरण में काम करने का मौका मिला, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।'

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल अपना दल (एस) से प्रदेश अध्यक्ष का इस्तीफा बड़ा झटका माना जा रहा है। कुछ दिनों पहले ओपी राजभर की सुभासपा से बड़ी बगावत की खबर आई थी और कई पदाधिकारियों ने इस्तीफा दिया था। वहीं, अब अपना दल (एस) यूपी प्रदेश अध्यक्ष ने इस्तीफा दिया। उनके साथ पार्टी सचिव कमलेश विश्वकर्मा समेत कई पदाधिकारियों ने भी पार्टी से इस्तीफा दिया है। इससे पहले भी पार्टी के कई नेता खुद की उपेक्षा का आरोप लगा चुके हैं।

जाति जनगणना कराएगी मोदी सरकार कैबिनेट में लिया बड़ा फैसला

■ बीएनटी न्यूज

केंद्र की मोदी सरकार ने फैसला किया है कि जाति जनगणना को आगामी जनगणना में शामिल किया जाएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति ने फैसला किया है कि जाति गणना को आगामी जनगणना में शामिल किया जाना चाहिए। वैष्णव ने कहा कि कई राज्यों में की गई जाति जनगणना की कवायद अवैज्ञानिक है। एनडीए शासित बिहार सहित कई राज्य पहले ही जाति जनगणना के आंकड़े प्रकाशित कर चुके हैं।

वैष्णव ने कहा कि कांग्रेस सरकारें हमेशा से जाति जनगणना का विरोध करती रही हैं। 2010 में स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था कि जाति जनगणना के मामले पर मंत्रिमंडल में विचार किया जाना चाहिए। इस विषय पर विचार करने के लिए मंत्रियों का एक समूह बनाया गया था। अधिकांश राजनीतिक दलों ने जाति जनगणना की सिफारिश की है। इसके बावजूद, कांग्रेस सरकार ने जाति सर्वेक्षण या जाति जनगणना कराने का फैसला किया।

उन्होंने कहा कि यह अच्छी तरह से समझा जा सकता है कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने जाति जनगणना को केवल एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। कुछ राज्यों ने जातियों की गणना के लिए सर्वेक्षण किए हैं। जबकि कुछ राज्यों ने यह काम अच्छे से किया है, वहीं कुछ अन्य ने केवल राजनीतिक दृष्टिकोण से गैर-पारदर्शी तरीके से ऐसे सर्वेक्षण किए हैं।

ऐसे सर्वेक्षणों से समाज में संदेह पैदा होता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि राजनीति से हमारा सामाजिक ताना-बाना खराब न हो, सर्वेक्षणों के बजाय जाति गणना को जनगणना में शामिल किया जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि चीनी सीजन 2025-26 के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य 355 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। यह बेंचमार्क मूल्य है, जिससे नीचे इसे नहीं खरीदा जा सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शिलांग से सिलचर तक 22,864 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनने वाले हाई-स्पीड कॉरिडोर राजमार्ग को मंजूरी दे दी है।

जाति जनगणना को लेकर खड़गे ने कहा: समाज के सभी वर्ग के सही आंकड़े सामने आने चाहिए

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार द्वारा जाति जनगणना की बात अचानक मान लेने पर हैरानी जताते हुए कहा कि इसमें सभी वर्गों के सही आंकड़े सामने आने चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कर्नाटक के कलबुर्गी में जाति जनगणना के सवाल पर कहा कि इस जाति जनगणना के बारे में उन्होंने दो साल पहले पत्र लिखा था, जिसकी कॉपी उन्होंने मीडिया को भी दी थी। उन्होंने कहा कि जब राहुल गांधी और कांग्रेस के दूसरे नेता जाति जनगणना की मांग कर रहे थे, तब कई केंद्रीय मंत्री कह रहे थे कि कांग्रेस समाज को तोड़ना चाहती है, भेदभाव फैलाना चाहती है। पर अब उन्होंने इस विषय को मान लिया है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं मालूम कि इसके पीछे उनका मकसद क्या है? पर हम चाहते हैं कि समाज के सभी वर्ग के सही आंकड़े हर प्रकार से सामने आएं, ताकि हर वर्ग के लिए उचित लाभ और योजना बनाई जा सके।'

जातिगत जनगणना पर राहुल का दबाव सफल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि हमने संसद में कहा था कि हम 'जातिगत जनगणना' करवा के ही मानेंगे। सरकार पर जाति जनगणना कराने के लिए सफलतापूर्वक दबाव डालने के बाद, अब हम 50 प्रतिशत की सीमा को हटाने के लिए दबाव बनाना जारी रखेंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि पहले तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते थे कि देश में सिर्फ चार जातियां हैं, लेकिन अचानक से उन्होंने जातिगत जनगणना कराने की घोषणा कर दी। हम सरकार के इस फैसले का पूरा समर्थन करते हैं, लेकिन सरकार को इसकी टाइमलाइन बतानी होगी कि जातिगत जनगणना का काम कब तक पूरा होगा।

राहुल गांधी ने कहा कि जातिगत जनगणना में बिहार और तेलंगाना का मॉडल है। दोनों राज्यों के बीच जमीन-आसमान का फर्क है। तेलंगाना जातिगत जनगणना के लिए एक मॉडल बना है और यह एक ब्लूप्रिंट बन सकता है। हम जातिगत जनगणना को डिजाइन करने में सरकार की मदद करेंगे, क्योंकि यह डिजाइन बहुत जरूरी है। राहुल गांधी ने कहा कि हम देश में जातिगत जनगणना के माध्यम से एक नए तरीके का विकास लाना चाहते हैं। चाहे ओबीसी हों, दलित हों या आदिवासी, इनकी देश में कितनी भागीदारी है, यह सिर्फ जातिगत जनगणना से पता चलेगा, लेकिन हमें और आगे जाना है। हमें पता लगाना है कि देश की संस्थाओं और पावर स्ट्रक्चर में इन लोगों की कितनी भागीदारी है। इसके अलावा, कांग्रेस पार्टी ने अपने मैनिफेस्टो में लिखा था कि आर्टिकल 15(5) के तहत निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण लागू किया जाए और हमारी मांग है कि सरकार इसे तत्काल लागू करे। उन्होंने कहा कि यह हमारा विजन है, इन्होंने इसे अपनाया, इसलिए हम उनका धन्यवाद देते हैं। हमें पूरी टाइमलाइन चाहिए कि कब तक जातिगत जनगणना का काम पूरा हो जाएगा। इसके अलावा डेवलपमेंटल विजन भी हमारे सामने रखा जाना चाहिए।

जातिगत जनगणना पर केंद्रीय कैबिनेट के फैसले पर विपक्ष ने जताई खुशी, बताया एकता की जीत

■ बीएनटी न्यूज

केंद्रीय कैबिनेट के जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव, कांग्रेस नेता अशोक गहलोत और एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी, आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने विपक्ष की एकता की जीत बताई है। इन नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केंद्र सरकार के इस फैसले पर खुशी जताई।

कन्नौज से लोकसभा सांसद अखिलेश यादव ने अपने एक्स पोस्ट में कहा, जाति जनगणना का फैसला 90 फीसदी पीडीए की एकजुटता की 100 फीसदी जीत है। हम सबके सम्मिलित दबाव से भाजपा सरकार मजबूरन ये निर्णय लेने को बाध्य हुई है। सामाजिक न्याय की लड़ाई में ये पीडीए की जीत का एक अतिमहत्वपूर्ण चरण है। भाजपा सरकार को ये चेतावनी है कि अपनी चुनावी धांधली को जाति जनगणना से दूर रखे। एक ईमानदार जनगणना ही हर जाति को अपनी-अपनी जनसंख्या के अनुपात में अपना वो अधिकार और हक दिलवाएगी, जिस पर अब तक वर्चस्ववादी फन मारकर बैठे थे। ये अधिकारों के सकारात्मक लोकतांत्रिक आंदोलन का पहला चरण है और भाजपा की नकारात्मक राजनीति का अंतिम। भाजपा की प्रभुत्ववादी सोच का अंत होकर ही रहेगा। संविधान के आगे मनविधान लंबे समय तक चल भी नहीं सकता है। ये 'इंडिया' की जीत है!

कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने अपने एक्स पोस्ट में दलित, पिछड़ों के विकास की बात कहते हुए लिखा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सामाजिक न्याय के लिए लगातार जातिगत जनगणना की मांग कर रहे थे। देश का वास्तविक और समावेशी विकास तभी हो सकता है जब दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और शोषितों को विकास में वैज्ञानिक तरीके से हिस्सेदारी मिलेगी, इसलिए राहुल गांधी जातिगत जनगणना पर लगातार जोर दे रहे थे। आज मोदी सरकार की कैबिनेट को भी इस मांग पर मुहर लगानी पड़ी। अब 1931 के बाद करीब 94 साल बाद जातिगत जनगणना होगी।

एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने एक्स पोस्ट में कहा, केंद्र ने आगामी जनगणना प्रक्रिया में जातिगत डेटा शामिल करने पर सहमति जताई है। इसकी तत्काल आवश्यकता थी और यह कई समूहों की लंबे समय से लंबित मांग थी। मैंने भी 2021 से यही मांग की है। मैं तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी को तेलंगाना में ऐतिहासिक जाति जनगणना को लागू करने में उनके नेतृत्व के लिए बधाई और धन्यवाद देता हूं। यह स्वतंत्र भारत में अपनी तरह की पहली पहल थी, जिसमें पता चला कि राज्य की 56.32 फीसदी आबादी पिछड़ी जातियों की है। तेलंगाना ने 42 फीसदी पिछड़ी जातियों के आरक्षण को लागू करने का प्रस्ताव करने का असाधारण निर्णय लिया। समय की मांग है कि मुसलमानों के पिछड़ेपन पर उचित डेटा हो, जिसमें मुसलमानों के बीच विभिन्न जातियां/समूह शामिल हों। एनएसएसओ और अन्य डेटा स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करते हैं कि मुसलमान आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े हैं। भाजपा ने दलित मुसलमानों के लिए एससी-स्थिति का विरोध किया है; इसने पिछड़े मुसलमानों के लिए आरक्षण का भी विरोध किया है।

भाजपा को बौद्धिक रूप से ईमानदार होना चाहिए। डेटा को पारदर्शी तरीके से एकत्र किया जाना चाहिए और सार्वजनिक डोमेन में रखा जाना चाहिए। सरकार की नीतियां जनगणना के आंकड़ों के अनुरूप होनी चाहिए। सबसे पिछड़े समुदायों को शिक्षा और रोजगार में उनका उचित हिस्सा मिलना चाहिए।

आरजेडी के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने इस पर कहा, सरकार को जातिगत जनगणना के लिए हां कहना बहुजन आबादी की जीत है। लालू प्रसाद यादव, मुलायम सिंह यादव, शरद यादव सबको स्मरण करते हुए तेजस्वी यादव इस मुद्दे को आगे लेकर गए। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि अब आप उन अपने नेताओं को क्या करोगे जो कहते थे कि जातिगत जनगणना से जातिवाद बढ़ेगा। मैं कहता हूं कि इससे जातिगत विषमता दूर होगी। संसाधनों में भागीदारी बढ़ेगी। पिछड़ों का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा।

लालू प्रसाद यादव ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, मेरे जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्षता रहते दिल्ली में हमारी संयुक्त मोर्चा की सरकार ने 1996-97 में कैबिनेट से 2001 की जनगणना में जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लिया था, जिस पर बाद में एनडीए की वाजपेयी सरकार ने अमल नहीं किया। 2011 की जनगणना में फिर जातिगत गणना के लिए हमने संसद में जोरदार मांग उठाई। मैंने मुलायम सिंह और शरद यादव ने इस मांग को लेकर कई दिन संसद ठप किया और बाद में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण कराने के आश्वासन के बाद ही संसद चलने दिया। देश में सर्वप्रथम जातिगत सर्वे भी हमारी 17 महीने की महागठबंधन सरकार में बिहार में ही हुआ।

'राफेल से नींबू-मिर्च कब हटेगा': अजय राय

■ बीएनटी न्यूज

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने पहलगाम हमले के आतंकवादियों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं करने के लिए रविवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सरकार ने नींबू-मिर्च बांधकर राफेल को खड़ा किया हुआ है।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने राफेल लिखे हुए एक प्लेन के खिलौने को मीडिया के सामने पेश किया, जिसमें नींबू-मिर्च बंधी हुई थी। उन्होंने केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा, 'राफेल पर नींबू-मिर्च मैंने नहीं बांधा है। सभी को ध्यान होगा कि जब राफेल भारत आया था, उस समय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उस पर नींबू-मिर्च बांधा था।'

उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'राफेल पर नींबू-मिर्च सरकार ने बांधा है, मैं बस याद दिला रहा हूं कि राफेल से नींबू-मिर्च कब हटेंगे और राफेल अपना काम कब करेगा?

देश की जनता यह जानना चाहती है। पहलगाम हमले में जो लोग मारे गए, उनका परिवार आज जानना चाहता है कि राफेल नींबू-मिर्च के लिए आया है या फिर अपना काम करने के लिए। मैं देश की जनता को दिखाना चाहता हूं कि सरकार ने राफेल पर नींबू-मिर्च बांधकर उसे खड़ा किया हुआ है।'

पाकिस्तान से सभी तरह के आयात को बंद करने वाले भारत सरकार के फैसले पर अजय राय ने कहा, 'सभी लोग देख लें कि पाकिस्तान और भारत के बीच कितने रुपए का आयात-निर्यात होता रहा है, उससे पता चल जाएगा कि केंद्र सरकार के इस फैसले से कितना घाटा या मुनाफा हो रहा है। सरकार को पाकिस्तान पर प्रभावी कार्रवाई करके आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करना चाहिए।'

उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। यहां के बैसरन घाटी में कुछ आतंकियों ने पर्यटकों पर गोली चलाई, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई थी। भारत सरकार ने इस हमले का जिम्मेदार आतंकवाद के पनाहगार पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को मानते हुए कई बड़ी और कड़ी डिप्लोमैटिक कार्रवाई की।

राफेल पर बयान देकर अजय राय ने सैनिकों की बहादुरी और पराक्रम का किया अपमान

जेडीयू नेता के.सी. त्यागी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के राफेल वाले बयान पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता ने राफेल पर बयान देकर सैनिकों की बहादुरी और पराक्रम का अपमान किया है। केसी त्यागी ने कहा कि जिस तरह से अजय राय ने राफेल को लेकर बयान देकर सेना का मनोबल कमजोर किया है, उसके लिए कांग्रेस पार्टी को इस पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान का समर्थन किया है कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाला देश है। पाकिस्तान को भी पता है कि यह मजबूत भारत है। देश के लोग जैसा चाहेंगे, वैसा जवाब दुश्मनों का दिया जाएगा। आतंकवाद पर पीएम मोदी के बयान को पूरे देश ने सराहा है।

कांग्रेस ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी: 50 प्रतिशत की आरक्षण सीमा हटाएं

■ बीएनटी न्यूज

केंद्र सरकार के जातिगत गणना के फैसले से कांग्रेस काफी खुश नजर आ रही है। उसे लग रहा है कि उसकी वर्षो पुरानी मांग पूरी हो गई है। अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जातिगत जनगणना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने देशभर में चलने वाली इस कवायद को लेकर सभी राजनीतिक दलों से बातचीत शुरू करने की अपील की है। पीएम मोदी को उन्होंने इस काम के लिए कांग्रेस शासित तेलंगाना में अपनाए गए मॉडल का इस्तेमाल करने का सुझाव भी दिया है।

खरगे ने अपने पत्र में कहा है कि राज्यों की ओर से पारित आरक्षण को तमिलनाडु की तर्ज पर संविधान की नौंवी अनुसूची में डाला जाए, आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा को खत्म किया जाए और निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था लागू हो।

इसके साथ ही उन्होंने कहा, 'जातिगत जनगणना सिर्फ आंकड़े इकट्ठा करने के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास के बड़े मकसदों को हासिल करने के लिए होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जनगणना के सवालों को इस तरह तैयार किया जाना चाहिए, जिससे हर जाति के सामाजिक और आर्थिक हालात का सही आकलन हो सके और उनके संवैधानिक अधिकारों को मजबूत किया जा सके। पीएम मोदी को लिखे पत्र में खरगे ने कहा, 'मैंने 16 अप्रैल 2023 को आपको पत्र लिखकर कांग्रेस की तरफ से जातिगत जनगणना कराने की मांग आपके समक्ष रखी थी। अफसोस की बात है कि मुझे उस पत्र का कोई जवाब नहीं मिला। दुर्भाग्य से, उसके बाद आपके पार्टी के नेताओं और खुद आपने कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के नेतृत्व पर इस जायज मांग को उठाने के लिए लगातार हमले किए।' उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री खुद स्वीकार कर रहे हैं कि यह मांग गहन सामाजिक न्याय और सामाजिक सशक्तीकरण के हित में है।' पत्र में कहा गया है, आपने बिना किसी स्पष्ट विवरण के यह घोषणा की है कि अगली जनगणना (जो वास्तव में 2021 में होनी थी) में जाति को भी एक अलग श्रेणी के रूप में शामिल किया जाएगा।

खरगे ने कांग्रेस शासित तेलंगाना में हुए जातिगत सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा, 'जनगणना से सम्बंधित प्रश्नावली का डिजाइन बेहद महत्वपूर्ण है।

> **जनगणना के सवालों को इस तरह तैयार किया जाना चाहिए, जिससे हर जाति के सामाजिक और आर्थिक हालात का सही आकलन हो सके और उनके संवैधानिक अधिकारों को मजबूत किया जा सके।**

जाति से जुड़ी जानकारी केवल गिनती के लिए नहीं बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एकत्र की जानी चाहिए। गृह मंत्रालय को जनगणना में पूछे जानेवाले प्रश्नों के लिए तेलंगाना मॉडल का उपयोग करना चाहिए।' उनके अनुसार, जनगणना के अंत में होने वाली रिपोर्ट में कुछ भी छिपाया नहीं जाना चाहिए ताकि प्रत्येक जाति के पूर्ण सामाजिक-आर्थिक आंकडे सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हों, जिससे एक जनगणना से दूसरी जनगणना तक उनकी सामाजिक-आर्थिक प्रगति को मापा जा सके और उन्हें संवैधानिक अधिकार दिए जा सकें।

कांग्रेस अध्यक्ष का कहना है, इसके अलावा जाति जनगणना के जो भी नतीजे आएं, यह स्पष्ट है कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षण पर मनमाने ढंग से लगाई गई 50 प्रतिशत की अधिकतम सीमा को संविधान संशोधन के माध्यम से हटाना होगा।

कांग्रेस ने तीन अहम सुझाव दिए

1. तेलंगाना मॉडल को अपनाया जाए, ताकि सही और गहराई से डेटा इकट्ठा किया जा सके।
2. आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा हटाई जाए, जिससे ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंदों को इसका लाभ मिल सके।
3. निजी शिक्षण संस्थानों में भी आरक्षण लागू किया जाए, ताकि आर्थिक और सामाजिक बराबरी सुनिश्चित हो।

राजद ने 30 सालों में मुसलमानों के लिए कुछ नहीं किया : प्रशांत किशोर

■ बीएनटी न्यूज

जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने किशनगंज में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में लालू यादव और नीतीश कुमार के चेहरे नहीं, बल्कि अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए वोट करने की अपील की।

प्रशांत किशोर किशनगंज जिले के पौवाखाली के हाई स्कूल मैदान में जन सुराज उद्घोष यात्रा के तहत एक जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। उन्होंने लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में सोच-समझ कर वोट करने की अपील की। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर जुबानी हमला करते हुए उन्होंने मुस्लिम वोटर्स को साधने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि बिहार में मुस्लिम समुदाय भाजपा के डर से लालटेन को वोट देता है, राजद ने 30 सालों में मुसलमानों के लिए कुछ नहीं किया, मुसलमान सिर्फ केरोसिन तेल की तरह लालटेन में जल रहा है और रोशनी कहीं और हो रही है।

उन्होंने कहा, 'राजद मुसलमानों का रहनुमा होने का दावा करती है, लेकिन पार्टी ने 30 सालों में मुस्लिम समाज के विकास के लिए कुछ नहीं किया। बिहार में मुस्लिम समुदाय के लोग अपना हक मांगने के लिए वोट नहीं देते, बिहार में मुसलमान भाजपा के डर से लालटेन को वोट देते हैं।'

प्रशांत किशोर ने कहा, 'मुस्लिम समुदाय 30 वर्षों से लालटेन को वोट देता आ रहा है, लेकिन न तो उनका विकास हुआ, न ही उन्हें राजनीतिक भागीदारी मिली और न ही वे अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भाजपा को हरा पाए। अब समय आ गया है कि मुसलमानों को भाजपा से डरना छोड़ देना चाहिए, अपने और अपने बच्चों के अधिकारों के लिए वोट देना चाहिए।'

राहुल गांधी ने अमेरिका में भगवान राम पर की टिप्पणी, हमलावर हुई भाजपा

■ बीएनटी न्यूज

कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक बार फिर बीजेपी के निशाने पर हैं। दरअसल, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक अमेरिकी यूनिवर्सिटी में बातचीत के दौरान भगवान राम को 'पौराणिक व्यक्ति' कहा। राहुल की इस टिप्पणी पर अब विवाद खड़ा हो गया है। बीजेपी ने उनकी मानसिकता को हिंदू विरोधी बताते हुए उन्हें राम विरोधी भी कहा है।

ब्राउन यूनिवर्सिटी के वॉटसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में राहुल गांधी ने भगवान राम पर टिप्पणी की।

दरअसल, राहुल से पूछा गया था कि हिंदू राष्ट्रवाद के दौर में सभी समुदायों को शामिल करने वाली धर्मनिरपेक्ष राजनीति कैसे तैयार की जानी चाहिए? इसके जवाब में राहुल ने कहा कि भारत में कोई भी बड़ा समाज सुधारक और राजनीतिक विचारक कट्टर नहीं रहा है और उन्होंने कहा कि वह बीजेपी के हिंदू विचार को नहीं मानते हैं।

उन्होंने कहा, हमारे सभी पौराणिक चरित्र, भगवान राम ऐसे ही थे। वह क्षमाशील थे, वह दयालु थे। मैं भाजपा द्वारा कही गई बातों को हिंदू विचार नहीं मानता। मैं हिंदू विचार को बहुत अधिक बहुलवादी, बहुत अधिक गले लगाने वाला, बहुत अधिक स्नेही, बहुत अधिक सहिष्णु और खुला मानता हूं। हर राज्य और समुदाय में ऐसे लोग हैं जो उन विचारों के लिए खड़े हुए, उन विचारों के लिए जिए और उन विचारों के लिए मरे। गांधीजी उनमें से एक हैं। मेरे लिए, लोगों के प्रति घृणा और गुस्सा डर से आता है। अगर आप डरे हुए नहीं हैं, तो आप किसी से नफरत नहीं करते।

गांधी ने आगे कहा, मैं भाजपा की अवधारणा को हिंदू अवधारणा के रूप में नहीं देखता। सोच के मामले में, वे एक फ्रिंज ग्रुप हैं, अब उन्होंने राजनीतिक सत्ता पर कब्जा कर लिया है, उनके पास बहुत सारा धन और शक्ति है, लेकिन वे किसी भी तरह से भारतीय विचारकों के बड़े बहुमत का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

भगवान राम का अपमान: कांग्रेस पार्टी की पहचान

सोशल मीडिया पर राहुल गांधी की इस बातचीत की क्लिप साझा करते हुए भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने उनपर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा, हिंदुओं और भगवान राम का अपमान करना कांग्रेस पार्टी की पहचान बन गई है। जिन लोगों ने हलफनामे के जरिए भगवान राम के अस्तित्व को नकार दिया, राम मंदिर निर्माण का विरोध किया, हिंदू आतंक का मुहावरा गढ़ा, अब उन्होंने राहुल गांधी को पौराणिक बताया है। राहुल गांधी और सोनिया गांधी राम मंदिर के अभिषेक में शामिल नहीं हुए। यह उनकी राम-विरोधी और हिंदू-विरोधी मानसिकता को दर्शाते हैं। वे पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं, सेना के मनोबल को ठेस पहुंचाते हैं। वे राम-विरोधी और भारत-विरोधी हैं और लोग इसे माफ नहीं करेंगे।

कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने सर्जिकल स्ट्राइक पर उठाए सवाल, सरकार से मांगे सबूत

■ बीएनटी न्यूज

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद सबकी नजर सरकार की कार्रवाई पर है। इसी बीच, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने सरकार से 2016 में हुए सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे।

चरणजीत सिंह चन्नी ने यहां कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में शामिल होने के बाद मीडियाकर्मियों से चर्चा के दौरान कहा, 'हमारे देश में कोई बम गिरे तो पता नहीं चलेगा? कहते हैं कि हमने पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक किया, कुछ नहीं हुआ। कहीं नहीं दिखे सर्जिकल स्ट्राइक, किसी को नहीं पता चला।'

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'मैं तो सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत हमेशा मांगता रहा हूं।'

पहलगाम हमले के बारे में चरणजीत सिंह चन्नी ने मांग की कि सरकार हमला करने वालों का पता लगाए और उन्हें सजा दे। उन्होंने कहा कि

आज देश के लोगों के जख्मों पर मरहम लगाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के बाद सरकार की क्षमता पर सवाल उठने लगा है। पूरा देश इंतजार कर रहा है कि पाकिस्तान को कब जवाब दिया जाएगा। आज 10 दिन हो गए हैं, सरकार क्या कर रही है? उन्होंने केंद्र सरकार से आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि साल 2016 में हुए सर्जिकल स्ट्राइक के बाद भी विपक्ष के नेताओं ने सरकार से सबूत मांगे थे, जिसके बाद विपक्ष सत्तारूढ़ दल के निशाने पर आ गया था। एक बार फिर से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने उसी सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाते हुए सबूत मांगे हैं।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना के बाद आतंकवादियों की तलाश जारी है। सरकार ने पाकिस्तान पर कई प्रतिबंध भी लगाए हैं। इनमें सिंधु जल संधि का निलंबन और पाकिस्तानी नागरिकों का निष्कासन शामिल है। इसके अलावा, सेना को अपने तरीके से कार्रवाई करने की खुली छूट दी गई है।

चरणजीत सिंह चन्नी के बयान पर भड़की भाजपा

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस नेता और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के सर्जिकल स्ट्राइक वाले बयान की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि जिस सर्जिकल स्ट्राइक ने पूरे पाकिस्तान में खलबली मचा दी थी, जिस सर्जिकल स्ट्राइक को पाकिस्तानी के सभी सैन्य अधिकारियों ने स्वीकार किया था, अब उसके सबूत मांगकर चरणजीत सिंह ने यह साबित कर दिया है कि 'कांग्रेस वर्किंग कमेटी' (सीडब्ल्यूसी) अब पीडब्ल्यूसी यानी 'पाकिस्तान वर्किंग कमेटी' में तब्दील हो चुकी है। यह सिर्फ बाहर से सीडब्ल्यूसी दिखती है, जबकि अंदर से यह पूरी तरह पीडब्ल्यूसी है। संबित पात्रा ने कहा कि पाकिस्तान ने खुद स्वीकार किया था कि यह स्ट्राइक भारत की तरफ से की गई है। यही नहीं, अब पहलगाम हमले के बाद से भी पाकिस्तान के लोग इसी खौफ में हैं कि कहीं फिर से हमारे ऊपर भारत की तरफ से सर्जिकल स्ट्राइक न हो जाए।

उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के नेता हमेशा से ही देश की सेना का मनोबल तोड़ते आए हैं। चरणजीत सिंह चन्नी की तरफ से सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगना इस बात को दर्शाता है कि इन लोगों को सेना पर विश्वास नहीं है। ये लोग पाकिस्तान के लिए काम करते हैं। कांग्रेस के लोग अब पाकिस्तान का समर्थन कर रहे हैं। कांग्रेस की बैठक खत्म होने के बाद उस पार्टी के नेता प्रेस वार्ता करेंगे और इसके बाद पाकिस्तान के समर्थन में बयान देंगे, यह एक तरह से कांग्रेस की रवायत बन चुकी है।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी तरफ से कोई भी ऐसा मौका नहीं छोड़ती है, जिससे पाकिस्तान को ऑक्सीजन की पूर्ति कराई जाए। यह कोई संयोग नहीं है, बल्कि एक प्रयोग के तहत हो रहा है। जब से जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हमला हुआ है, तब से पाकिस्तान को लेकर कांग्रेस की तरफ से पाकिस्तान के समर्थन में बयान आ रहे हैं।

'आप' विधायक अमानतुल्लाह खान की अग्रिम जमानत को दिल्ली पुलिस ने दी चुनौती

दिल्ली की ओखला विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान को अग्रिम जमानत देने के राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को पुलिस ने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। मामले की सुनवाई 27 अगस्त को होगी।

दिल्ली हाई कोर्ट ने इस मामले में अमानतुल्लाह खान को नोटिस जारी करते हुए उनसे जवाब मांगा है।

यह मामला दिल्ली पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज एक आरोप से संबंधित है, जिसमें उन पर सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा डालने का आरोप है। दिल्ली पुलिस का दावा है कि विधायक खान ने हत्या के प्रयास के एक आरोपी शाहबाज खान को हिरासत से छुड़ाने के लिए भीड़ का नेतृत्व किया। पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम जब शाहबाज खान को गिरफ्तार करने गई थी, तभी अमानतुल्लाह खान अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचे और पुलिस से धक्का-मुक्की करने लगे। ६

एनडीए में सीट को लेकर कोई विवाद नहीं: जेडीयू

■ बीएनटी न्यूज

जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने एनडीए में सीटों को लेकर मचे घमासान के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि महागठबंधन को अपनी चिंता करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम लोग लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ चुके हैं और परिणाम भी सबके सामने है। विधानसभा चुनाव में भी कोई विवाद नहीं दिखेगा। एनडीए 200 से ज्यादा सीटें जीतकर आएगी।

पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जदयू सांसद संजय झा ने विपक्ष पर जातीय जनगणना के फैसले का श्रेय लेने पर तंज कसा। उन्होंने कहा, 'यह अच्छी बात है कि सरकार जो करे, विपक्ष उसकी क्रेडिट भी हड़पने की कोशिश करे। जब मौका मिला तब आपने तो नहीं किया, अब जब दूसरी सरकार कर रही है, उसमें भी घुसकर क्रेडिट हड़पने का काम कर रहे हैं। लोग जानते हैं कि उन्हें अपने परिवार के अलावा कुछ नहीं दिखता है। उन्होंने कभी किसी समाज का, किसी गरीब का भला नहीं किया है।'

उन्होंने पूछा कि विपक्ष की जब सरकार थी तब जातीय जनगणना क्यों नहीं कराई गई थी? मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जातीय गणना के मुद्दे को बिहार में प्रमुखता से न सिर्फ उठाया, बल्कि, उसे करवाने में भी सफलता प्राप्त की। गणना की रिपोर्ट के आधार पर जो कार्य करना था, उसे भी करवाया।

उन्होंने इंडिया ब्लॉक की मुंबई में हुई बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय जब नीतीश कुमार ने जातीय जनगणना को अपने एजेंडा में डालने का प्रस्ताव किया था तब कांग्रेस और राजद वॉक-आउट कर गई थी।

उन्होंने पहलगाम की घटना के बाद कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रिया पर कहा कि कांग्रेस ने हमेशा उसी तरह की भाषा बोली है, जो देश के खिलाफ है। ऐसे मामले में देश को एक साथ खड़ा होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम लोगों को विश्वास है कि केंद्र सरकार वह सब कुछ करेगी, जो पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए करना चाहिए।

ऐसे मामलों पर राजनीति करना सही नहीं है। इस मामले को लेकर जो भी करना है सरकार कर रही है। देश और दुनिया मान चुकी है कि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है।

मुजफ्फरनगर : 'पगड़ी के सम्मान' में आयोजित महापंचायत में किसानों का सैलाब, राकेश टिकैत हुए बेहोश

■ बीएनटी न्यूज

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के किसान-मजदूर सम्मान महापंचायत में किसानों का सैलाब उमड़ पड़ा। यह महापंचायत 'पगड़ी के सम्मान' के मुद्दे पर बुलाई गई थी, जिसमें बड़ी संख्या में किसान और विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए।

जनसभा स्थल पर किसानों का जोश देखते ही बन रहा था, लेकिन इसी दौरान भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत अचानक बेहोश हो गए। मंच पर मौजूद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने तत्काल उन्हें संभाला। महापंचायत के बाद सभी किसान पैदल मार्च करते हुए टाउन हॉल की ओर रवाना हुए। राकेश टिकैत ने घोषणा की कि अब आगे की कार्रवाई की रूपरेखा टाउन हॉल से ही तय की जाएगी।

बता दें कि टाउन हॉल पर ही एक विवादित घटना हुई थी, जहां राकेश टिकैत की पगड़ी उछाल दी गई थी। इस घटना को लेकर उनके कार्यकर्ताओं में भारी रोष है और किसानों ने इसे सम्मान पर हमला बताया है। इसी के विरोध में आज यह विशाल महापंचायत आयोजित की गई।

इस दौरान धक्का-मुक्की में टिकैत की पगड़ी गिर गई थी और वह जमीन पर गिरते-गिरते बचे। मौके पर मौजूद पुलिस और भाकियू कार्यकर्ताओं ने किसी तरह उन्हें सुरक्षित भीड़ से बाहर निकाला था। राकेश टिकैत ने कहा था कि उन पर यह हमला पूर्व नियोजित था, कुछ राजनीतिक दल करवा रहे हैं। अगर यह जनता का आक्रोश होता तो इस तरह नियंत्रित नहीं होता। ये चाहते हैं कि किसान आंदोलन को यहीं से कमजोर कर दिया जाए, लेकिन 'न आंदोलन कमजोर होगा, न हम'। उन्होंने कहा था कि किसानों की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन जवाब ट्रैक्टर मार्च से दिया जाएगा। टिकैत ने एलान किया कि वह ट्रैक्टर मार्च निकालेंगे।

किसान-मजदूर सम्मान कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के सांसद हरेंद्र मलिक, विधायक अतुल प्रधान, केराना से सांसद इकरा हसन, रालोद विधायक राजपाल बालियान, और मदन भैया समेत कई प्रमुख नेता एवं सर्व समाज के लोग मंच पर मौजूद रहे।

राहुल गांधी हिंदू हैं या नहीं, इसका निर्णय शंकराचार्य करेंगे: आचार्य प्रमोद कृष्णम

■ बीएनटी न्यूज

ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के राहुल गांधी पर दिए गए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने राहुल गांधी को हिंदू धर्म से निष्कासित करने को लेकर बयान दिया था। इस मामले पर कांग्रेस के पूर्व नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी के हिंदू होने या न होने का निर्णय केवल शंकराचार्य जी ही ले सकते हैं।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा, 'राहुल गांधी हिंदू हैं या नहीं, इसका निर्णय शंकराचार्य जी करेंगे और यह निर्णय शंकराचार्य जी ही कर सकते हैं। मैं शंकराचार्य जी के बयान पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता, लेकिन जहां तक मंदिर जाने की बात है, मंदिर भगवान के द्वार हैं और भगवान के द्वार पर कोई भी जा

सकता है। भगवान के द्वार पर वो भी आ सकता है, जो भगवान को नहीं मानता है। राहुल गांधी को मंदिर जाने से रोकने वाले बयान का मैं समर्थन नहीं करता।'

उन्होंने सनातन धर्म की उदारता पर जोर देते हुए कहा कि हिंदू धर्म में किसी भी समुदाय के व्यक्ति, चाहे वह मुस्लिम हो या ईसाई, मंदिर में दर्शन के लिए जा सकता है। यह सनातन धर्म की 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को दर्शाता है।

यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के बयान को लेकर भी आचार्य प्रमोद ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह बयान अजय राय का नहीं, बल्कि राहुल गांधी का है। उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान का अपमान करना, संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाना और भारत के शौर्य को कलंकित करना राहुल गांधी का स्वभाव बन चुका है।

आचार्य प्रमोद ने कहा, 'अजय राय में इतनी हिम्मत नहीं कि वह स्वतंत्र रूप से ऐसा बयान दे सकें। यह बयान राहुल गांधी ने बुलवाया होगा। इस तरह के बयान कांग्रेस की कार्यशैली का हिस्सा हैं।'

राहुल गांधी के ब्राउन यूनिवर्सिटी में दिए गए बयान को लेकर भी आचार्य प्रमोद ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी न तो 'राम-राम' बोलते हैं, न 'जय श्री कृष्ण' कहते हैं, न 'वंदे मातरम' का उच्चारण करते हैं और न ही 'जय श्री राम' का नारा लगाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी हमेशा से भगवान राम को काल्पनिक मानते रहे हैं। पाकिस्तान के मुद्दे पर आचार्य प्रमोद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत हर हमले का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है।

उन्होंने कहा, 'वक्त आने पर करारा जवाब दिया जाएगा, घुसकर वार किया जाएगा और यह जवाब पाकिस्तान को भी भारी पड़ेगा और विपक्ष को भी भारी पड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत हर वार का जवाब देने में सक्षम है और आगे भी समय आने पर पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।'

उन्होंने कहा कि पूरा देश और पूरी दुनिया प्रधानमंत्री के साथ खड़ी है और पूरे देश को भरोसा है कि पाकिस्तान को कड़ा जवाब दिया जाएगा। चाहे आज हो, कल हो या परसों हो, प्रधानमंत्री का जवाब पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा होगा और भारत के लोकतंत्र में विपक्ष के मुंह पर भी तमाचा होगा।

क्या कहते हैं आपके सितारे
बीएनटी के सौजन्य से

मई माह का राशिफल जानें किस राशि के जातकों पर बरसेगा धन, किसको रहना होगा संभल कर

मेष : करियर: मई में कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव रहेगा। 14 मई के बाद सूर्य का मेष राशि में प्रवेश कार्यक्षमता बढ़ाएगा, लेकिन दबाव भी रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। खर्चों में वृद्धि संभव है, विशेषकर विदेश यात्रा या कानूनी मामलों पर। 18 मई के बाद राहु का ग्यारहवें भाव में गोचर आय के नए स्रोत दे सकता है। मंगल के तीसरे भाव में होने से ऊर्जा बनी रहेगी, लेकिन आंखों या कमर के दर्द से सावधान रहें। प्रेम संबंधों में मध्यम परिणाम। परिवार में छोटी-मोटी गलतफहमियां संभव। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

उपाय: मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ करें। सूर्य को जल अर्पित करें।

वृष : करियर में मेहनत के अच्छे परिणाम मिलेंगे। 14 मई के बाद गुरु का तृतीय भाव में गोचर नई योजनाओं को गति देगा। व्यापार में साझेदारी लाभकारी रहेगी। आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी। खर्चों का बजट बनाएं। मई के अंत में निवेश के अवसर मिल सकते हैं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन गले या कफ से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं। नियमित व्यायाम करें। पारिवारिक जीवन में प्रेम और विश्वास बढ़ेगा। प्रेम संबंधों में स्थिरता आएगी।

उपाय: शुक्रवार को गाय को हरी घास खिलाएं। लक्ष्मी मंत्र का जाप करें।

मिथुन : मई में करियर में स्थिर प्रगति। 14 मई के बाद गुरु का मिथुन राशि में गोचर भाग्य को बल देगा। नौकरी में उन्नति के योग बनेंगे। मई-जून वित्तीय लाभ के लिए अनुकूल। आय के स्रोत बढ़ेंगे, लेकिन अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य मजबूत रहेगा। मई के मध्य में पेट से संबंधित सावधानी बरतें। प्रेम जीवन में रोमांस बढ़ेगा।

उपाय: प्रतिदिन गाय को हरी घास खिलाएं। गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें।

कर्क : कार्यक्षेत्र में मेहनत से सफलता मिलेगी। व्यापारियों को नए ऑर्डर मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार। मई के अंत में धन लाभ के योग। संपत्ति निवेश के लिए समय अनुकूल। मधुमेह या पेट की समस्याओं से सावधान रहें। नियमित सैर करें। प्रेम संबंधों में गहराई आएगी।

उपाय: रोज सुबह सौंफ खाएं। चंद्रमा को दूध अर्पित करें।

सिंह : करियर में प्रमोशन के योग। व्यापारियों को मई के मध्य तक सावधानी बरतनी होगी, लेकिन बाद में लाभ बढ़ेगा। गुरु की पंचम दृष्टि धन भाव में होने से धन लाभ होगा। मई के अंत में बचत संभव। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन तनाव से बचें। प्रेम जीवन में उत्साह रहेगा।

उपाय: रविवार को सूर्य को जल अर्पित करें।

कन्या : नौकरी में उन्नति के योग। 14 मई के बाद गुरु का गोचर शिक्षा और व्यापार में सफलता देगा। आर्थिक स्थिति: आर्थिक स्थिति मजबूत। मई के मध्य के बाद आय के स्रोत बढ़ेंगे। मानसिक शांति के लिए ध्यान और प्राणायाम करें। प्रेम संबंधों में मधुरता।

उपाय: बुधवार को गणेश जी को बेसन के लड्डू चढ़ाएं।

तुला : करियर में तेजी आएगी। 14 मई के बाद गुरु का नवम भाव में गोचर उन्नति के द्वार खोलेगा। आय में वृद्धि। मई के बाद ज्वेलरी या प्रॉपर्टी से जुड़े कारोबार में लाभ। मई के मध्य तक पित्त या लिवर की समस्याएं हो सकती हैं। तेल-मसाले कम खाएं। मई के बाद स्वास्थ्य सामान्य। धार्मिक यात्रा के योग।

उपाय: सफेद मिठाई का दान करें।

वृश्चिक : कारोबार में अच्छी सफलता। 29 मार्च के बाद शनि की ढैया समाप्त होने से लाभ बढ़ेगा। नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। धन की बचत संभव। मई के बाद वाहन या संपत्ति खरीदने के योग। पेट या मस्तिष्क से संबंधित समस्याओं में राहत। नियमित व्यायाम करें। प्रेम संबंधों में सुधार। परिवार में मांगलिक आयोजन।

उपाय: सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ करें।

धनु : कार्यक्षेत्र में स्थिरता। व्यापार में मध्यम लाभ। नौकरीपेशा लोगों को स्थानांतरण के योग। आर्थिक स्थिति सामान्य। मई के अंत में धन लाभ के अवसर। स्वास्थ्य मध्यम। मानसिक तनाव से बचें। योग और ध्यान करें। प्रेम संबंधों में उतार-चढ़ाव। परिवार में सौहार्द बनाए रखें।

उपाय: गुरुवार को पीले वस्त्र पहनें।

मकर : 29 मार्च के बाद शनि की साढ़ेसाती समाप्त होने से कारोबार में नए ऑर्डर और नौकरी में उन्नति। मई के बाद नया काम शुरू करने के योग। धन लाभ और दैनिक आय में वृद्धि। संपत्ति निवेश के लिए समय अनुकूल। स्वास्थ्य सामान्य। मानसिक अशांति से बचें। परिवार में सुख-शांति। प्रेम संबंधों में मधुरता।

उपाय: शनिवार को शनि देव पर सरसों का तेल चढ़ाएं। शनि चालीसा का पाठ करें।

कुंभ : मई में कार्यक्षेत्र में मध्यम परिणाम। व्यापार में छोटी-मोटी बाधाएं, लेकिन मेहनत से सफलता मिलेगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें। मई के अंत में आय में सुधार। पेट या कमर से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं। खान-पान संतुलित रखें। प्रेम जीवन में औसत परिणाम। परिवार में गलतफहमियों से बचें।

उपाय: शनिवार को काले तिल दान करें। शनि मंत्र का जाप करें।

मीन : करियर में धीमी गति। 14 मई के बाद गुरु का पंचम भाव में गोचर शिक्षा और व्यापार में सफलता देगा। नौकरी में स्थानांतरण संभव। आर्थिक स्थिति मध्यम। मई के बाद आय के स्रोत बढ़ेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। राहु-केतु और शनि का प्रभाव गैस या तनाव की समस्या दे सकता है। प्रेम संबंधों में स्थिरता। परिवार में सुख-शांति के लिए संयम रखें।

उपाय: गुरुवार को विष्णु मंत्र का जाप करें। पीली मिठाई का दान करें।

नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया-राहुल गांधी को नोटिस

■ **बीएनटी न्यूज**

नेशनल हेराल्ड मामले के प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की चार्जशीट के आधार पर राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और अन्य नेताओं को नेटिस जारी किया है।

कोर्ट ने यह नोटिस ईडी की चार्जशीट पर पक्ष जानने के लिए जारी किया है। चार्जशीट में इन नेताओं को आरोपी बताया गया है, हालांकि कानूनी प्रकिया में अभी इन्हें आरोपी नहीं माना गया है। राउज एवेन्यू कोर्ट अब इन नेताओं के वकीलों की दलीलें सुनेगा, जिसके बाद समन जारी करने का निर्णय लिया जाएगा। इस मामले की अगली सुनवाई 8 मई 2025 को निर्धारित की गई है।

नेशनल हेराल्ड मामले में आरोपी सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और अन्य कांग्रेस नेताओं को राउज एवेन्यू कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। ये नोटिस ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की चार्जशीट पर पक्ष जानने के लिए जारी गया है। चार्जशीट के हिसाब से ये सभी आरोपी हैं। कोर्ट की प्रक्रिया में आरोपी नहीं हैं. राहुल, सोनिया समेत अन्य लोगों के वकीलों की दलील सुनने के बाद राउज एवेन्यू कोर्ट समन जारी करने पर लेगा फैसला। अगली सुनवाई 8 मई को होगी।

विशेष जज विशाल गोगने ने कहा, चार्जशीट पर संज्ञान लेने के समय सोनिया गांधी और राहुल गांधी को अपना पक्ष रखने का अधिकार है. किसी भी स्तर पर पक्ष रखने का अधिकार निष्पक्ष सुनवाई का आधार है। बता दें कि हाल में चार्जशीट दाखिल करने वाली ईडी ने 2021 में अपनी जांच शुरू की थी, जब 26 जून 2014 को भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की ओर से निजी शिकायत पर संज्ञान लिया गया था।

ईडी का कहना है कि शिकायत में कई बड़ी राजनीतिक हस्तियों द्वारा आपराधिक साजिश को उजागर किया गया है। इसमें कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, कांग्रेस के दिवंगत नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीस के अलावा अन्य नेता और एक निजी कंपनी शामिल है।

इन पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से संबंधित 2 हजार करोड़ रुपये से अधिक कीमत की प्रॉपर्टी का गलत तरीके से अधिग्रहण कर मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल होने का आरोप है। सोनिया और राहुल इस निजी कंपनी के शेयर होल्डर हैं। दोनों के पास 38-38 फीसदी शेयर हैं।

ईडी द्वारा चार्जशीट दाखिल होने के बाद बीजेपी ने बीते महीने कांग्रेस पर हमला बोला था। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता प्रत्यूष कांत ने आरोप लगाया था कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने आजादी के आंदोलन से जुड़ी नेशनल हेराल्ड जैसी ऐतिहासिक संस्था को निजी लाभ के लिए इस्तेमाल किया। आजादी के लिए एक अखबार किया गया था। यह फ्रीडम फाइटर्स का सपना था कि देश में फ्री मीडिया होगा लेकिन एक परिवार ने उसे अपनी प्रॉपर्टी बना लिया।

नेशनल हेराल्डः केंद्र सरकार पर एजेंसियों के दुरुपयोग का लगाया आरोप

■ **बीएनटी न्यूज**

नेशनल हेराल्ड मामले में दिल्ली की एक अदालत द्वारा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी को नोटिस भेजा गया है। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के बाद उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने केंद्र सरकार को घेरते हुए जांच एजेंसी के दुरुपयोग का आरोप लगाया।

हरीश रावत ने नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी और सोनिया गांधी को नोटिस भेजने को लेकर कहा, 'कोर्ट ने क्या किया है, उस पर कोई विवाद नहीं करना चाहता, लेकिन जिस तरीके से निर्लज्जतापूर्वक जांच एजेंसी का दुरुपयोग किया जा रहा है, वह निंदनीय है। बाकी जो कोर्ट का मामला है, उसे कोर्ट में देखा जाएगा।'

जाति जनगणना को लेकर भाजपा सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा, 'इतने साल से वे बैठे रहे हैं। हम इतने साल से लगातार मांग कर रहे हैं। राहुल गांधी इतने साल से लगातार मांग कर रहे हैं। उन्होंने संसद में यह मुद्दा उठाया। हमारे अध्यक्ष ने केंद्र सरकार को पत्र लिखा है।'

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा, 'राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो यात्रा के समय लगातार जाति जनगणना को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। आज चाहे सरकार उन्हें क्रेडिट दे या नहीं, कांग्रेस लोगों की सामाजिक न्याय की मांग करती आई है। हालांकि लोगों को यह भी जानना है कि कहीं जाति जनगणना कराने की यह घोषणा कोई जुमला तो नहीं है।'

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी समेत कई दिग्गज नेता शामिल हुए। सीडब्ल्यूसी की बैठक में एक प्रस्ताव पारित हुआ, जिसमें बताया गया कि लगातार 11 वर्षों तक केंद्र सरकार द्वारा ठुकराए जाने के बाद अब कांग्रेस की लंबे समय से चली आ रही मांग जाति आधारित जनगणना को आखिरकार मोदी सरकार ने स्वीकार कर लिया है। इस फैसले को कांग्रेस ने अपनी नीति की जीत बताते हुए सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया है।

जातिगत जनगणना : लालू यादव और समाजवाद की हुई जीत

■ **बीएनटी न्यूज**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में जातिगत जनगणना कराने का फैसला लिया गया। केंद्र सरकार के इस फैसले के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव ने इस पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि आज हमारे पुरखों, लालू यादव और समाजवाद की जीत हुई।

तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार के जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा, "यह हमारी 30 साल पुरानी मांग है। सबसे पहले लालू प्रसाद यादव और जितने हमारे पुरखे थे, उन्होंने आवाज उठाई। सभी को पता है कि जब 1996-1997 में जनता दल की सरकार थी, तब कैबिनेट में यह पास हुआ था। जनगणना हर 10 साल में होती थी, तो उस समय अगली बार जनगणना 2001 में हुई थी। उस समय अटल जी की सरकार थी, लेकिन यह नहीं हो पाया।"

उन्होंने कहा, "सबसे पहले बिहार सरकार ने जातिगत सर्वे कराया था, जिस समय महागठबंधन की सरकार थी और हम मुख्यमंत्री थे। हम लोगों ने आरक्षण की सीमा भी बढ़ाई थी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिलने गए थे कि जातिगत जनगणना को देशभर में करा लीजिए, लेकिन सदन में इसे मना कर दिया गया।

ऐसे में आज हम लोगों, हमारे पुरखों, लालू यादव और समाजवाद की जीत हुई है। केंद्र सरकार को हमारे ही एजेंडों पर काम करना पड़ रहा है, यह हमारी ताकत है।"

उन्होंने आगे कहा, "अब हमारी मांग है कि जातिगत जनगणना को परिसीमन से पहले करना चाहिए। जैसे चुनाव में दलित भाइयों की सीटें आरक्षित होती हैं, उसी हिसाब से पिछड़ों और अति पिछड़ों की सीटों को भी आरक्षित करना पड़ेगा। हम इसकी लड़ाई लड़ रहे हैं। सिर्फ रिपोर्ट आने से नहीं, बल्कि बजट में भी इसका प्रावधान करना पड़ेगा। हमारी मांग रहेगी कि सरकार लोकसभा और विधानसभा के चुनाव में पिछड़ों और अति पिछड़ों को सीट आरक्षित करें।

भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सरकार चाहती तो यह पहले भी करा देती। लेकिन 2021 से 2025 हो गया और ये लोग जनगणना नहीं कराए। हम चाहते हैं कि यह पूरे देश में हो।

समाजवादियों के विजन पर ही भाजपा आगे बढ़ रही

■ **बीएनटी न्यूज**

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) ने भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति को समाप्त कर दिया है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पत्रकारों से कहा कि पीडीए ने भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति पर अंकुश लगा दिया है। इस कारण अब ये लोग नफरती राजनीति पर उतर आए हैं। भाजपा का वोट कम हो रहा है। लोग महंगाई और बेरोजगारी के सवालों को उठा रहे हैं।

● हमें उम्मीद है 2027 में राजभर समाज का पूरा समर्थन हम समाजवादियों के साथ होगा। समाजवादी सरकार बनेगी, तो देश के सबसे सुंदर रिवर फ्रंट पर महाराजा सुहेलदेव जी की प्रतिमा लगाने का काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि पिछड़े और दलित समाज के लोगों के साथ हर स्तर पर अन्याय हो रहा है। मैं भरोसा दिलाता हूं कि जिस तरह फोन करने पर एंबुलेंस और पुलिस आती थी, वैसे ही अधिकारी आपके पास आकर सुनवाई करेंगे और न्याय दिलाने का काम करेंगे।

अखिलेश यादव ने कहा कि मदरसों को अवैध बताकर बंद किया जा रहा है। अगर ये अवैध हैं या अवैध जमीन पर बने हैं, तो पहले क्यों नहीं रोका गया? अगर नक्शा पास नहीं करवाया गया, तो उसकी भी व्यवस्था है, लेकिन भाजपा अपने वोट बैंक को बचाने के लिए अब नफरत की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि हम पीडीए परिवार के लोग और देश की 90 प्रतिशत आबादी इस जातीय जनगणना के पक्ष में हैं। मुझे खुशी है इस बात की कि समाजवादियों के विजन पर ही ये भारतीय जनता पार्टी और सरकार आगे बढ़ रही है। लोकतंत्र और बाबा साहब का संविधान हमें अधिकार देता है कि हम सवाल पूछें। जब सवाल पूछते हैं, तो सरकार घबरा क्यों रही है? सपा मुखिया ने कहा कि हमें उम्मीद है 2027 में राजभर समाज का पूरा समर्थन हम समाजवादियों के साथ होगा। समाजवादी सरकार बनेगी, तो देश के सबसे सुंदर रिवर फ्रंट पर महाराजा सुहेलदेव जी की प्रतिमा लगाने का काम करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने 1984 सिख विरोधी दंगों के छह आरोपियों को बरी करने पर जारी किया नोटिस

■ **बीएनटी न्यूज**

सुप्रीम कोर्ट ने 1984 सिख विरोधी दंगों के छह आरोपियों को बरी करने के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए नोटिस जारी किया है। इस मामले में 21 जुलाई को अगली सुनवाई होगी।

जस्टिस अभय एस. ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने नोटिस जारी कर बरी किए गए लोगों से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के रिकॉर्ड को भी तलब किया है।

एडवोकेट एचएस फुल्का ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने छह मामलों में बरी किए गए लोगों को नोटिस जारी किया है। हमने कोर्ट को यह बताया कि कत्ल के कई मुकदमों में मुलज़िमों को पेश नहीं किया गया और बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। इस पर भी सुप्रीम कोर्ट की तरफ से नोटिस जारी किया गया है।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया गया कि सिख विरोधी दंगों में 56 हत्या मामलों में से केवल 5 मामलों में चार्जशीट दायर की गई और बाकी 51 मामलों में चार्जशीट दाखिल नहीं की गई, जिस पर भी सरकार से जवाब मांगा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इन मामलों की सुनवाई जुलाई में होगी।

एचएस फुल्का ने बताया कि अब दिल्ली हाईकोर्ट में भी इन मामलों को लेकर सुनवाई शुरू हो गई है और सुप्रीम कोर्ट भी इसे गंभीरता से ले रहा है। मुझे उम्मीद है कि इन मामलों में अब कुछ केसों को फिर से खोला जाएगा, ताकि दोषियों को सजा मिल सके।

उल्लेखनीय है कि साल 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 25 फरवरी, 2025 को कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

यह मामला 1 नवंबर 1984 को दिल्ली के सरस्वती विहार इलाके में दो सिख नागरिक जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह को जिंदा जलाने का है। इस दौरान सिखों का नरसंहार हुआ था और उनके घरों को आग के हवाले कर दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को फटकारा, वीर सावरकर पर दिए बयान को बताया गैर-जिम्मेदाराना

■ **बीएनटी न्यूज**

लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर पर दिए गए राहुल गांधी के विवादित बयान पर कहा कि देश के स्वतंत्रता सेनानियों को लेकर गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियां स्वीकार नहीं की जाएंगी।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को राहत भी दी है। सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ निचली अदालत में चल रही कार्रवाई पर रोक लगा दी है।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इतिहास को समझे बिना राहुल गांधी इस तरह के बयान नहीं दे सकते हैं।

कोर्ट ने चेतावनी देते हुए कहा, यदि भविष्य में इस प्रकार की टिप्पणी फिर से की गई, तो सुप्रीम कोर्ट स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई करेगा।

कोर्ट ने आगे कहा, आप उन लोगों के बारे में कैसे ऐसा कह सकते हैं, जिन्होंने हमें आजादी दिलाई? कल को आप महात्मा गांधी को लेकर भी कुछ कह देंगे, क्योंकि उन्होंने सावरकर के लिए 'फेथफुल सर्वेंट' लिखा था?

सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि महात्मा गांधी ने सावरकर को सम्मान दिया था और राहुल गांधी की दादी, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी उन्हें एक पत्र लिखा था।

जस्टिस दीपांकर दत्ता ने राहुल गांधी को चेतावनी देते हुए कहा कि आप महाराष्ट्र जाकर इस तरह के बयान देते हैं, जहां वीर सावरकर की पूजा होती है। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। आप क्यों इस तरह की टिप्पणी कर रहे हैं?

यह मामला 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी के महाराष्ट्र में दिए गए विवादित बयान से जुड़ा है। उन्होंने सावरकर को लेकर विवादित टिप्पणी की थी और कहा था कि वह अंग्रेजों से पेंशन लेते थे।

राहुल गांधी के इस बयान पर वकील नृपेंद्र पांडे ने निचली अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी। लखनऊ की निचली अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ पहली नजर में आईपीसी 153(ए) और 505 के तहत केस मानते हुए समन जारी किया था। उस समन को राहुल गांधी ने चुनौती दी थी। उसके बाद राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

बारिश से दिल्ली में ट्रैफिक का बुरा हालः रेखा गुप्ता ने जलभराव का लिया जायजा

■ **बीएनटी न्यूज**

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मजनूं का टीला और आईटीओ समेत कई बारिश प्रभावित इलाकों का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया तथा अधिकारियों के साथ राहत प्रयासों का समन्वय किया।

मौसम के कारण राष्ट्रीय राजधानी में व्यवधान पैदा हो गया, जिसके कारण करीब 100 उड़ानें विलंबित हो गईं। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने गंभीर जलभराव के लिए पिछली सरकार के कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि सुबह 5 बजे से ही सरकार और प्रशासन लगातार अलर्ट पर था। सभी डीसी, अधिकारी सड़कों पर खड़े थे। इस कार्यक्रम में आते समय मैंने तीन पॉइंट देखे जहां जलभराव और ट्रैफिक जाम था।

रेखा गुप्ता ने कहा कि ये ट्रिपल इंजन की सरकार है, जहां आज केंद्र, दिल्ली और हमारी स्थानीय निकाय मिलकर एक टीम की तरह खड़े हैं और दिल्ली की बिगड़ी हुई व्यवस्था को सुधारने के लिए पूरे जोश के साथ काम कर रहे हैं। मैं भगवान का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं कि मानसून से पहले जो ये बारिश हुई है, वो पूरी व्यवस्था के लिए एक खतरे की घंटी है।

उन्होंने कहा कि यह बीमारी जो हमें पिछली सरकार से मिली है, उसे ठीक होने में समय लगेगा और दिल्ली की मुख्यमंत्री खुद उन सड़कों से गुजर रही हैं, जहां हजारों दिल्लीवासी ट्रैफिक जाम में फंसे हुए हैं और सरकार इन समस्याओं को ठीक करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अधिकारी सड़कों पर काम कर रहे हैं। इन सभी व्यवस्थाओं को समय पर ठीक करना हमारी जिम्मेदारी है।

आपको बता दें कि रेखा गुप्ता ने भारी बारिश के बाद मजनूं का टीला इलाके का दौरा किया और अधिकारियों को मानसून के आगामी मौसम में जलभराव को रोकने के लिए गड्ढों को भरने एवं सीवर की मरम्मत का काम शुरू करने का निर्देश दिया।

गुप्ता ने कहा, नालियों के जाम होने और सड़कों के क्षतिग्रस्त होने के कारण दिल्ली के कई इलाकों में जलभराव एक समस्या है। उन्होंने कहा, अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे सभी संवेदनशील स्थानों की तुरंत पहचान करें और नालियों से गाद निकालने एवं सड़कों की मरम्मत या निर्माण करने जैसे आवश्यक कार्य शुरू करें ताकि मानसून के दौरान ऐसी समस्याओं से बचा जा सके।

अब बहानेबाजी नहीं चलेगी भाजपा के सारे इंजन खटारा

दिल्ली में बारिश के बाद कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पर आप ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। आप के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अब बहानेबाजी नहीं चलेगी, दिल्ली में 4 इंजन वाली सरकार है- केंद्र सरकार, एलजी, दिल्ली सरकार और एमसीडी। उन्होंने कहा कि 1 महीने पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा था कि साल 2025 में दिल्ली में जलभराव नहीं होगा, लेकिन आज सामान्य बारिश में भी कई जगहों पर जलभराव है।

पूर्व सीएम आतिशी ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली में है 4 इंजन की भाजपा सरकार। और यह है गर्मियों की पहली बरसात के बाद दिल्ली का हाल। पहले बिजली, पानी, सीवर में भाजपा फेल। अब जल भराव रोकने में भाजपा फेल। आप सांसद सजय सिंह ने लिखा कि भाजपा बबार्दी की गारंटी है। उन्होंने आगे लिखा कि मैं बार-बार कहता हूँ BJP के सारे इंजन खटारा हो चुके हैं। दिल्ली में तीन इंजन की सरकार का हाल देखिए पहली ही बारिश में सड़कों पर पानी भरा हुआ है। BJP ने बहुत कम समय में ही दिल्ली को बर्बाद करने का रिकॉर्ड बना दिया है।

केरलः सांसद प्रियंका गांधी ने वन विभाग को एंबुलेंस की सौंपी चाबियां

■ **बीएनटी न्यूज**

कांग्रेस महासचिव और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को केरल में वन्यजीव वार्डन को एक एंबुलेंस की चाबियां सौंपी। पार्टी की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, 'प्रियंका गांधी ने एमपीएलएडी के तहत वित्त पोषित 15 लाख रुपये की एम्बुलेंस की चाबियां वन्यजीव वार्डन वरुण दलिया को सौंपी।'

बताया गया कि हस्तांतरण और ध्वजारोहण समारोह सुल्तान बाथरी वन प्रभाग कार्यालय में हुआ। वायनाड की सांसद ने वन विभाग के सामने आने वाली परिचालन चुनौतियों और जनजातीय क्षेत्रों को प्रभावित करने वाले पर्यावरणीय मुद्दों पर वन अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की।

विज्ञप्ति में कहा गया, 'इस संवाद में वन्यजीव विभाग की परियोजनाएं, मानव-वन्यजीव संघर्ष, जनजातीय समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियां और मानव-पशु टकराव की बढ़ती घटनाएं जैसे प्रमुख विषयों को शामिल किया गया।'

प्रियंका गांधी ने वन विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों के लिए पर्याप्त समर्थन की आवश्यकता पर भी बल दिया और क्षेत्र की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय वित्त पोषण की मांग की।

'ऑपरेशन सिंदूर' : भारत की एयर स्ट्राइक में मारे गए 70 से अधिक आतंकी

■ **बीएनटी न्यूज**

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के नौ ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की, जिसमें 70 से अधिक आतंकवादी मारे गए।

ये हमले नौ लक्षित स्थानों- बहावलपुर, कोटली, रावलकोट, मुजफ्फराबाद, चकस्वरी, भीमबर, नीलम घाटी, झेलम और चकवाल में किए गए। इन हमलों में 60 से अधिक आतंकवादी घायल हो गए।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में सरकार ने मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि ये कार्रवाई नपी-तुली और गैर-उत्तेजित प्रकृति की, आनुपातिक और जिम्मेदाराना थी, जो पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद और भारत पर हमलों के निरंतर समर्थन के खिलाफ थी।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि लक्ष्यों का चयन विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर किया गया और इसका उद्देश्य आतंकी ढांचे को ध्वस्त करना और आतंकियों को बेदम करना था।

उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' सीमा पार आतंकवाद का जवाब देने और उसे रोकने के देश के अधिकार का प्रतिनिधित्व करता है।

मिस्री के अलावा प्रेस कॉन्फ्रेंस को भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने भी संबोधित किया।

उन्होंने पाकिस्तान स्थित आतंकी समूहों और उनके भारत पर हमलों से लक्षित ठिकानों के संबंधों पर प्रकाश डाला।

नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमलों के जरिए भारत ने दिखाया कि वह अब सीमा पार आतंकवाद या इसे बढ़ावा देने वाली सरकारी संस्थाओं की मिलीभगत को बर्दाश्त नहीं करेगा।

भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना ने ऐतिहासिक अभियान में रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे पर हमले किए।

सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रात भर चले ऑपरेशन की लगातार निगरानी कर रहे थे।

भारत ने पाकिस्तान और पीओके में उन ठिकानों पर हमला किया, जहां से आतंकवादी हमलों की योजना बनाई जा रही थी और उन्हें अंजाम दिया जा रहा था।

भारत ने बयान में कहा, 'हमारी कार्रवाई केंद्रित, संतुलित रही। पाकिस्तानी सैन्य सुविधाओं को निशाना नहीं बनाया गया। भारत ने लक्ष्यों के चयन और कार्रवाई के तरीके में काफी संयम दिखाया।'

पुतिन ने पीएम मोदी से की फोन पर बात
आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ रूस

■ **बीएनटी न्यूज**

विदेश मंत्रालय ने बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन करके पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने की बात कही।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस जघन्य हमले के दोषियों और उनके समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। दोनों नेताओं ने भारत-रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया और पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने की बात कही।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस जघन्य हमले के दोषियों और उनके समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। दोनों नेताओं ने भारत और रूस के बीच विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को विजय दिवस की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर शुभकामनाएं दीं और उन्हें इस साल के अंत में भारत में आयोजित होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया।'

पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कथित तौर पर 9 मई को मास्को में आयोजित होने वाले विजय दिवस की 80वीं वर्षगांठ समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करने से इनकार कर दिया है।

पहले उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के विजय दिवस समारोह में शामिल होंगे। हालांकि उनके न जाने के पीछे कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया, लेकिन माना जा रहा है कि पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा स्थिति के कारण ऐसा हुआ।

पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह बैठक वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के एक दिन बाद हुई है और माना जा रहा है कि उन्होंने सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री का 'एक्स' अकाउंट भारत में ब्लॉक

■ **बीएनटी न्यूज**

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार पाकिस्तान के खिलाफ लगातार सख्त रुख अपनाती हुई नजर आ रही है। इसके अलावा, सरकार देश के खिलाफ जहर उगलने वाले पाकिस्तानी नेताओं के सोशल मीडिया अकाउंट्स को भारत में बैन कर रही है। इसी कड़ी में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख इमरान खान और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के 'एक्स' अकाउंट को ब्लॉक कर दिया गया है।

भारत में इमरान खान और बिलावल भुट्टो के एक्स को सर्च करने पर अकाउंट की प्रोफाइल पिक्चर और कवर इमेज ब्लैंक नजर आ रही है। इसके साथ ही एक संदेश भी लिखा हुआ दिख रहा है, जिसमें कानूनी बाध्यता का जिक्र है।

इससे पहले, पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार के एक्स अकाउंट को भी भारत में बैन कर दिया गया है। तरार ने हाल ही में दावा किया था कि इस्लामाबाद के पास विश्वसनीय खुफिया जानकारी है, जिससे पता चलता है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद नई दिल्ली 24 से 36 घंटे के भीतर पड़ोसी देश पर सैन्य हमला कर सकता है।

इसके अलावा, भारत ने ही पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के आधिकारिक यूट्यूब अकाउंट को भी ब्लॉक कर दिया था। शरीफ का चैनल अब तक का सबसे हाई-प्रोफाइल सोशल मीडिया अकाउंट है, जिसे भारत सरकार ने ब्लॉक किया। शहबाज शरीफ के ब्लॉक किए गए प्रोफाइल में लिखा है, 'राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित सरकार के आदेश के कारण यह कंटेंट फिलहाल इस देश में उपलब्ध नहीं है। सरकार की तरफ से हटाए जाने के अनुरोधों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया गूगल पारदर्शिता रिपोर्ट देखें।'

भारत सरकार इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के एक्स अकाउंट को ब्लॉक कर चुकी है।

ब्लॉक किए गए प्रमुख यूट्यूब चैनलों में पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब अख्तर, पत्रकार आरजू काजमी और कमेंटेटर सैयद मुज्जमिल शाह के चैनल शामिल हैं। ओलंपियन अरशद नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट और पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी के यूट्यूब अकाउंट भी सस्पेंड किए गए हैं। 30 अप्रैल को, प्रमुख पाकिस्तानी अभिनेत्रियों हनिया आमिर और माहिरा खान के इंस्टाग्राम प्रोफाइल को ब्लॉक कर दिया गया।

केंद्र की मोदी सरकार की ओर से की जा रही ये कार्रवाइयां 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर की गई, जिसमें 26 लोगों की हत्या कर दी गई थी। इस हमले की जिम्मेदारी प्रतिबंधित पाकिस्तानी आतंकी समूह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के प्रतिनिधि 'द रेजिस्टेंस फोर्स' (टीआरएफ) ने ली थी। हालांकि, बाद में उसने अपनी संलिप्तता से इनकार कर दिया था।

पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। नई दिल्ली ने इस्लामाबाद के खिलाफ कई सख्त कूटनीतिक और रणनीतिक कदम उठाए हैं। इनमें 1960 के सिंधु जल समझौते को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने, अटारी इंटिग्रेटेड चेक पोस्ट को बंद करने, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित करना शामिल हैं।

'आतंकियों को पता होना चाहिए कि बचने के लिए कोई जगह नहीं', इजरायल का 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्थन

■ **बीएनटी न्यूज**

'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर भारत के एयरस्ट्राइक का इजरायल ने समर्थन किया है। इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने कहा कि आतंकवादियों को पता होना चाहिए कि निर्दोषों के खिलाफ उनके जघन्य अपराधों से बचने के लिए कोई जगह नहीं है।

भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'इजरायल भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करता है। आतंकवादियों को पता होना चाहिए कि निर्दोषों के खिलाफ उनके जघन्य अपराधों से बचने के लिए कोई जगह नहीं है।'

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने देर रात आतंकियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की। इस सैन्य कार्रवाई में उन आतंकी कैंपों और लॉजिस्टिक ठिकानों को निशाना बनाया गया, जो पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार आतंकी समूहों से जुड़े थे।

भारतीय खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले को पाकिस्तान स्थित आतंकी समूहों से जोड़ा है, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा का प्रॉक्सी द रेसिस्टेंस फ्रंट ने जिम्मेदारी ली है।

सेना ने ऑपरेशन के बाद कहा, 'थोड़ी देर पहले भारतीय सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया, जहां से भारत के खिलाफ आतंकी हमलों की योजना बनाई और निर्देशित की गई थी।'

भारतीय सेना के प्रवक्ता ने हमलों की सटीकता और सीमित दायरे की पुष्टि की। उन्होंने कहा, 'हमारी कार्रवाई केंद्रित और सटीक रही। हमने केवल उन आतंकी कैंपों को निशाना बनाया, जहां से भारत के खिलाफ हमलों की योजना बनाई गई और उन्हें अंजाम दिया गया था।'

प्रवक्ता ने कहा, 'ऑपरेशन का इरादा और कार्यान्वयन गैर-विवाद बढ़ाने वाला था।'

उन्होंने आगे कहा, 'न्याय हो गया, जय हिंद।'

भारत सरकार ने पुष्टि की है कि सभी नौ लक्ष्यों पर सफलतापूर्वक हमला किया गया, जिससे पाकिस्तान में कोई नागरिक, सैन्य या आर्थिक बुनियादी ढांचा प्रभावित नहीं हुआ।

विश्व स्थिरता बनाए रखने के लिए रूस-चीन संबंध रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं : पुतिन

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 4 मई को रूस-1 टीवी चैनल पर प्रसारित एक वृत्तचित्र में दावा किया कि पिछले 25 वर्षों में विश्व की आर्थिक गतिविधियों का केंद्र एशिया-प्रशांत क्षेत्र की ओर स्थानांतरित हो गया है।

पुतिन ने जोर देकर कहा कि वैश्विक स्थिरता के लिए एक मजबूत आधार बनाने हेतु रूस, चीन के साथ रणनीतिक साझेदारी को गहराई से विकसित करने पर काम कर रहा है।

पुतिन ने कहा, 'वर्तमान परिस्थितियों में रूस-चीन संबंधों का महत्व किसी भी समय से अधिक रणनीतिक है। वैश्विक उथल-पुथल कम होने के बजाय और फैल गई है। ऐसे में, रूस और चीन के बीच विश्वसनीय तथा स्थिर संबंध न केवल द्विपक्षीय हितों को साधते हैं, बल्कि ये विश्व व्यवस्था को संतुलित रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।'

पाक मंत्री भारत के खिलाफ उगल रहे थे जहर, विदेशी मीडिया ने करा दी बोलती बंद

■ **बीएनटी न्यूज**

भारत के एयर स्ट्राइक को लेकर पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार विदेशी मीडिया के सामने गिड़गिड़ाते दिखे। अपना पक्ष रखने की कोशिश में भारत पर अनर्गल आरोप लगाने लगे, लेकिन उन्हें करारा जवाब दिया गया। एंकर ने उन्हें पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का बयान याद दिला दिया।

तरार ने दावा किया कि पाकिस्तान में कोई आतंकी शिविर नहीं है और उसने हमेशा पश्चिमी सीमा पर आतंकियों से लड़ाई की है।

उनसे सवाल किया गया कि भारत आतंकी शिविरों को निशाना बनाने की बात कर रहा है, हमारे यहां ऐसा नहीं है। इस पर एंकर ने रोकते हुए रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के हाल ही में दिए बयान का जिक्र किया।

याद दिलाया कि खुद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक सप्ताह पहले इसी शो में स्वीकार किया था कि पाकिस्तान ने दशकों तक आतंकी गुटों को समर्थन, फंडिंग और प्रशिक्षण दिया है। इसके अतिरिक्त, पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ और पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो भी इस नीति की सार्वजनिक रूप से स्वीकार कर चुके हैं। यहां तक कि बिलावल भुट्टो भी स्वीकार कर चुके हैं।

एंकर ने कहा, '2018 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान की सैन्य सहायता यह कहते हुए बंद कर दी थी कि पाकिस्तान आतंकियों को आश्रय दे रहा है। ऐसे में 'पाकिस्तान में कोई आतंकी कैंप नहीं हैं' कहना आपके ही वरिष्ठ नेताओं के बयानों के विपरीत है। आतंकवाद और आतंकवादी संगठनों को फंडिंग और समर्थन देना पाकिस्तान के इतिहास का हिस्सा रहा है और यह अब भी है।'

इसके जवाब में मंत्री ने कहा, 'पाकिस्तान में कोई आतंकी शिविर नहीं हैं। हम खुद आतंकवाद के सबसे बड़े शिकार हैं। हमने आतंकवाद के खिलाफ जंग में 90,000 जानें गंवाई हैं। आज भी बलूचिस्तान और अन्य इलाकों में हमारे जवान शहीद हो रहे हैं।' पाकिस्तानी मंत्री ने दावा किया कि पाकिस्तान आतंक के खिलाफ फ्रंटलाइन स्टेट है और उसने हमेशा पश्चिमी सीमा पर आतंकियों से लड़ा है।

एंकर ने फिर इतिहास याद दिलाया तो मंत्री ने कहा, 'जो रक्षा मंत्री ने कहा, मुझे लगता है कि उनका मतलब गलत समझा गया है। 9/11 के बाद, पाकिस्तान आज भी आतंकवाद के खात्मे में लगा सबसे अग्रणी देश है। हम दुनिया की शांति के गारंटर हैं, क्योंकि हम आतंकवादियों और बाकी दुनिया के बीच दीवार के रूप में खड़े हैं। आपको, मैं आपको पाकिस्तान आने का निमंत्रण देना चाहता हूं, आकर देखिए।'

इस पर एंकर ने कहा, 'मैंने पाकिस्तान का दौरा किया है और हम जानते हैं कि ओसामा बिन लादेन भी पाकिस्तान के एबटाबाद में पाया गया था।'

पाकिस्तानी हैकर्स ने रक्षा मंत्रालय से जुड़ी वेबसाइट पर किया हमला

■ **बीएनटी न्यूज**

पाकिस्तानी साइबर हमलावरों ने भारत में रक्षा और सशस्त्र बलों से जुड़ी वेबसाइटों पर साइबर अटैक के जरिए संवेदनशील डेटा चुराने की कोशिश की है। यह जानकारी सामने आई।

पाकिस्तानी हैकर्स के एक्स अकाउंट 'पाकिस्तान साइबर फोर्स' के माध्यम से यह दावा किया गया है कि उन्होंने भारतीय मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस (एमईएस) और मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान से संवेदनशील जानकारी प्राप्त कर ली है।

इस दावे से यह संकेत मिलता है कि हमलावरों ने रक्षा कर्मियों से जुड़ी व्यक्तिगत जानकारियां और लॉगिन क्रेडेंशियल्स तक पहुंच बनाई हो। भारत के साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और एजेंसियों ने तुरंत प्रभावी कदम उठाते हुए कार्रवाई की है। यह भी सामने आया है कि इसी समूह ने रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड की वेबसाइट को डिफेस करने का प्रयास किया। वेबसाइट पर पाकिस्तान का झंडा और पाकिस्तान का मुख्य युद्धक टैंक 'अल-खालिद' दिखाया गया।

सूत्रों के अनुसार, एहतियाती कदम के तौर पर आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड की वेबसाइट को ऑफलाइन कर दिया गया है ताकि उसकी गहन जांच की जा सके और किसी संभावित नुकसान का मूल्यांकन किया जा सके। साथ ही वेबसाइट की अखंडता को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक ऑडिट किया जा रहा है। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और एजेंसियां लगातार साइबरस्पेस की निगरानी कर रही हैं। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि किसी भी अन्य संभावित हमले की पहचान समय रहते की जा सके। विशेष रूप से उन हमलों की जो पाकिस्तान समर्थित खतरे वाले तत्वों द्वारा किए जा रहे हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह निगरानी प्रयास भविष्य के खतरों की त्वरित पहचान और उन्हें रोकने के उद्देश्य से की जा रही है। स्थिति को देखते हुए सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने, डिजिटल सुरक्षा को बेहतर करने और आगे किसी भी घुसपैठ से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। अब तक 'साइबर ग्रुप हॉक्स1337' और 'नेशनल साइबर क्रू' जैसे कई पाकिस्तानी हैकर समूहों की पहचान की जा चुकी है। इन समूहों ने भारत की कई अहम वेबसाइटों को निशाना बनाने की असफल कोशिश की। रक्षा सूत्रों बताया कि भारतीय साइबर सुरक्षा एजेंसियों ने इन प्रयासों को समय रहते पहचानकर निष्क्रिय कर दिया।

इससे पहले, पिछले इसी तरह के हमले किए गए थे। बीते सप्ताह हैकरों ने आर्मी पब्लिक स्कूल नागरोटा और अन्य वेबसाइटों को निशाना बनाकर डिफेस करने की कोशिश की थी। एक अन्य मामले में पूर्व सैनिकों की स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी वेबसाइट को भी डिफेस किया गया, जो पाकिस्तान की बढ़ती हताशा को दर्शाता है।

मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री के रूप में दोबारा चुने जाने पर एंथनी अल्बानीज को बधाई दी

■ **बीएनटी न्यूज**

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एंथनी अल्बनीज को ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के रूप में दोबारा चुने जाने और आम चुनावों में उनकी बड़ी जीत पर बधाई दी।

पीएम मोदी ने कहा कि वे अल्बनीज के साथ मिलकर भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच मजबूत होते रणनीतिक रिश्तों को और आगे बढ़ाने और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के साझा लक्ष्य को आगे ले जाने के लिए उत्सुक हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'एंथनी अल्बनीज को उनकी जबरदस्त जीत और दोबारा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई! यह जीत दशार्ती है कि ऑस्ट्रेलियाई जनता को आपके नेतृत्व पर भरोसा है। मैं भारत-ऑस्ट्रेलिया के रणनीतिक संबंधों को और गहरा करने और हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि के लिए मिलकर काम करने को लेकर आशान्वित हूं।'

एंथनी अल्बनीज ने अपनी जीत की घोषणा की और 'एक्स' पर लिखा, 'धन्यवाद, ऑस्ट्रेलिया।' अल्बनीज पिछले 21 वर्षों में पहले ऐसे ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री बने हैं जिन्हें लगातार दूसरी बार तीन साल का कार्यकाल मिला है। लोक मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी लेबर पार्टी ने चुनाव में बड़ी जीत हासिल की और बहुमत हासिल करने जा रही है।

यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि 2004 के बाद पहली बार कोई प्रधानमंत्री लगातार दो बार सत्ता में लौटा है। चुनाव से पहले अल्बनीज ने विश्वास जताया था कि उनकी पार्टी को फिर से बहुमत मिलेगा। पांच सप्ताह के चुनाव अभियान के दौरान उनका प्रदर्शन विपक्षी नेता पीटर डटन से बेहतर रहा था।

सिडनी में समर्थकों को संबोधित करते हुए अल्बनीज ने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई जनता ने फैसला किया है कि हम दुनिया की चुनौतियों का सामना अपने तरीके से करेंगे, एक-दूसरे का साथ देते हुए और भविष्य की तैयारी करते हुए। हमें किसी और से प्रेरणा लेने की जरूरत नहीं है, हमारी प्रेरणा हमारे अपने मूल्य और लोग हैं।'

लेबर पार्टी 151 सदस्यों वाले सदन में अपनी सीटों में इजाफा करती हुई नजर आ रही है। जबकि, आमतौर पर दूसरे कार्यकाल में सीटें कम हो जाती हैं। यदि इसकी पुष्टि हो जाती है तो इससे अल्बनीज को अहम कानून पास कराने में मदद मिलेगी।

वहीं लिबरल पार्टी के नेता पीटर डटन के नेतृत्व वाले प्रतिद्वंद्वी रूढ़िवादी गठबंधन ने हार स्वीकार कर ली। डटन, जो 24 साल से सांसद थे, अपनी सीट भी हार गए।

भारत ने अब पाकिस्तान से आने वाले मेल और पार्सल पर लगाई रोक

■ **बीएनटी न्यूज**

केंद्र सरकार ने हवाई और जमीनी मार्गों के जरिए पाकिस्तान से आने वाले मेल और पार्सल के आदान-प्रदान को निलंबित करने की घोषणा की। इससे पहले दिन में सभी आयातों पर प्रतिबंध लगा दिया गया और पाकिस्तानी झंडे वाले जहाजों को बंदरगाहों में प्रवेश करने से रोक दिया गया।

संचार मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर पड़ोसी देश से मेल और पार्सल का आवागमन निलंबित करने की घोषणा की है।

अधिसूचना में कहा गया, 'भारत सरकार ने हवाई और जमीनी मार्गों के माध्यम से पाकिस्तान से आने वाले सभी श्रेणियों के मेल और पार्सल के आदान-प्रदान को निलंबित करने का निर्णय लिया है।'

पहलगाम हमले के बाद भारत पाकिस्तान के खिलाफ एक बाद एक कड़े फैसले ले रहा है।

इससे पहले भारत ने पाकिस्तान से सभी प्रकार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आयात पर प्रतिबंध लगा दिया। वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, 'पाकिस्तान में उत्पन्न या वहां

से निर्यातित सभी वस्तुओं का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन, चाहे वे स्वतंत्र रूप से आयात योग्य हों या अन्यथा अनुमत हों, तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक प्रतिबंधित रहेगा।'

अधिसूचना में कहा गया, 'यह प्रतिबंध राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक नीति के हित में लगाया गया है। इस प्रतिबंध में किसी भी अपवाद के लिए भारत सरकार की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी।'

2 मई की अधिसूचना में कहा गया कि इस संबंध में विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2023 में एक प्रावधान जोड़ा गया है, ताकि 'पाकिस्तान में उत्पन्न या वहां से निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन पर रोक लगाई जा सके।'

इस बीच पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय ने पाकिस्तानी झंडे वाले जहाजों के भारतीय बंदरगाहों में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके साथ ही भारतीय झंडे वाले जहाजों के पाकिस्तान के बंदरगाहों पर जाने पर रोक लगा दी है। ये प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से मर्चेंट शिपिंग अधिनियम, 1958 की धारा 411 के तहत भारतीय परिसंपत्तियों, कार्गो और बंदरगाह अवसंरचना की सुरक्षा के लिए लगाए गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर कहा कि भारत आतंकवाद और इसका समर्थन करने वालों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आतंकवाद के खिलाफ हम पूरी तरह एकजुट हैं। मैं पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति सहानुभूति जताने के लिए राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला के लोगों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अंगोला के समर्थन के लिए उसे धन्यवाद देते हैं।'

आतंकियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल – पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में लोगों (ज्यादातर पर्यटक) पर गोलियां चला दी थीं। हमले में 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

चार भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने पहलगाम में क्रूर हमला किया था। प्रतिबंधित आतंकवादी समूह 'लश्कर-ए-तैयबा' से जुड़े 'टीआरएफ' ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। हमलावरों में से दो के पाकिस्तानी नागरिक होने की पुष्टि हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव में जीत पर कार्नी को दी बधाई

■ **बीएनटी न्यूज**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा के पीएम मार्क कार्नी को आम चुनाव में सफलता पर बधाई दी। कार्नी के नेतृत्व में लिबरल पार्टी चौथी बार सत्ता में वापसी करने में सफल रही।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर मार्क कार्नी को टैग करते हुए लिखा, 'भारत और कनाडा साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता और लोगों के बीच जीवंत संबंधों से बंधे हैं। मैं हमारी साझेदारी को मजबूत करने और हमारे लोगों के लिए अधिक अवसरों के द्वार खोलने के लिए आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।' कार्नी के पूर्ववर्ती जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में ओटावा के साथ नई दिल्ली के संबंध बेहद तनावपूर्ण बने रहे। उन्होंने बार-बार भारत के खिलाफ 'बेतुके बयान' दिए और खालिस्तानियों के साथ सहानुभूति व्यक्त की।

प्रमुख अर्थशास्त्री और बैंक ऑफ कनाडा के पूर्व गवर्नर कार्नी, ने अपने चुनाव अभियान के दौरान भारत के साथ तनावपूर्ण संबंधों के 'पुनर्निर्माण' का वादा किया है।

कार्नी ने कैलगरी में एक बातचीत के दौरान कहा था, 'कनाडा समान विचारधारा वाले देशों के साथ अपने व्यापारिक संबंधों में विविधता लाना चाहता है, और भारत के साथ संबंधों को फिर से बनाने के अवसर मौजूद हैं।'

पिछले सप्ताह उन्होंने दोबारा संकेत दिया कि कनाडा भारत के साथ संबंधों को फिर से स्थापित करने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा, 'कनाडा-भारत संबंध, कई स्तरों पर एक अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण रिश्ता है। इस समय, जब विश्व अर्थव्यवस्था ही नहीं बल्कि वैश्विक प्रणाली भी हिल गई है, इसका स्वरूप बदल रहा है, कनाडा जैसे देश, भारत जैसे देश, विशेष रूप से एक खुली, साझा अर्थव्यवस्था, साझा विचार, साझा संबंध बनाने में एक बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।'

प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व में लिबरल पार्टी की जीत कई मायनों में हैरान करने वाली है। कनाडा के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आक्रामक रुख पार्टी की जीत में बड़ा फैक्टर माना जा रहा है।

वर्ष की शुरूआत में लिबरल पार्टी अपमानजनक हार की ओर बढ़ती दिख रही थी लेकिन ट्रंप ने कनाडा के खिलाफ टैरिफ युद्ध छेड़कर और देश को अमेरिका में मिलाने की धमकी देकर सारा खेल पलट दिया।

ट्रंप के खिलाफ विद्रोह और राष्ट्रवाद की भावनाओं के जगने के साथ ही पार्टी के लिए समर्थन बढ़ गया।

बड़ी संख्या में कनाडाई लोगों ने लिबरल पार्टी को समर्थन दिया। उनका मानना था कि यह पार्टी पियरे पोलीवरे के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी की तुलना में ट्रंप के सामने बेहतर तरीके से खड़ी हो सकती है। कंजर्वेटिव पार्टी की विचारधारा कई मायनों में अमेरिकी राष्ट्रपति की विचारधारा से मिलती-जुलती थी।

बांग्लादेश : अवमानना के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को कारण बताओ नोटिस

■ **बीएनटी न्यूज**

बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और अवामी लीग की प्रतिबंधित छात्र शाखा बांग्लादेश छात्र लीग (बीसीएल) के नेता शकील आलम बुलबुल को अदालत की कथित अवमानना के मामले में कारण बताओ नोटिस जारी किया।

स्थानीय मीडिया ने बताया कि आईसीटी अभियोजक गाजी एमएच तमीम ने दोनों व्यक्तियों को 15 मई तक कारण बताओ नोटिस का जवाब देने का निर्देश दिया है।

न्यायाधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गुलाम मुतुर्जा मुजुमदार की अध्यक्षता में सोशल मीडिया पर लीक हुए एक वायरल ऑडियो क्लिप की सामग्री पर यह आदेश पारित किया गया, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री को दिखाया गया था, जिसके माध्यम से उन्होंने कथित तौर पर न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप किया और न्यायाधिकरण को धमकी दी।

आईसीटी अभियोजक ने कहा कि जांच एजेंसी ने फोरेंसिक परीक्षण कराया और पुष्टि की कि आवाज शेख हसीना की है।

पिछले वर्ष अगस्त में सत्ता में आने के बाद मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री, उनके परिवार के सदस्यों और अवामी लीग समर्थकों के खिलाफ कई गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं।

पिछले महीने बांग्लादेश के एक न्यायाधिकरण ने 2013 में ढाका के शापला छत्तर में हुए कथित सामूहिक हत्याकांड के लिए हसीना और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) बेनजीर अहमद सहित चार अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

इससे पहले जनवरी में ढाका में एक विशेष न्यायाधिकरण ने पूर्व प्रधानमंत्री हसीना और 11 अन्य लोगों के खिलाफ जबरन गायब किए जाने की घटनाओं के संबंध में गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

विडंबना यह है कि इस न्यायाधिकरण की स्थापना शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अपराध (न्यायाधिकरण) अधिनियम के तहत की गई थी, जिसका उद्देश्य 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान बांग्लादेश के भूभाग में पाकिस्तानी सेना द्वारा अपने स्थानीय सहयोगियों की मदद से किए गए नरसंहार, मानवता के विरुद्ध अपराध, युद्ध अपराध और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत अन्य अपराधों के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों का पता लगाना, उन पर मुकदमा चलाना और उन्हें दंडित करना था।

विश्लेषकों का मानना है कि यह घटनाक्रम यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार द्वारा किया जा रहा एक बड़ा राजनीतिक प्रतिशोध है, क्योंकि अगस्त 2024 में उनके पद से हटने के तुरंत बाद पूर्व प्रधानमंत्री और उनके समर्थकों के खिलाफ तुच्छ आधार पर कई मामले दर्ज किए गए थे।

देश में लोकतंत्र की बहाली के संघर्ष में अग्रणी आवाज रहीं बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हसीना को अपमानजनक तरीके से देश छोड़कर 5 अगस्त को भारत में शरण लेनी पड़ी थी।

फरवरी में भारत से अवामी लीग समर्थकों को ऑनलाइन संबोधित करते हुए अपदस्थ प्रधानमंत्री ने यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर देश को कथित तौर पर 'आतंकवाद' और 'अराजकता' के केंद्र में बदलने का आरोप लगाया था।

शेख हसीना की बेटी का फ्लैट होगा जब्त, अदालत ने दिया आदेश

बांग्लादेश की एक अदालत ने ढाका के गुलशन इलाके में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की बेटी साइमा वाजेद पुतुल के फ्लैट को जब्त करने का आदेश पारित किया। अदालत ने फ्लैट की देखभाल के लिए एक रिसीवर नियुक्त करने के अनुरोध को भी मंजूरी दे दी।

ढाका मेट्रोपॉलिटन के वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश जाकिर हुसैन गालिब ने देश के भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) की अपील पर यह आदेश पारित किया। एसीसी ने याचिका में कहा कि गुलशन फ्लैट की कीमत 5.7 मिलियन बांग्लादेशी टका है।

ब्रिटेन की काउंटर-टेरर यूनिट ने 7 ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया

■ **बीएनटी न्यूज**

ब्रिटेन की आतंकवाद निरोधी पुलिस ने देश के विभिन्न हिस्सों में की गई छापेमारी में सात ईरानी नागरिकों सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, चार ईरानी समेत पांच व्यक्तियों को विशिष्ट परिसरों को निशाना बनाने की कथित साजिश से जुड़े आतंकवादी अपराधों के संदेह में हिरासत में लिया गया। पांचवें संदिग्ध की राष्ट्रीयता अभी तक स्पष्ट नहीं है। ये गिरफ्तारियां स्विंडन, पश्चिम लंदन, स्टॉकपोर्ट, रोचडेल और मैनचेस्टर में हुईं।

मेट काउंटर टेररिज्म कमांड के प्रमुख कमांडर डोमिनिक मर्फी ने बताया कि जांच अभी शुरूआती चरण में है। हम इस मामले से जुड़े संभावित मकसद को समझने और जनता के लिए किसी भी अतिरिक्त खतरे की पहचान करने के लिए कई दिशाओं में जांच कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हम उन क्षेत्रों में स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, जहां हमने आज गिरफ्तारियां की हैं। मैं देश भर के पुलिस सहयोगियों को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने एक अलग बयान में कहा कि उसी दिन एक अन्य आतंकवाद-रोधी जांच के तहत लंदन में तीन अन्य ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। ये गिरफ्तारियां पहले पकड़े गए पांच लोगों से संबंधित नहीं हैं। तीनों अभी हिरासत में हैं और ऑपरेशन के सिलसिले में तीन अलग-अलग ठिकानों पर तलाशी चल रही है।

ऑपरेशन की संवेदनशीलता के कारण पुलिस संदिग्ध साजिश के बारे में विस्तृत जानकारी देने से बच रही है।

2022 से अब तक ब्रिटिश अधिकारियों ने 20 से अधिक ऐसी साजिशों को नाकाम करने की बात कही है और स्वीडन स्थित एक आपराधिक नेटवर्क पर प्रतिबंध लगाया है, जिसका कथित तौर पर ईरान से संबंध है। इस समूह पर यूरोप में इजरायली और यहूदी हितों को निशाना बनाने का आरोप है।

आतंक की फैक्ट्री : कश्मीर ही नहीं यूरोप और इस्लामिक देश भी झेल रहे पाकिस्तान में निर्मित आतंकवाद की मार

■ **बीएनटी न्यूज**

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में यह स्वीकार किया कि आतंकवादियों को पनाह देने और अपनी धरती पर आतंकी कारखानों को प्रायोजित करने में इस्लामाबाद की भूमिका है। यह कबूलनामा न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि इससे पाकिस्तान की 'बेशर्म' आतंकी साजिशों और आतंकी गतिविधियों का भी खुलासा हुआ, जो सिर्फ कश्मीर तक ही सीमित नहीं है, इस्लामिक देशों, मध्य-पूर्व और यूरोप तक भी पहुंच गई है।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने खुले तौर पर कबूल किया कि देश का आतंकवादी संगठनों को समर्थन देने का इतिहास रहा है। उन्होंने कहा, 'हम पिछले तीन दशकों से पश्चिम और ब्रिटेन सहित अमेरिका के लिए यह गंदा काम कर रहे हैं।'

कश्मीर के पहलगाम में हुए खूनखराबे का एक महत्वपूर्ण संबंध पाकिस्तान से जुड़ता दिख रहा है। हाशिम मूसा, जो पहले पाकिस्तानी सेना में सेवा दे चुका है, बैसरन घाटी के मुख्य हमलावरों में से एक पाया गया।

मूसा को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। वह पाकिस्तान के विशेष सेवा समूह में पैरा कमांडो रह चुका है और बाद में भारत में आतंकी हमले करने के लिए लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) में शामिल हो गया था।

कई सालों से पाकिस्तान अपनी धरती का इस्तेमाल सीमा पार आतंकवाद, उग्रवाद और चरमपंथी विचारधारा के लिए लॉन्चपैड के रूप में करता रहा है। आतंकवाद को प्रायोजित करने, उसे पनाह देने और निर्यात करने में इसका ट्रैक रिकॉर्ड दुनिया में सबसे खराब हैं ।

2018 में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने भी लश्कर-ए-तैयबा द्वारा किए गए 2008 के मुंबई हमलों में पाकिस्तानी सरकार की भूमिका को स्वीकार किया था। पूर्व पाकिस्तानी सेना जनरल परवेज मुशर्रफ ने भी माना था कि उनकी सेना ने कश्मीर में भारत से लड़ने के लिए आतंकवादी समूहों को

प्रशिक्षित किया।

पाकिस्तान किस तरह वैश्विक स्तर पर आतंकवाद का निर्यात कर रहा है?

अफगानिस्तानः तालिबान और हक्कानी नेटवर्क के हमले :

अफगान नागरिकों, सरकारी ठिकानों और अंतरराष्ट्रीय बलों पर कई घातक हमलों के पीछे पाक-आधारित आतंकवादी समूहों को मुख्य साजिशकर्ता पाया गया। इनमें 2008 में काबुल में भारतीय दूतावास पर बम विस्फोट और 2011 में काबुल में अमेरिकी दूतावास पर हमला शामिल है।

पाकिस्तान की आईएसआई (इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस) को अफगान तालिबान और हक्कानी नेटवर्क का समर्थन करने, उन्हें धन, प्रशिक्षण और सुरक्षित पनाहगाह प्रदान करने के रूप में व्यापक रूप से दर्ज किया गया।

काबुल में भारतीय दूतावास पर बमबारी में इसकी भूमिका का भी वरिष्ठ पत्रकार कार्लोटा गैल ने अपनी किताब में उल्लेख किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है, 'दूतावास पर बमबारी कोई दुष्ट आईएसआई एजेंटों की तरफ से खुद से किया गया ऑपरेशन नहीं था। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के सबसे वरिष्ठ अधिकारियों की तरफ से इसकी मंजूरी दी गई थी और इसकी निगरानी की गई थी।'

ईरानः जैश उल-अदल हमले :

पाकिस्तान स्थित सुन्नी चरमपंथी समूह जैश उल-अदल ने सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में ईरानी सुरक्षा बलों पर बार-बार हमला किया। जवाब में, ईरान ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में मिसाइल और ड्रोन हमले किए। तेहरान ने दावा किया कि उसने जैश उल-अदल के ठिकानों को निशाना बनाया

ईरान ने बार-बार पाकिस्तान पर सीमा पार हमले करने वाले सुन्नी आतंकवादियों को पनाह देने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया है।

मॉस्को कॉन्सर्ट हॉल हमला (2024) :

अप्रैल में मॉस्को आतंकी हमले की जांच में पाकिस्तान लिंक सामने आया। रूसी अधिकारियों ने मास्टरमाइंड की पहचान ताजिक नागरिक के रूप में की और वे उसके पाकिस्तान से संबंधों की जांच कर रहे हैं। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि हमलावरों को पाकिस्तानी नेटवर्क से रसद या वैचारिक समर्थन मिल सकता है।

यूनाइटेड किंगडमः 2005 लंदन बम विस्फोट

7 जुलाई को लंदन में हुए बम विस्फोट को चार ब्रिटिश इस्लामी आतंकवादियों ने अंजाम दिया था, हमलावरों में से तीन – मोहम्मद सिद्दीक खान, शहजाद तनवीर और जर्मेन लिंडसे ने 2003 से 2005 के बीच पाकिस्तान में समय बिताया था, जहां उन्होंने आतंकी प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

ओसामा बिन लादेन के खात्मे ने किया पाकिस्तान को वैश्विक स्तर पर बेनकाब :

2011 में अमेरिका ने एबटाबाद में अलकायदा नेता ओसामा बिन लादेन को मार दिया। ये अमेरिकी कार्रवाई पाकिस्तान के चेहरे पर सबसे बड़ा दाग है।

बिन लादेन पाकिस्तान की सैन्य अकादमी के पास एक परिसर में वर्षों तक बिना किसी पहचान के रहा, जिससे पाकिस्तान सरकार के संरक्षण और कथित मिलीभगत की पुष्टि हुई।

एसएटी ने सेबी के आदेश पर रोक लगाने की जेनसोल की याचिका खारिज की

■ बीएनटी न्यूज

प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (एसएटी) ने जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें सेबी के अंतरिम आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी।

इस आदेश में फंड डायवर्जन और गवर्नेंस से जुड़ी चिंताओं के मुद्दे पर जेनसोल और इसके प्रमोटर अनमोल सिंह जग्गी तथा पुनीत सिंह जग्गी पर रोक लगाई गई थी।

अपीलीय न्यायाधिकरण न्यायमूर्ति पीएस. दिनेश कुमार और तकनीकी सदस्य मीरा स्वरूप की पीठ ने कंपनी को अस्थायी एकपक्षीय आदेश पर भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को जवाब देने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है और बाजार नियामक को चार सप्ताह के भीतर जेनसोल के मामले में अंतिम आदेश देने का निर्देश दिया है।

सेबी ने 15 अप्रैल को एक विस्तृत अंतरिम आदेश जारी किया, जिसमें दिखाया गया कि जेनसोल में क्या गलत हुआ।

आदेश में कहा गया कि जग्गी बंधुओं सहित जेनसोल के प्रमोटर्स ने कंपनी को अपने निजी 'गुल्लक' की तरह इस्तेमाल किया। कोई उचित वित्तीय नियंत्रण नहीं था और प्रमोटर्स ने लोन राशि को खुद या संबंधित संस्थाओं में डायवर्ट कर दिया था।

जेनसोल ने वित्त वर्ष 2022 और वित्त वर्ष 2024 के बीच भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) और पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) लिमिटेड से 977.75 करोड़ रुपए का लोन प्राप्त किया था। इसमें से 663.89 करोड़ रुपए विशेष रूप से 6,400 ईवी की खरीद के लिए थे। हालांकि, कंपनी ने केवल 4,704 वाहन खरीदने की बात स्वीकार की, जिसकी कीमत 567.73 करोड़ रुपए थी, जैसा कि आपूर्तिकर्ता गो-ऑटो द्वारा सत्यापित किया गया है।

सेबी की जांच रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि उसे पुणे में जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्लांट में 'कोई विनिर्माण गतिविधि' नहीं मिली, साइट पर केवल दो से तीन मजदूर मौजूद थे, जो खुद एक लीज पर दी गई संपत्ति थी।

ऑल-इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) ऐप ब्लूस्मार्ट की मूल कंपनी जेनसोल ने अपने दो ऋणदाताओं, पीएफसी और आईआरईडीए, से जाली पत्र बनाए, ताकि यह दिखाया जा सके कि वह नियमित रूप से अपने लोन का भुगतान कर रही थी। हालांकि, जब क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने ऋणदाताओं के साथ पत्रों की जांच शुरू की तो यह दावा उजागर हो गया। इस बीच, सरकारी स्वामित्व वाली पीएफसी ने इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए लोन लेने के लिए झूठे दस्तावेज दाखिल करने के लिए जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

भारत ने पाकिस्तान से सभी आयात पर लगाया प्रतिबंध

■ बीएनटी न्यूज

भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पड़ोसी देश के साथ बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान से सभी प्रकार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है।

वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, 'पाकिस्तान में उत्पन्न या वहां से निर्यातित सभी वस्तुओं का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन, चाहे वे स्वतंत्र रूप से आयात योग्य हों या अन्यथा अनुमत हों, तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक प्रतिबंधित रहेगा।'

अधिसूचना में कहा गया, 'यह प्रतिबंध राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक नीति के हित में लगाया गया है। इस प्रतिबंध में किसी भी अपवाद के लिए भारत सरकार की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी।'

2 मई की अधिसूचना में कहा गया कि इस संबंध में विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2023 में एक प्रावधान जोड़ा गया है, ताकि 'पाकिस्तान में उत्पन्न या वहां से निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन पर रोक लगाई जा सके।'

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2024 और फरवरी 2025 के बीच भारत का पाकिस्तान को निर्यात [साल-दर-साल] 56.91 प्रतिशत घटकर 491 मिलियन डॉलर रह गया। जबकि कोई आयात नहीं हुआ।

वित्त वर्ष 2025 में पाकिस्तान को किए गए शीर्ष निर्यात में ड्रग फॉर्मूलेशन, चीनी, थोक दवाएं, अवशिष्ट रसायन और ऑटो घटक शामिल थे।

पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच एकमात्र व्यापार मार्ग अटारी-वाघा सीमा को पहले ही बंद कर दिया गया था।

इस बीच मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष सहित बहुपक्षीय एजेंसियों से पाकिस्तान को दिए गए धन और ऋण पर फिर से विचार करने के लिए कहेगा। साथ ही वैश्विक धन शोधन निरोधक एजेंसी, वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) से इस्लामाबाद को 'ग्रे' सूची में डालने की अपील की जाएगी।

एक सरकारी सूत्र ने कहा कि भारत, दिवालियापन से बचने में मदद के लिए हाल के महीनों में आईएमएफ की ओर से पाकिस्तान को दी गई सुविधाओं की समीक्षा की मांग करेगा। वह परियोजनाओं को फंड देने वाली विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक जैसी अन्य एजेंसियों के साथ भी संपर्क में है।

पाकिस्तान गहरे आर्थिक संकट से गुजर रहा है। वह पूरी तरह से विदेशी कर्ज पर निर्भर है। अगर पाकिस्तान को मिलने वाली विदेशी आर्थिक मदद को रोक दिया जाए या मुश्किल बना दिया जाए तो उसके लिए अपने वजूद को बचाना ही सबसे बड़ा सवाल बन जाएगा।

बता दें आतंकियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल - पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में लोगों (ज्यादातर पर्यटक) पर गोलियां चला दी थीं। हमले में 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। प्रतिबंधित आतंकवादी समूह 'लश्कर-ए-तैयबा' से जुड़े 'टीआरएफ' ने इस हमले की जिम्मेदारी ली।

पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। नई दिल्ली ने इस्लामाबाद के खिलाफ कई सख्त कूटनीतिक और रणनीतिक कदम उठाए हैं। इनमें 1960 के सिंधु जल समझौते को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने, अटारी इंटिग्रेटेड चेक पोस्ट को बंद करने, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने, शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प ने भारत को ग्लोबल डिजिटल लीडर में बदल दिया : ज्योतिरादित्य सिंधिया

■ बीएनटी न्यूज

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साहसिक दृष्टिकोण और अटूट संकल्प ने आकांक्षाओं को इंफ्रास्ट्रक्चर और नीतियों को प्रगति में बदलते हुए भारत को डिजिटल फॉलोअर से ग्लोबल डिजिटल लीडर में बदल दिया है।

राष्ट्रीय राजधानी में 'भारत टेलीकॉम 2025' का उद्घाटन करने के बाद केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि 'भारत टेलीकॉम' केवल एक सम्मेलन नहीं है। यह इनोवेशन, सहयोग और समावेशी विकास के माध्यम से वैश्विक कनेक्टिविटी के भविष्य को आकार देने की भारत की आकांक्षा को दिखाता है।

'भारत टेलीकॉम 2025' में 35 से अधिक देशों के 130 से अधिक विदेशी प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

भारत की निर्यात क्षमता पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय मंत्री ने उपस्थित लोगों से कहा, 'जब विचार, इनोवेशन और इरादे एक साथ आते हैं, तो वे कर्कश ध्वनि नहीं एक संगीत रचना बनाते हैं और 'भारत टेलीकॉम' वैश्विक सहयोग और अवसर की सिम्फनी है।'

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा, 'हम सिर्फ गांवों को नहीं जोड़ रहे हैं, हम भविष्य को जोड़ रहे हैं। हम जो भी टावर लगाते हैं, जो भी बाइट हम ट्रांसमिट करते हैं, वह 1.4 बिलियन लोगों को अवसर के करीब लाता है।'

उन्होंने जोर देकर कहा, 'सिर्फ 22 महीनों में, हमने अपने 99 प्रतिशत गांवों को 5जी से जोड़ दिया और 82 प्रतिशत आबादी को नेटवर्क से जोड़ दिया है, 4,70,000 टावर लगाए हैं। यह विकास नहीं है। यह एक दूरसंचार क्रांति है।'

केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि हमने पूरे भारत में जो डिजिटल हाईवे बनाया है, वह सिर्फ संचार के बारे में नहीं है। यह इंफ्रास्ट्रक्चर का इंफ्रास्ट्रक्चर है, जो 1.4 बिलियन नागरिकों को स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, शासन और आर्थिक अवसर तक पहुंच प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि भारत ने न केवल 4जी और 5जी जैसे क्षेत्रों में दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाया है, बल्कि अब वह इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिसमें व्यापक सुधार और टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन देश की प्रगति को आकार दे रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने भारत के दूरसंचार क्षेत्र की भूमिका को एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में रेखांकित किया और 1990 के दशक में महंगे, सीमित मोबाइल एक्सेस से लेकर अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा दूरसंचार बाजार और सबसे सस्ता डेटा प्रदाता बनने तक के देश के विकास का वर्णन किया।

इस कार्यक्रम में संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि किसी देश की यात्रा में ऐसे क्षण आते हैं, जब वह न केवल वैश्विक बातचीत में भाग लेता है, बल्कि उनका मार्ग भी निर्धारित करता है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत वैश्विक दूरसंचार क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जो उपभोक्ता से टेक्नोलॉजी के निर्माता के रूप में विकसित हो रहा है।

टीईपीसी के अध्यक्ष अर्णब रॉय ने कहा कि 'भारत टेलीकॉम' स्वदेशी टेलीकॉम इकोसिस्टम की परिवर्तनकारी शक्ति को प्रदर्शित करता है, जो वैश्विक दूरसंचार उद्योग में इसके विकास और इनोवेशन को उजागर करता है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है

■ बीएनटी न्यूज

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि गेल (इंडिया) लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 में अपने स्टार्टअप निवेश कोष को 100 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 500 करोड़ रुपए कर दिया है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में स्टार्टअप क्रांति आई है।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने बताया, 'देश, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है। गेल (इंडिया) लिमिटेड की स्टार्टअप पहल 'पंख' युवाओं के स्टार्टअप को नई उड़ान दे रही है। यह ऊर्जा के क्षेत्र में इनोवेशन को बढ़ावा देकर देश की ऊर्जा शक्ति को मजबूत कर रही है।'

केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सरकारी स्वामित्व वाली ऊर्जा निगम ने स्टार्टअप निवेश कोष को 100 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 500 करोड़ रुपए कर दिया है। केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा, 'गेल प्राकृतिक गैस, पाइपलाइन, पेट्रोकेमिकल, ऊर्जा, रिन्यूएबल एनर्जी, ऊर्जा भंडारण आदि से संबंधित 38 स्टार्टअप का समर्थन कर रहा है। इन स्टार्टअप ने पिछले तीन वर्षों में लगभग 1,000 नौकरियां पैदा की हैं।'

केंद्रीय मंत्री ने हाल ही में बताया कि भारत में छह तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने अपने 550 करोड़ रुपए के स्टार्टअप फंड से 290 करोड़ रुपए का निवेश किया है और 303 स्टार्टअप का पोषण हुआ है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने आगे कहा कि देश में 1.5 लाख से अधिक स्टार्टअप और 120 यूनिकॉर्न हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया, 'इस शानदार प्रगति में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस के तहत 6 तेल विपणन कंपनियों ने योगदान दिया है, जिन्होंने 550 करोड़ रुपए का स्टार्टअप फंड बनाया है। पहले ही 303 स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए 290 करोड़ रुपए का निवेश किया जा चुका है।'

केंद्रीय मंत्री के अनुसार, यह वास्तविक सशक्तीकरण, वास्तविक प्रभाव और प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व द्वारा सक्षम भविष्य के लिए एक वास्तविक दृष्टि है।

सरकार ने केंद्रीय बजट 2025-26 में 10,000 करोड़ रुपए के फंड ऑफ फंड्स स्कीम के माध्यम से डीपटेक और एआई-सक्षम प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए पर्याप्त आवंटन किया है।

भारत-यूके एफटीए से एआई और स्किलिंग को मिलेगा बढ़ावा: इंडस्ट्री

■ बीएनटी न्यूज

मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) ब्रिटेन को एआई के क्षेत्र में अपनी महत्वाकांक्षाओं को प्राप्त करने के लिए अपने छात्रों और प्रतिभाओं के लिए भारत को एक प्रमुख गंतव्य के रूप में मान्यता देगा, यह जानकारी इंडस्ट्री लीडर्स की ओर से दी गई।

भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार समझौता ऐतिहासिक है। इससे दोनों देशों के बीच साझेदारी में बढ़ोतरी होगी।

सीआईआई यूके इंडिया बिजनेस फोरम के अध्यक्ष केशव मुरुगेश ने कहा, 'इस समझौते से तत्काल आर्थिक लाभ मिलेगा। इससे वस्तुओं,सेवाओं और विशेष रूप से टेक्नोलॉजी के व्यापार में वृद्धि होगी। एआई जैसे प्रमुख क्षेत्रों में औपचारिक साझेदारी इनोवेशन को बढ़ावा देगी और उच्च कौशल वाली नौकरियों का सृजन करेगी। इस एआई के क्षेत्र में वैश्विक लीडर्स के रूप में यूके और भारत की स्थिति को मजबूत करेगी।'

उन्होंने आगे कहा कि यह एफटीए विशेष रूप से छात्रों और टेक्नोलॉजी पेशेवरों के लिए डीपटेक और कौशल में गहन सहयोग के लिए एक स्प्रिंगबोर्ड के रूप में काम करेगा। इस साझेदारी की दीर्घकालिक क्षमता बहुत अधिक है।

आईईएसए और सेमी इंडिया के अध्यक्ष अशोक चांडक ने कहा कि एफटीए वैश्विक स्तर पर भारत की छवि और व्यापार के अवसरों को बढ़ाएगा।

इससे सर्विस सेक्टर को भी काफी फायदा होगा। ब्रिटेन की डिजाइन क्षमता और भारत की इंजीनियरिंग प्रतिभा के जरिए ज्वाइंट रिसर्च एवं डेवलपमेंट और पार्टनरशिप से डिजाइन, परीक्षण और एम्बेडेड सॉफ्टवेयर में वृद्धि होगी। इससे स्टार्टअप और इनोवेटर्स को मदद मिलेगी।

चांडक के मुताबिक, 'कंपोनेंट, कच्चे माल और पूंजीगत उपकरणों पर टैरिफ घटने से उत्पादन लागत में कमी आएगी और 'मेड इन इंडिया' को सपोर्ट मिलेगा।'

भारत-ब्रिटेन एफटीए से देश से यूके होने वाले 99 प्रतिशत निर्यात पर जीरो शुल्क लगेगा। इसके बदले में भारत धीरे-धीरे ब्रिटेन के 90 प्रतिशत सामानों से शुल्क हटा देगा और अगले दशक में 85 प्रतिशत सामान टैरिफ मुक्त हो जाएंगे।

माना जा रहा है कि इस समझौते से आने वाले वर्षों में दोनों देश के बीच व्यापार 60 अरब डॉलर से दोगुना होकर 120 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

ग्रीनलाइन ने ग्रीन लॉजिस्टिक्स को बढ़ाने के लिए श्रीराम फाइनेंस के साथ की साझेदारी

■ बीएनटी न्यूज

ग्रीनलाइन मोबिलिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने पुणे के चाकन में एलएनजी-पावर्ड ट्रकों के एक नए बेड़े को हरी झंडी दिखाई। इस तैनाती को भारत की सबसे बड़ी एनबीएफसी में से एक श्रीराम समूह की कंपनी श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड का समर्थन प्राप्त है।

ग्रीनलाइन मोबिलिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड, एस्सार वेंचर और भारत एलएनजी एंड इलेक्ट्रिक-पावर्ड हेवी कमर्शियल ट्रक का एकमात्र ग्रीन लॉजिस्टिक्स ऑपरेटर है।

ग्रीनलाइन भारत के कम कार्बन लॉजिस्टिक्स परिवर्तन का नेतृत्व करना जारी रखे हुए है। इसके 650 से अधिक एलएनजी ट्रकों का मौजूदा बेड़ा एफएमसीजी एंड ई-कॉमर्स, मेटल एंड माइनिंग, सीमेंट, ऑयल एंड गैस और केमिकल जैसे सेक्टर की प्रमुख कंपनियों को सेवा प्रदान करता है।

यह बेड़ा पहले ही 40 मिलियन किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर चुका है, जिससे कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में 10,000 टन से अधिक की कमी आई है।

कंपनी 10,000 से ज्यादा एलएनजी और ईवी ट्रक तैनात करने की योजना बना रही है, जिसे 100 एलएनजी ईंधन भरने वाले स्टेशनों, ईवी चार्जिंग स्टेशनों और बैटरी स्वैपिंग सुविधाओं के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क से सहायता मिलेगी। इस व्यापक पहल का लक्ष्य सालाना 1 मिलियन टन तक कार्बन उत्सर्जन कम करना है।

यह साझेदारी भारत के परिवहन क्षेत्र को कार्बन मुक्त करने के ग्रीनलाइन के चल रहे मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो देश के कुल कार्बन उत्सर्जन में लगभग 15

प्रतिशत का योगदान देता है।

वर्तमान में 4 मिलियन से ज्यादा ट्रक परिचालन में हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। इसी के साथ भारत का सड़क लॉजिस्टिक्स क्षेत्र इसके सबसे ज्यादा कार्बन-इंटेंसिव इंडस्ट्री में से एक बना हुआ है।

'ग्रीनलाइन' ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के सरकार के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ स्वच्छ और सस्टेनेबल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए हेवी-ड्यूटी व्हीकल (एचडीवी) के बेड़े को एलएनजी और ईवी ट्रकों में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्रीराम फाइनेंस के समर्थन से, इन वाहनों की तैनाती तेज और ज्यादा कुशल है, जिससे देश भर के व्यवसायों के लिए ग्रीन लॉजिस्टिक्स ज्यादा वित्तीय रूप से सुलभ हो गया है।

ग्रीनलाइन मोबिलिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड के सीईओ आनंद मिमानी ने कहा, 'श्रीराम फाइनेंस द्वारा समर्थित बेड़े का विस्तार, सस्टेनेबल, हाई-परफॉर्मेंस सॉल्यूशन के साथ भारत के लॉजिस्टिक्स को बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'

उन्होंने आगे कहा, 'ब्लू एनर्जी मोटर्स (बीईएम) द्वारा निर्मित ट्रक, लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को डीकार्बोनाइज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और हरित भविष्य के लिए हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। एलएनजी और अन्य वैकल्पिक ईंधनों में बढ़ते निवेश के साथ, हम भारत के कार्बन पदचिह्न को कम करने की दिशा में ठोस प्रगति देख रहे हैं।'

ग्रीनलाइन मोबिलिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड की सीएफओ शरवरी प्रभु ने कहा, 'जैसे-जैसे हम अपने एलएनजी बेड़े का विस्तार करते हैं, रणनीतिक वित्तीय सहायता की भूमिका तेजी से महत्वपूर्ण होती जाती है। श्रीराम फाइनेंस की भागीदारी हमें भारत के व्यापक डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों का समर्थन करते हुए पारंपरिक ट्रकिंग के लिए व्यवहार्य हरित विकल्प प्रदान करने में मदद करती है।'

श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक जी.एम. जिलानी ने कहा, 'हम ग्रीनलाइन मोबिलिटी सॉल्यूशंस को एलएनजी-पावर्ड ट्रकों को जोड़ने और उनके ग्रीन फ्लीट के विस्तार के लिए बधाई देते हैं। यह सस्टेनेबल लॉजिस्टिक्स के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। श्रीराम फाइनेंस में, हम इस दूरदर्शी पहल का समर्थन करने पर गर्व महसूस करते हैं, जो जिम्मेदार फाइनेंसिंग और पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है।'

उन्होंने आगे कहा, 'यह साझेदारी क्लीनर फ्यूल टेक्नोलॉजी में हमारे पहले निवेश के रूप में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से परे हमारे ग्रीन फाइनेंसिंग का विस्तार करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है और परिवहन इकोसिस्टम में सार्थक बदलाव लाने के हमारे संकल्प को रेखांकित करता है। हम सकारात्मक बदलाव लाने, सस्टेनेबल पहलों को गति देने और परिवहन क्षेत्र में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार विकास का समर्थन करने के लिए समर्पित हैं।'

ग्रीनलाइन के एलएनजी-संचालित ट्रक ब्लू एनर्जी मोटर्स (बीईएम) द्वारा निर्मित किए जाते हैं। बीईएम एलएनजी-संचालित ट्रकों का एक अग्रणी निर्माता है, जो लॉजिस्टिक्स उद्योग के लिए इनोवेटिव सॉल्यूशन प्रदान करता है। इसकी कटिंग-एज टेक्नोलॉजी भारत के परिवहन क्षेत्र में परिचालन दक्षता और सस्टेनेबिलिटी को बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई है।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन रहा भारत, बर्बादी की कगार पर पाकिस्तान

■ बीएनटी न्यूज

'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की। भारत ने नौ आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की और पहलगाम आतंकी हमले का बदला ले लिया। भारत की कार्रवाई से पाकिस्तान सहमा हुआ है। वहीं, पाकिस्तान शेयर बाजार में भी 'हाहाकार' मच गया।

इसी बीच सैन्य के साथ ही आर्थिक मोर्चे पर भी पाकिस्तान की हालत फिसड्डी होती जा रही है।

दरअसल, एक साथ आजाद हुए दोनों देशों के बीच वर्तमान समय में बहुत बड़ा अंतर है। एक तरफ भारत जो समृद्धि के नए आयाम लिख रहा है और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। वहीं, पाकिस्तान आतंक का अड्डा बना हुआ है।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। विश्व बैंक के 2024 के आंकड़े को देखें तो भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 3.88 ट्रिलियन डॉलर के करीब है, जो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था (केवल 0.37 ट्रिलियन डॉलर) के आकार से 10 गुना अधिक है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में जापान को पछाड़कर भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है और चालू वर्ष में जीडीपी का आकार 4.187 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है।

अर्थव्यवस्था के सभी पैमानों पर भारत अपने पड़ोसी पाकिस्तान से मीलों आगे है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 688 अरब डॉलर पर है। वहीं, पाकिस्तान के पास केवल 15 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है और आर्थिक पतन की कगार पर है। साथ ही, वह आईएमएफ से भी लोन मांग रहा है।

स्वतंत्रता के बाद के शुरूआती वर्षों में अमेरिकी सहायता और तेल समृद्ध इस्लामी देशों से प्राप्त डोनेशन से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भारत के समान ही बढ़ी थी।

दूसरी ओर लोकतांत्रिक भारत ने आर्थिक विकास और लोगों को गरीबी से बाहर निकालने पर अपना ध्यान केंद्रित रखा।

वहीं, पाकिस्तान में खूनी तख्तापलट और सैन्य तानाशाही देखी गई, जहां सेना के जनरल अभी भी फैसले ले रहे हैं और भारत के खिलाफ दुश्मनी को बढ़ावा दे रहे हैं।

पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद का प्रशिक्षण और पोषण इस साजिश का एक प्रमुख हिस्सा है।

पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान तनाव पर मूडीज ने कहा था कि इससे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ सकता है।

रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत के साथ तकरार पाकिस्तान के लिए बाहरी वित्त पोषण तक पहुंच को बाधित कर सकती है। इसके अलावा, पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव भी आ सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, तुलनात्मक रूप से भारत में व्यापक आर्थिक स्थितियां स्थिर रहेंगी, मजबूत सार्वजनिक निवेश और स्वस्थ निजी उपभोग के बीच विकास को मध्यम लेकिन अभी भी उच्च स्तर से बल मिलेगा।

पीएनबी ने चौथी तिमाही में 51.7 प्रतिशत के उछाल के साथ 4,567 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ किया दर्ज

■ बीएनटी न्यूज

सरकारी स्वामित्व वाले पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने वित्त वर्ष 2025 की जनवरी-मार्च तिमाही के लिए 4,567 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 3,010 करोड़ रुपए के आंकड़े से 51.7 प्रतिशत अधिक है।

पीएनबी ने वित्त वर्ष 2025 के लिए 2.90 रुपए प्रति इक्विटी शेयर का लाभांश घोषित किया है।

जमा पर दिए गए ब्याज और ऋण पर अर्जित ब्याज के बीच का अंतर, बैंक की शुद्ध ब्याज आय चौथी तिमाही के लिए 4 प्रतिशत बढ़कर 10,757 करोड़ रुपए हो गई।

पीएनबी बोर्ड ने वित्त वर्ष 2025 के लिए 2 रुपए अंकित मूल्य के प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 2.90 रुपए का लाभांश देने की सिफारिश की है।

लाभांश बैंक की आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है।

सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता की परिसंपत्ति गुणवत्ता जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान बेहतर हुई, जिसमें ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स पिछली तिमाही के 4.09 प्रतिशत से घटकर 3.95 प्रतिशत हो गई।

चौथी तिमाही के दौरान नेट नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स मामूली रूप से घटकर 0.41 प्रतिशत रह गई, जो तीसरी तिमाही में 0.4 प्रतिशत थी।

पीएनबी बोर्ड ने बेसल क्कक अनुपालन बॉन्ड जारी कर 8,000 करोड़ रुपए की नई फंडिंग जुटाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी।

इसमें 4,000 करोड़ रुपए तक के अतिरिक्त टियर-क बॉन्ड और 4,000 करोड़ रुपए तक के टियर-क्क बॉन्ड शामिल हैं, जिन्हें वित्त वर्ष 2026 के दौरान एक या अधिक किस्तों में जुटाया जाएगा।

पीएनबी का वैश्विक कारोबार वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 14.03 प्रतिशत बढ़कर 26,83,260 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 23,53,038 करोड़ रुपए था। वैश्विक जमा राशियों में सालाना आधार पर 14.38 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो मार्च 2025 तक 15,66,623 करोड़ रुपए हो गई, जो मार्च 2024 तक 13,69,713 करोड़ रुपए थी।

ग्लोबल एडवांस 9,83,325 करोड़ रुपए से 13.56 प्रतिशत बढ़कर 11,16,637 करोड़ रुपए हो गया।

भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता संपन्न, द्विपक्षीय साझेदारी को मिलेगी नई गति

■ बीएनटी न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के पीएम सर कीर स्टार्मर के बीच फोन पर बातचीत हुई, जिसमें दोनों नेताओं ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन के सफल समझौते का स्वागत किया। यह समझौता दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को एक नया ऐतिहासिक मुकाम देगा।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने इस समझौते को ऐतिहासिक उपलब्धि करार दिया, जो व्यापार, निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन को गति देने के साथ-साथ दोनों अर्थव्यवस्थाओं को और मजबूती प्रदान करेगा। यह समझौता दो बड़ी और खुले बाजार वाली अर्थव्यवस्थाओं के बीच कारोबारी अवसरों को नया आयाम देगा, आर्थिक संबंधों को मजबूत करेगा और लोगों के बीच संबंधों को और गहरा बनाएगा।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं के साथ व्यापारिक बाधाएं कम करना और सहयोग को बढ़ावा देना, उनके 'प्लान फॉर चेंज' का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को अधिक सशक्त और सुरक्षित बनाया जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, 'मेरे मित्र, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से बात करके खुशी हुई। एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, भारत और ब्रिटेन ने एक महत्वाकांक्षी और परस्पर लाभकारी 'मुक्त व्यापार समझौते' और डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन को सफलतापूर्वक संपन्न किया है। ये समझौते हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे तथा व्यापार, निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन को बढ़ावा देंगे। मैं जल्द ही प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर का भारत में स्वागत करने की आशा करता हूं।'

दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंधों का विस्तार, द्विपक्षीय साझेदारी का एक महत्वपूर्ण आधार बना रहेगा। यह समझौता वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को शामिल करते हुए संतुलित, न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी है, जो द्विपक्षीय व्यापार को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा, रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा, जीवन स्तर में सुधार करेगा और नागरिकों की समग्र भलाई को सुनिश्चित करेगा।

यह समझौता दोनों देशों को वैश्विक बाजारों के लिए संयुक्त रूप से उत्पाद और सेवाएं विकसित करने की नई संभावनाएं भी प्रदान करेगा। इसके साथ ही, यह भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी की मजबूत नींव को और पुख्ता करता है तथा सहयोग और समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत करता है।

पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री स्टारमर को भारत आने का निमंत्रण दिया। दोनों नेताओं ने नियमित संपर्क में बने रहने पर सहमति जताई।

कैबिनेट ने पावर सेक्टर में कोयला आवंटन के लिए संशोधित 'शक्ति' पॉलिसी को दी मंजूरी

■ बीएनटी न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने संशोधित 'शक्ति' नीति के अंतर्गत केंद्रीय क्षेत्र, राज्य क्षेत्र और स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों (आईपीपी) के ताप विद्युत संयंत्रों को नए कोयला लिंकेज प्रदान करने की मंजूरी दी।

आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस मंजूरी के तहत कोयला लिंकेज को 'विंडो-क' में अधिसूचित कीमत पर केंद्रीय और राज्यों को दिया जाता है। वहीं, कोयला लिंकेज को 'विंडो-क्क' में अधिसूचित कीमत से प्रीमियम पर उत्पादन इकाइयों (जेनको) को दिया जाता है।

बयान में कहा गया है कि विंडो-क में संयुक्त उद्यमों (जेवी) और उनकी सहायक कंपनियों सहित केंद्रीय क्षेत्र की ताप विद्युत परियोजनाओं (टीपीपी) को कोयला लिंकेज प्रदान करने की मौजूदा व्यवस्था जारी रहेगी।

विद्युत मंत्रालय की सिफारिश पर, मौजूदा तंत्र के अनुसार राज्यों और राज्यों के समूह द्वारा अधिकृत एजेंसी को कोयला लिंकेज निर्धारित किए जाएंगे। राज्यों को निर्धारित कोयला लिंकेज का उपयोग राज्य अपने स्वयं के जेनको, टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) के माध्यम से पहचाने जाने वाले स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों (आईपीपी) या विद्युत कानून, 2003 की धारा 62 के तहत विद्युत खरीद समझौता (पीपीए) वाले मौजूदा आईपीपी द्वारा धारा 62 के तहत पीपीए वाली नई विस्तार इकाई की स्थापना के लिए कर सकते हैं।

वहीं, विंडो-क्क जहां अधिसूचित कीमत से अधिक पर कोयला लिंकेज प्रदान किए जाते हैं। कोई भी घरेलू कोयला आधारित विद्युत उत्पादक जिसके पास पीपीए है या आयातित कोयला आधारित विद्युत संयंत्र अधिसूचित मूल्य से अधिक प्रीमियम का भुगतान करके 12 महीने तक की अवधि के लिए या 12 महीने से अधिक की अवधि से लेकर 25 वर्ष तक की अवधि के लिए नीलामी के आधार पर कोयला प्राप्त कर सकता है और विद्युत संयंत्रों को अपनी पसंद के अनुसार विद्युत बेचने की सुविधा प्रदान कर सकता है।

सरकारी बयान में बताया गया कि लिए गए निर्णयों को लागू करने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), सिंगरैनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) को निर्देश जारी किए जाएंगे।

इसके अलावा, संबंधित मंत्रालयों और सभी राज्यों को भी संशोधित शक्ति नीति से अवगत कराया जाएगा, जिससे संबंधित विभागों/प्राधिकरणों और नियामक आयोगों को भी इसके बारे में बताया जा सके।

व्यापार करने में आसानी की भावना से संशोधित शक्ति नीति की शुरुआत के साथ कोयला आवंटन के लिए मौजूदा आठ पैरा को केवल दो विंडो में मैप किया गया है।

संशोधित शक्ति नीति विद्युत संयंत्रों को दीर्घकालिक और अल्पकालिक मांग के आधार पर अपनी कोयला आवश्यकता को पूरा करने की योजना बनाने में सक्षम बनाएगी।

बंपर जीएसटी कलेक्शन भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का परिचायक

■ बीएनटी न्यूज

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन में दहाई अंकों की वृद्धि दर के लिए सभी करदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है।

निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि अप्रैल 2025 में सकल जीएसटी संग्रह 2.36 लाख करोड़ रुपए रहा, जो अप्रैल 2024 के 2.10 लाख करोड़ रुपए के सकल संग्रह से 12.6 प्रतिशत अधिक है। इसी प्रकार, अप्रैल 2025 में शुद्ध जीएसटी संग्रह 2.09 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जो अप्रैल 2024 के 1.92 लाख करोड़ रुपए के शुद्ध संग्रह की तुलना में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

उन्होंने जीएसटी संग्रह में जबरदस्त वृद्धि की तारीफ करते हुए कहा, 'ये आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और सहकारी संघवाद की प्रभावशीलता को दर्शाते हैं।' निर्मला सीतारमण ने उन करदाताओं के प्रति हार्दिक आभार जताया, जिनके योगदान और जीएसटी ढांचे में विश्वास ने देश की प्रगति को गति दी है। उन्होंने कहा कि उनका योगदान विकसित भारत के निर्माण के लिए साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने देश के जीएसटी ढांचे में समान रूप से भागीदारी के लिए सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों और राज्य जीएसटी अधिकारियों के समर्पित प्रयासों के लिए उन्हें बधाई दी।

इसके अलावा, वित्त मंत्री ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के फील्ड में काम करने वाले कर्मचारियों की भी सराहना की 'जिन्होंने ईमानदारी से प्रयास किया'। अप्रैल के दौरान जारी रिफंड की राशि 48.3 प्रतिशत बढ़कर 27,341 करोड़ रुपए हो गई।

भारत वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में सबसे आगे : केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

■ बीएनटी न्यूज

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में सबसे आगे है और पिछले एक दशक में अकेले सौर ऊर्जा में 30 गुना से अधिक की वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि देश ने 2030 के रिन्यूएबल एनर्जी लक्ष्यों को निर्धारित समय से आठ साल पहले ही हासिल कर लिया है।

'कोलंबिया इंडिया एनर्जी डायलॉग' को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका पर प्रकाश डाला और समावेशी तथा न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के प्रति देश की प्रतिबद्धता दोहराई।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने जलवायु परिवर्तन से निपटने में सभी देशों की सामूहिक जिम्मेदारी को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा, 'ऊर्जा परिवर्तन को लेकर हम सभी को योगदान देना चाहिए। हालांकि, प्रत्येक देश के विकास के चरण के आधार पर परिवर्तन का स्तर और गति अलग-अलग होगी, लेकिन प्रतिबद्धता सार्वभौमिक होनी चाहिए।'

● कोलंबिया इंडिया एनर्जी डायलॉग' को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका पर प्रकाश डाला और समावेशी तथा न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के प्रति देश की प्रतिबद्धता दोहराई।

केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि जलवायु परिवर्तन एक वास्तविक और जरूरी चुनौती है और प्रत्येक देश को अपने स्वयं के अनूठे समाधान तैयार करने चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी अफसोस जताया कि पेरिस समझौते में विकसित देशों के वादे काफी हद तक अधूरे रह गए हैं।

उन्होंने कहा, '2015 से बड़ा मुद्दा केवल जलवायु परिवर्तन नहीं रहा है, बल्कि कई विकसित देश टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, दीर्घकालिक रियायती जलवायु वित्त पोषण और सीबीडीआर के सिद्धांत के तहत समर्थन देने में विफल रहे हैं।'

भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा, 'दुनिया की 17 प्रतिशत आबादी का समर्थन करने के बावजूद भारत वैश्विक कार्बन उत्सर्जन का केवल 3 प्रतिशत हिस्सा है।'

उन्होंने कहा, 'हमने 2030 के लिए 200 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी का लक्ष्य 2022 में ही हासिल कर लिया है, जो तय समय से आठ साल पहले है। पिछले दशक में अकेले सौर ऊर्जा में 30 गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। भारत यूएनएफसीसीसी को समय पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करना जारी रखता है, जो वैश्विक अनुपालन के लिए एक उदाहरण है।'

केंद्रीय मंत्री ने कार्बन उत्सर्जन के मूल कारणों, विशेष रूप से अत्यधिक खपत और बर्बादी को संबोधित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'अत्यधिक खपत, विशेष रूप से उच्च-समृद्धि वाले देशों में, खेत से लेकर थाली तक प्रणालीगत कार्बन उत्सर्जन की ओर ले जाती है। हर कदम, उत्पादन, पैकेजिंग, परिवहन, भंडारण और निपटान, उत्सर्जन में इजाफा करता है। इस व्यवहार पैटर्न को संबोधित किया जाना चाहिए।'

योगी सरकार की बड़ी पहल, सस्ती दरों पर बिजली खरीदेगा उत्तर प्रदेश

■ बीएनटी न्यूज

उत्तर प्रदेश सरकार ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी और दूरदर्शी पहल की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयोजित कैबिनेट की बैठक में 1,600 मेगावाट क्षमता की तापीय परियोजना से कुल 1,500 मेगावाट ऊर्जा बिड प्रॉसेस के माध्यम से 25 वर्षों तक खरीदने का निर्णय लिया गया है।

बिडिंग प्रक्रिया में सबसे कम टैरिफ दर (5.38 रुपए प्रति यूनिट) की पेशकश करने वाली निजी कंपनी को परियोजना के लिए चुना गया है। इससे यूपी पावर कॉर्पोरेशन (यूपीपीसीएल) को 25 वर्षों में लगभग 2,958 करोड़ रुपए की बचत होगी।

योगी सरकार की इस नई पहल से उत्तर प्रदेश को साल 2030-31 से 1,500 मेगावाट बिजली बेहद सस्ती दर पर मिलने लगेगी। यह नई परियोजना मौजूदा और आगामी तापीय परियोजनाओं की तुलना में कहीं ज्यादा किफायती है, जहां जवाहरपुर, ओबरा, घाटमपुर, पनकी जैसी परियोजनाओं से बिजली 6.6 रुपए से लेकर 9 रुपए प्रति यूनिट तक मिल रही है, वहीं डीबीएफओओ के तहत प्रस्तावित इस परियोजना के तहत 2030-31 में प्लांट के कमीशन होने के बाद बिजली सिर्फ 6.10 रुपए प्रति यूनिट की दर से प्राप्त होगी।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कैबिनेट के निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में ऊर्जा की मांग को पूरा करने और उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमने कुछ ऊर्जा बिडिंग प्रोसेस से खरीदने का निर्णय किया है। उसी कड़ी में 1,600 मेगावाट पावर प्लांट को लेकर हम आगे बढ़े हैं। हमारी शर्त थी कि जब प्लांट उत्तर प्रदेश में लगेगा तभी बिजली खरीदेंगे। प्रक्रिया के तहत जुलाई 2024 में रिक्वेस्ट

फॉर क्वालिफिकेशन इश्यू किया था, जिसमें 7 कंपनियां आई थीं।

इनमें से 5 कंपनियों ने रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (फाइनेंशियल बिड) में हिस्सा लिया। पांचों कंपनियों में जिस निजी कंपनी का कोटेशन सबसे कम था, उसके साथ निगोशिएन के बाद उन्होंने फिक्स्ड चार्ज में 3.727 रुपए प्रति यूनिट और फ्यूल चार्ज में 1.656 रुपए प्रति यूनिट समेत कुल टैरिफ 5.38 प्रति यूनिट की न्यूनतम बिड पेश की, जिसे स्वीकार कर लिया गया। इसी टैरिफ पर 25 वर्षों की अवधि के लिए पावर सप्लाई एग्रीमेंट (पीएसए) हस्ताक्षरित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इसी निजी कंपनी ने पिछले साल अगस्त में महाराष्ट्र के साथ भी इसी प्रकार की प्रक्रिया की थी। उसकी अपेक्षा भी हमारी डील उससे कुछ सस्ती है। यही नहीं, इससे पहले भी हमारे बड़े पावर परचेज एग्रीमेंट्स हुए हैं, उसकी अपेक्षा भी मौजूदा डील सस्ती है। सार्वजनिक क्षेत्र के जो हमारे पावर प्लांट्स हैं, उनकी भी बिजली का जो अनुबंध हुआ है, उनकी अपेक्षा भी यह वर्तमान प्रक्रिया की बिजली काफी सस्ती पड़ेगी। 2030-31 में जब पावर प्लांट तैयार होगा तब भी टैरिफ 6.10 रुपए पड़ेगा, जो हमारे सार्वजनिक संयंत्रों की बिजली से सस्ता होगा।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के अध्ययन के अनुसार, राज्य को वर्ष 2033-34 तक लगभग 10,795 मेगावाट अतिरिक्त तापीय ऊर्जा की जरूरत होगी। इसके साथ ही 23,500 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के लिए भी रोडमैप तैयार किया गया है। तापीय ऊर्जा की मांग को पूरा करने के लिए डीबीएफओओ मॉडल के तहत बिड प्रक्रिया शुरू की गई है।

यह तापीय परियोजना वित्तीय वर्ष 2030-31 में शुरू हो जाएगी। इससे न सिर्फ बेस लोड ऊर्जा की जरूरत पूरी होगी, बल्कि राज्य में उद्योगों और घरेलू उपभोक्ताओं को भी स्थिर और सस्ती बिजली मिल सकेगी।

डीबीएफओओ यानी डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन और ऑपरेट एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें निजी कंपनी परियोजना का निर्माण, वित्त पोषण, स्वामित्व और संचालन खुद करती है। सरकार सिर्फ कोयला लिंकेज देती है और बिजली खरीदती है।

दिल्ली : जेपी नड्डा ने आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर की समीक्षा बैठक

■ बीएनटी न्यूज

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

आपातकालीन मामलों से निपटने के लिए चिकित्सा तैयारियों की वर्तमान स्थिति के बारे में उन्हें जानकारी दी गई। उन्हें एम्बुलेंस की तैनाती, उपकरण, दवाइयां, रक्त की शीशियों और उपभोग्य सामग्रियों की आपूर्ति सहित चिकित्सा आपूर्ति की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने से अवगत कराया गया।

केंद्रीय मंत्री को बेड, आईसीयू और एचडीयू के संदर्भ में भी अस्पताल की तैयारी, भीष्म क्यूब्स, उन्नत मोबाइल ट्रॉमा केयर यूनिट आदि की उपलब्धता के संबंध में जानकारी दी गई।

उल्लेखनीय है कि अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों को आवश्यक दवाओं, रक्त, ऑक्सीजन, ट्रॉमा केयर किट आदि की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है। एम्स नई दिल्ली और अन्य केंद्रीय सरकारी अस्पतालों ने तैयार तैनाती के लिए आपूर्ति के साथ डॉक्टरों और नर्सों को जुटाया है। उन्हें राज्य और जिला प्रशासन, सशस्त्र बलों और डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिक्स, निजी क्षेत्र के अस्पतालों, धर्मार्थ संस्थानों आदि के क्षेत्रीय संघों के साथ समन्वय करने की सलाह दी गई है, ताकि आपातकालीन नेटवर्क को सहयोगात्मक तरीके से मजबूत किया जा सके।

इसके अतिरिक्त, एम्स, पीजीआईएमईआर, जेआईपीएमईआर और अन्य प्रमुख अस्पतालों में आपदा तैयारियों के लिए राष्ट्रव्यापी मॉक ड्रिल आयोजित की गई है। आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा में क्षमता निर्माण के लिए भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू), एम्स नई दिल्ली और आईजीओटी के सहयोग से सीपीआर, प्राथमिक चिकित्सा और बुनियादी जीवन समर्थन के लिए अतिरिक्त प्रशिक्षण मॉड्यूल शुरू किए जा रहे हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्यों के भीतर संबंधित लोगों के साथ निर्बाध समन्वय के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्र सरकार के अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के साथ अपनी बैठकों की भी जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि सभी स्वास्थ्य आपातकालीन प्रणालियां हर समय पर्याप्त रूप से सुसज्जित और कार्यात्मक हों। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी राज्य सरकारों, विशेषकर जिला स्तर पर, विशेषकर सीमावर्ती राज्यों के साथ जमीनी स्तर पर संपर्क प्रभावी ढंग से स्थापित किए जाएं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि मंत्रालय में एक चौबीसों घंटे वाला नियंत्रण और कमांड सेंटर को वर्तमान समय में चल रहे प्रयासों की निगरानी करते हुए राज्यों को सहायता प्रदान करनी चाहिए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और सभी क्षेत्रों में निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं और आपातकालीन प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध है।

फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल अभियानः 'साइकिलिंग एक मूवमेंट, फैशन और फिटनेस दोनों के लिए जरूरी'

■ बीएनटी न्यूज

दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में 'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने की। कार्यक्रम में टोक्यो ओलंपिक्स सिल्वर मेडलिस्ट रवि कुमार दहिया,दीपक पुनिया ने भी शिरकत की। मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि भविष्य में साइकिल को अपने जीवन का मंत्र बनाएं।

मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि आज के दौर में हम साइकिल का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। हम डिजिटल युग में आ तो गए लेकिन इसका हमारे स्वास्थ्य पर खराब असर पड़ रहा है। फिजिकल फिटनेस इस दौर की मांग है। मांडविया ने कहा कि फिट इंडिया मुहिम को सफल करने के लिए आज सात हजार स्थानों पर देश भर के अध्यापक साइकिल चला अपने छात्रों को प्रेरित कर रहे हैं कि हम संडे ऑन साइकिल करके खुद को स्वस्थ रखें। देश को विकसित और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए हम स्वयं फिट रहें और देश के लिए योगदान दें।

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने आगे कहा कि संडे ऑन साइकिल का आज 21वां एडिशन है। आज साइकिलिंग एक मूवमेंट बन चुकी है। आज की थीम टीचर्स के साथ संडे ऑन साइकिल है। पहले लोग साइकिल लेकर स्कूल जाते थे। अब ऐसा कम दिखता है। ये भी पक्की बात है कि टीचर जो कहते है छात्र वो करते हैं। तो यहां मैं कहना चाहूंगा कि टीचर एक बार फिर अपने आचरण में साइकिल को जोड़ दें। साइकिल को एक आंदोलन बना दें।

उन्होंने आगे कहा कि इसे फैशन के रूप में लें। मेरा मानना है विकसित भारत का सपना साकार करने में आप हीरो बन जाएंगे। साइकिलिंग से लोग सेहतमंद होते हैं। आज के दौर में हम साइकिल का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। वर्तमान समय में फिजिकल फिटनेस इस दौर की मांग है। किसी भी देश को संपन्न बनना है तो आवश्यक है कि देश के नागरिक स्वस्थ हों। स्वस्थ नागरिक ही स्वस्थ समाज का निर्माण करता है और स्वस्थ समाज ही संपन्न देश का निर्माण करता है। स्वस्थ समाज के लिए मैं देश के सभी शिक्षकों से आह्वान करता हूं कि आप हर दिन अपने जीवन में साइकिल का उपयोग करें, छात्रों को भी इसके लिए प्रेरित करें। फिट इंडिया के सपनों को साकार करें और देश को आने वाले दिनों में फिट रखें। भविष्य में साइकिल को अपने जीवन का मंत्र बनाएं।

योगी सरकार का 'संभव' अभियान, बच्चों के पोषण स्तर में हुआ प्रभावी सुधार

■ बीएनटी न्यूज

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार राज्य से भुखमरी, बाल कुपोषण को दूर करने और सतत खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने की दिशा में पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सतत विकास के इन्हीं लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सीएम योगी के मार्गदर्शन में वर्ष 2021 में संभव अभियान की शुरूआत की गई थी। इसके चार चरण पूरे हो चुके हैं, यूपी ने वर्ष 2024 में मातृ-शिशु पोषण के स्तर में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के गंभीर तीव्र कुपोषित (सैम) बच्चों में से 65 प्रतिशत सामान्य स्थिति में आ चुके हैं। जबकि, 16 प्रतिशत बच्चे सैम स्थिति से मध्यम तीव्र कुपोषित (मैम) बच्चों की स्थिति में आ चुके हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश के अनुसार संभव अभियान को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आकांक्षात्मक जिलों में मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान का पायलट प्रोजेक्ट भी चलाया जा रहा है, जिसे आने वाले समय में पूरे प्रदेश में चलाने की तैयारी है।

सीएम योगी आदित्यनाथ की सरकार ने प्रदेश से कुपोषण और भुखमरी को दूर करने के लिए केंद्र सरकार की योजनाओं के साथ वर्ष 2021 में 'संभव' अभियान की शुरूआत की थी। इसका मुख्य उद्देश्य सतत विकास लक्ष्य-2 को प्राप्त करना और प्रदेश में सतत खाद्य सु-रक्षा को सुनिश्चित करना था। प्रदेश के बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग ने 'संभव' अभियान के चार चरणों की सफलता की रिपोर्ट मुख्यमंत्री के सामने पेश की। विभाग के संबंधित अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश ने 'संभव' अभियान के तहत अपेक्षित सफलता प्राप्त की है।

एक ओर इन चार वर्षों में तकनीकी नवाचार, प्रशिक्षण और सटीक निगरानी करके 1.7 करोड़ बच्चों की जांच की गई, जिसमें 1.8 लाख तीव्र कुपोषित बच्चों (सैम) के मामले दर्ज हुए थे, जिसमें से 65 प्रतिशत सैम मामले साल के अंत तक सामान्य स्थिति में आ चुके हैं। जबकि, 16 प्रतिशत मामले सैम स्थिति से मध्यम तीव्र कुपोषित (मैम) स्थिति में आ चुके हैं। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं पर भी विशेष ध्यान दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप गर्भवती महिलाओं की मेजरिंग इफिशियंसी 6 प्रतिशत से बढ़-कर 51 प्रतिशत हो चुकी है।

प्रदेश के सभी 8 आकांक्षात्मक जिलों में भी संभव अभियान ने सकारात्मक असर दिखाया है। 'संभव' अभियान के सफल संचालन का असर है कि आकांक्षात्मक जिलों के बच्चों में भी स्टंटिंग, अंडरवेट और वेस्टिंग के मामलों में सुधार आया है। लेकिन, इन जिलों में अभी भी बच्चों में कुपोषण की स्थिति को देखते हुए, सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश के अनुसार मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान का पायलट प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है।

फुल बॉडी हाइजीन के साथ ब्रेस्ट हाइजीन पर ध्यान देना भी जरूरी है। ब्रेस्ट हाइजीन पर ध्यान न देने से इन्फेक्शन होने का खतरा ज्यादा बढ़ सकता है। ब्रेस्ट में पसीना बढ़ने से खुजली और इरिटेशन होने लगती है, ऐसे में ठीक से बैठ पाना तक मुश्किल हो जाता है। दरअसल, ज्यादा टाइट कपड़े या ब्रा पहनने से त्वचा में पसीना बढ़ने लगता है, जिससे इरिटेशन होने लगती है। पसीना बढ़ने से ब्रेस्ट में बैक्टीरिया भी बढ़ जाते हैं, जो फंगल इंफेक्शन का कारण बनने लगते हैं। यह न सिर्फ खुजली बल्कि, रैशेज और ड्राईनेस की समस्या भी पैदा कर सकता है। अब ब्रेस्ट में पसीना आने से तो रोका नहीं जा सकता, लेकिन कुछ टिप्स को फॉलो करके इससे निजात जरूर पाया जा सकता है। तो चलिए इस लेख के माध्यम से जानें ब्रेस्ट में पसीना बढ़ने से होने वाली समस्याओं को कैसे रोका जाए।

ब्रेस्ट में पसीना बढ़ने से होने वाले रैशेज को कैसे रोका जाए-

एलोवेरा जेल और हल्दी

एलोवेरा में एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जिससे इसके इस्तेमाल से खुजली और इरिटेशन से राहत मिल सकती है। यह रैशेज कम करने और त्वचा में नमी बनाए रखने में फायदेमंद हो सकता है, जिससे ड्राईनेस से होने वाली खुजली से भी राहत मिलेगी। इस देसी उपाय के लिए फ्रेश एलोवेरा जेल में एक चुटकी हल्दी मिलाकर प्रभावित हिस्से पर लगा सकते हैं। इसे 15 से 20 मिनट तक लगा रहने दें।

नारियल तेल की मसाज

रैशेज और घाव की समस्या दूर करने के लिए नारियल तेल लंबे समय से इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण पाए जाते हैं, जो घाव ठीक करने में मदद कर सकते हैं। प्रभावित क्षेत्र पर नारियल तेल से अच्छे से मसाज करें, इससे इन्फेक्शन से राहत मिलेगी और खुजली और जलन भी कम होगी।

मुलायम कपड़े पहनें

ब्रेस्ट में इन्फेक्शन होने का कारण शरीर में ज्यादा हीट बढ़ना भी हो सकता है। ज्यादा टाइप कपड़े पहनने से ब्रेस्ट में पसीना आता है, जो रैशेज कर सकता है। इसलिए ज्यादा टाइप कपड़े और ब्रा को अवॉइड करें। इसकी जगह आप कॉटन या पैडेड ब्रा चुनें। साथ ही ध्यान रखें कि रात को सोते समय ब्रा जरूर निकाल दें, जिससे त्वचा को हील होने में मदद मिल सके।

वाइप्स-पाउडर इस्तेमाल करें

अगर आपको ब्रेस्ट में बार-बार पसीना आता रहता है, तो आप क्लींजिग वाइप्स इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे बैक्टीरिया बढ़ने और इंफेक्शन होने की संभावनाएं कम हो जाएंगी। इसलिए नहाने के बाद वाइप्स इस्तेमाल करके एंटी-बैक्टीरियल पाउडर लगाएं। इससे रैशेज जल्द ठीक होने में मदद मिलेगी। इन टिप्स की मदद से ब्रेस्ट में पसीने के कारण होने वाले रैशेज से जल्द राहत मिल सकती है। अगर आपको यह समस्या 4-5 दिन से ज्यादा बना रहती है, तो बिना देरी किये डॉक्टर से संपर्क करें।

जन्म के लेकर एक साल की उम्र तक बच्चे के शरीर में कई बदलाव आते हैं। इस दौरान बच्चों को खास देखभाल की जरूरत होती है। साथ ही बच्चे के खाने-पीने और सोने की आदतों में भी बदलाव देखने को मिलता है। कुछ बच्चों को बहुत कम नींद लेने की आदत होती है। ऐसे में बच्चे या तो बहुत कम सोते हैं या थोड़ी-थोड़ी देर में उठते रहते हैं। इस कारण कई पेरेंट्स परेशान भी हो जाते हैं कि क्या यह नॉर्मल है या उनके बच्चे को कोई स्वास्थ्य समस्या तो नहीं? इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए हमने बात कि गुरुग्राम के सीके बिरला अस्पताल से नियोनेटोलॉजी और पीडियाट्रिक कंसल्टेंट डॉ. श्रेया दुबे से।

पहले जानिए एक साल से छोटे बच्चे को कितने घण्टे सोना चाहिए?

बच्चे को आस-पास की चीजें देखने और खेलने से काफी थकावट हो जाती है, जिससे 9 से 10 घंटे की नींद लेना उनके लिए जरूरी होता है। यह बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी माना जाता है। अधिकतर बच्चे दिन में ज्यादा नींद पूरी करके रात में कम सोते हैं, ऐसे में उनका स्लीप पैटर्न उसके मुताबिक बन जाता है।

क्या शिशुओं को कम नींद आना नॉर्मल है?

इस प्रश्न का उत्तर देते हुए एक्सपर्ट बताती है कि एक साल से छोटे बच्चे को कम नींद आना बिल्कुल नॉर्मल है। दरअसल, इस दौरान दौरान बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास हो रहा होता है। ऐसे में बच्चे के शरीर में कई बदलाव आते हैं, जिनमें कम नींद आना भी शामिल है।

शिशुओं को कम नींद आने के क्या कारण होते हैं?

ब्रेन डेवलपमेंट

एक साल से कम उम्र के दौरान शिशुओं का ब्रेन डेवलपमेंट तेजी से हो रहा होता है। ऐसे में बच्चे का मस्तिष्क ज्यादा उत्सुक रहता है, जिस कारण उसे ठीक से नींद नहीं आ पाती है। इस दौरान बच्चे के शरीर में ग्रोथ हार्मोन रिलीज हो रहे होते हैं, जिसके कारण बच्चा ज्यादातर समय परेशान रहता है।

बच्चों के दांत निकालना

छह माह की उम्र के बाद बच्चे के दांत निकालना शुरू हो जाते हैं। ऐसे में बच्चे के मसूड़ों में इरिटेशन होती है और बच्चा नींद में बार-बार परेशान होने लगता है। ऐसे में बच्चे को कम नींद लेने की आदत हो सकती है।

बुरे सपने आना

एक साल से कम उम्र में बच्चा कई सारी चीजें एक साथ सीख रहा होता है। ऐसे में उसका ब्रेन डेवलप हो रहा होता है, इसलिए उसे अजीब सपने आने लगते हैं। यह चीजें भी बच्चे की नींद में बाधा डालने का कारण बनने लगती हैं।

चीजों को खोने का डर

इस दौरान बच्चा नई-नई चीजें सीख रहा होता है। ऐसे में उसे डर रहता है कि वह कोई चीज मिस न कर दें। इसलिए उसे अपने आप ही कम नींद आती है।

30 की उम्र के बाद जरूर करवाएं 5 टेस्ट

सेहतमंद रहने के लिए जितना जरूरी स्वस्थ आहार और व्यायाम जरूरी है उतना ही जरूरी है समय-समय पर हेल्थ चेक-अप्स करवाना। उम्र बढ़ने के साथ हमें अपने शरीर का ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत होती है। इसलिए अगर आप भी 30 के हो गए हैं तो कुछ टेस्ट जरूर करवाएं ताकि किसी समस्या का इलाज समय पर हो सके और लंबे समय तक सेहत बनी रहे। 30 की उम्र एक व्यस्क जीवन के लिए कई मायनों में खास होती है। अगर आप अपना 30वां जन्मदिन मना रहे हैं, तो आने वाले सभी जन्मदिन सेहतमंद हो कर मनाने के लिए ये 5 टेस्ट जरूर करवा लेंः

ब्लड शुगर टेस्ट

आजकल की जीवनशैली के आधार पर 30 के बाद ब्लड शुगर टेस्ट कराना अनिवार्य हो गया है। फास्टिंग शुगर, खाने के दो घंटे बाद का शुगर और HbA1C टेस्ट जो पिछले 3 महीने का शुगर लेवल बता सके, ये सभी टेस्ट नियम से करवा लेने चाहिए।

ब्लड प्रेशर

तनाव भरी जिंदगी में चीखना, चिल्लाना और गुस्सा करना एक आम पहलू हो चुका है। ऐसे में ब्लड प्रेशर तेजी से बढ़ता है और यह बिना किसी आहट के अचानक से हानिकारक साबित हो सकता है। यह पैरालिसिस, किडनी डैमेज, हार्ट अटैक जैसी समस्याओं को जन्म देता है, इसलिए ब्लड प्रेशर नियमित रूप से चेक करते रहें। घर में ब्लड प्रेशर नापने की डिजिटल मशीन भी रख सकते हैं। या फिर डॉक्टर से नियमित रूप से ब्लड प्रेशर चेक करवाते रहें।

लिपिड प्रोफाइल

आपके दिल का सही हाल बताने वाला यह टेस्ट आपके शरीर में HDL, LDL, ट्राइग्लीसेराइड के स्तर का पता लगाता है और स्वस्थ हृदय का संकेत देता है। रिपोर्ट नॉर्मल आती है तब भी हर स्वस्थ इंसान को दो साल में एक बार ये टेस्ट करवा लेना चाहिए।

थायराइड फंक्शन टेस्ट

यह थायराइड के अपर्याप्त रूप से सक्रिय (अंडरएक्टिव) या अति सक्रिय (ओवरएक्टिव) थायराइड की जांच करता है, जिसे हाइपोथायरॉइडिज्म और हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं। थायराइड की मात्रा में गड़बड़ी से वजन पर असर, व्यवहार में बदलाव, पीरियड्स में बदलाव और कमजोरी जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं।

लिवर फंक्शन टेस्ट और किडनी फंक्शन टेस्ट

साल में एक बार LFT करवाने से जॉन्डिस, सिरोसिस, फैटी लिवर आदि से बचा जा सकता है। शराब का सेवन करने वालों के लिए यह टेस्ट बेहद जरूरी है। KFT करने से ब्लड में क्रिएटिनिन की मात्रा का पता चलता है जिससे एक्यूट रीनल फेल्योर, क्रॉनिक किडनी डिजीज और ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस जैसी बीमारियों का पता लगाया जा सकता है। इनके अलावा, उइउ (कंप्लीट ब्लड काउंट), यूरीन टेस्ट, विटामिन D की जांच, पैप स्मियर टेस्ट, कैंसर स्क्रीनिंग, मेमोग्राफी आदि टेस्ट भी नियमित रूप से कराते रहना चाहिए। सही समय पर सही कदम उठा लेने से आप सदा के लिए स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। लेकिन एक गलत कदम, और देर से उठाया कदम आपके सम्पूर्ण जीवन के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। सचेत रहें और 30 की उम्र पार करते ही सभी जरूरी टेस्ट करवाते रहें और अनदेखी बिमारियों को सही समय पर देख कर उचित इलाज करवाएं।

बीसीसीआई ने आईपीएल को एक सप्ताह के लिए स्थगित किया

■ बीएनटी न्यूज

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मौजूदा आईपीएल 2025 के शेष मैचों को तत्काल प्रभाव से एक सप्ताह के लिए स्थगित करने का निर्णय लिया है। संबंधित अधिकारियों और हितधारकों के परामर्श से स्थिति का व्यापक आकलन करने के बाद टूर्नामेंट के नए कार्यक्रम और आयोजन स्थलों के बारे में आगे की जानकारी उचित समय पर दी जाएगी।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा, अधिकांश फ्रेंचाइजी द्वारा अपने खिलाड़ियों की चिंताओं और भावनाओं के साथ-साथ प्रसारक, प्रायोजकों और प्रशंसकों के विचारों को व्यक्त करने के बाद सभी प्रमुख हितधारकों के साथ उचित परामर्श के बाद आईपीएल गवर्निंग काउंसिल द्वारा यह निर्णय लिया गया; जबकि बीसीसीआई हमारे सशस्त्र बलों की ताकत और तैयारियों पर पूरा भरोसा रखता है, बोर्ड ने सभी हितधारकों के सामूहिक हित में कार्य करना उचित समझा।

सैकिया ने कहा, इस महत्वपूर्ण मोड़ पर, बीसीसीआई देश के साथ मजबूती से खड़ा है। हम भारत सरकार, सशस्त्र बलों और अपने देश के लोगों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करते हैं। बोर्ड हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी, साहस और निस्वार्थ सेवा को सलाम करता है, जिनके ऑपरेशन सिंदूर के तहत वीरतापूर्ण प्रयास राष्ट्र को रक्षा और प्रेरणा देते हैं, क्योंकि वे हाल ही में हुए आतंकवादी हमले और पाकिस्तान के सशस्त्र बलों द्वारा किए गए अनुचित आक्रमण का दृढ़ जवाब देते हैं।

उन्होंने कहा कि क्रिकेट एक राष्ट्रीय जुनून बना हुआ है। राष्ट्र और इसकी संप्रभुता, अखंडता और हमारे देश की सुरक्षा से बढ़कर कुछ भी नहीं है। बीसीसीआई भारत की सुरक्षा करने वाले सभी प्रयासों का समर्थन करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है और हमेशा अपने निर्णयों को राष्ट्र के सर्वोत्तम हित में बनाए रखेगा।

पता चला है कि बैठक में शामिल सभी प्रतिभागियों ने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की कि वर्तमान परिस्थिति में आईपीएल को जारी रखना उचित नहीं है।

यह घटनाक्रम आईपीएल द्वारा पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच गुरुवार को होने वाले मैच को पहली पारी के बीच में ही रद्द करने के फैसले के बाद सामने आया। धर्मशाला और अन्य उत्तर भारतीय शहरों में हवाई अड्डे बंद होने के कारण, पंजाब और दिल्ली दोनों टीमों के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों के साथ-साथ मैच अधिकारियों, कमेंटेटरों, प्रसारण दल के सदस्यों और आईपीएल से संबंधित अन्य प्रमुख कर्मियों को शुक्रवार सुबह धर्मशाला से एक बस द्वारा जालंधर ले जाया गया, जहां टूर्नामेंट द्वारा आयोजित एक विशेष ट्रेन अब उन्हें नई दिल्ली ले जा रही है।

आईपीएल 2025 में अभी धर्मशाला में रद्द हुए मैच के साथ 58 मैच खेले जा चुके हैं। ग्रुप स्टेज पर अभी 12 मैच बचे हैं, जिनमें लखनऊ (2), हैदराबाद, अहमदाबाद (3), दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु (2), मुंबई, जयपुर (1) शामिल हैं, तथा इसके बाद हैदराबाद और कोलकाता में प्लेऑफ मैच खेले जाने हैं।

बीसीसीआई अपने प्रमुख हितधारक - जियोहॉटस्टार, लीग के आधिकारिक प्रसारक को उनकी समझदारी और अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद देता है। बोर्ड टाइटल प्रायोजक टाटा और सभी सहयोगी भागीदारों और हितधारकों का भी आभारी है कि उन्होंने इस निर्णय के लिए अपना स्पष्ट समर्थन दिया और राष्ट्रीय हित को अन्य सभी विचारों से ऊपर रखा।

विराट कोहली कर रहे हैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने पर विचार

बीसीसीआई ने किया पुनर्विचार का आग्रह- सूत्र

■ बीएनटी न्यूज

टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, अब अनुभवी स्टार बल्लेबाज विराट कोहली भी क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप से संन्यास लेने पर विचार कर रहे हैं।

बीसीसीआई के करीबी सूत्रों के अनुसार, 36 वर्षीय इस दिग्गज खिलाड़ी ने हाल ही में खेल के सबसे लंबे प्रारूप से दूर रहने की अपनी मंशा जाहिर की है। टेस्ट क्रिकेट में 2011 में डेब्यू करने वाले कोहली पिछले एक दशक से ज्यादा समय से टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं। उनकी आक्रामक कप्तानी, शानदार बल्लेबाजी और खेल के प्रति पैशन ने भारत को घरेलू और विदेशी दोनों ही जगहों पर एक मजबूत टेस्ट टीम में बदलने में मदद की है। टेस्ट में 9,000 से अधिक रन और 30 शतकों के साथ, कोहली की क्रीज पर मौजूदगी किसी आइकॉनिक खिलाड़ी से कम नहीं है।

हालांकि, बीसीसीआई अभी इस अनुभवी बल्लेबाज को टेस्ट क्रिकेट से जाने देने के लिए तैयार नहीं है। सूत्रों से पता चलता है कि शीर्ष अधिकारियों ने कोहली से संपर्क किया है और उनसे अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है, खासकर महत्वपूर्ण दौरों को देखते हुए। भारत को आगे अभी इंग्लैंड का लंबा दौरा करना है और ऐसे में टीम इंडिया को विराट कोहली की जरूरत पड़ेगी।

बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, विराट अभी भी फिट हैं और रन बनाने के लिए भूखे हैं। ड्रेसिंग रूम में उनकी मौजूदगी पूरी टीम को उत्साहित करती है। हमने उनसे अंतिम निर्णय लेने से पहले कुछ समय लेने का अनुरोध किया है।

हालांकि कोहली ने इस मामले पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है, लेकिन प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों ने सोशल मीडिया पर समर्थन के संदेशों की बाढ़ ला दी है। उम्मीद है कि आधुनिक समय के दिग्गज इस प्रारूप में एक बार फिर खेलेंगे। फिलहाल, भारतीय क्रिकेट बेसब्री से इंतजार कर रहा है। इससे पहले, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। दूसरी ओर 20 जून को लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से शुरू होनी है।

रोहित शर्मा का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास, इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर कर दी जानकारी

■ बीएनटी न्यूज

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए यह जानकारी दी और सबको शुक्रिया कहा।

रोहित ने अपने 280 नंबर की टेस्ट कैप की फोटो के साथ लिखा, मैं सबको साझा करना चाहता हूं कि मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं। अपने देश का सफेद जर्सी में प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। इतने सालों तक मुझे समर्थन और प्यार देने के लिए आप सबका शुक्रिया। मैं वनडे फॉर्मेट खेलना जारी रखूंगा।

रोहित ने भारत के लिए 67 टेस्ट मैच की 116 पारियों में 40.57 की औसत से 7538 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 2024 में विश्व कप जीत के बाद टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था और हाल ही में भारत के लिए वनडे में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी।

हालांकि पिछले साल उनका टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीजन में सिर्फ एक अर्धशतक बनाने के बाद जब वह ऑस्ट्रेलिया गए तो वहां भी उनके बल्ले से रन नहीं निकले और कप्तान होते हुए भी उन्हें खुद को एक मैच से बाहर बैठाना पड़ा।

कुल मिलाकर उन्होंने पिछले सीजन आठ टेस्ट मैचों में सिर्फ एक अर्धशतक और 10.93 की औसत से रन बनाए थे और कप्तान के रूप में उन्हें न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज हार मिली थी।

रोहित के संन्यास के बाद कौन होगा अगला टेस्ट कप्तान

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने तत्काल प्रभाव से टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास लेने की घोषणा के बाद चयनकर्ताओं को 20 जून से शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली भारतीय टीम के लिए एक नया कप्तान ढूंढना होगा।

रोहित ने टेस्ट से संन्यास ले लिया है लेकिन वह वनडे प्रारूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेंगे। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में संघर्ष किया था, जिसमें भारत 3-1 से हार गया था। उन्होंने पांच पारियों में सिर्फ 6.20 की औसत से रन बनाए और सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में अंतिम टेस्ट के लिए खुद को बाहर कर लिया। इससे पहले, रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में भारत की 3-0 की हार में एक भूलने वाला प्रदर्शन किया था, जिसमें उनका औसत सिर्फ 15.16 था।

बीएनटी न्यूज को पता चला है कि भविष्य के लिए टेस्ट टीम बनाने की दृष्टि से, खासकर इंग्लैंड के टेस्ट दौरे के साथ एक नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरूआत के साथ, रोहित ने इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा की है।

रोहित के टेस्ट से संन्यास की घोषणा के साथ, शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह अगले टेस्ट कप्तान बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं, क्योंकि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति का लक्ष्य टीम में कुछ नए खिलाड़ियों को शामिल करना है। 25 वर्षीय गिल सफेद गेंद के प्रारूपों में उप-कप्तान थे और जसप्रीत बुमराह के इंग्लैंड में सभी पांच टेस्ट मैचों के लिए उपलब्ध होने की संभावना नहीं होने के कारण, वह भारत के अगले टेस्ट कप्तान बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह वर्तमान में गुजरात टाइटन्स (जीटी) की कप्तानी कर रहे हैं, जो आईपीएल 2025 अंक तालिका में शीर्ष पर है।

अगर कप्तानी की बात की जाए तो उन्होंने कुल 24 टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी की, जिसमें उन्हें 12 में जीत, 9 में हार मिली, जबकि तीन टेस्ट मैच ड्रॉ रहे।

सीएसके और आयुष म्हात्रे का साथ लंबे समय तक बने रहने की उम्मीद

■ बीएनटी न्यूज

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने खुलासा किया है कि आयुष म्हात्रे की किस बात ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि 17 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अपनी बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है।

सीएसके पहले ही आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। पांच बार की चैंपियन टीम शनिवार रात रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ दो रन से हार गई, बावजूद इसके म्हात्रे ने 48 गेंदों पर 94 रनों की प्रभावशाली पारी खेली, जिससे वह 17 साल और 292 दिन की उम्र में आईपीएल में अर्धशतक बनाने वाले तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए।

मैच के बाद फ्लेमिंग ने इस बल्लेबाज की जमकर तारीफ की और कहा कि म्हात्रे के स्वभाव और धैर्य ने उन्हें काफी प्रभावित किया।

फ्लेमिंग ने कहा, "कभी-कभी यह समझाना मुश्किल होता है, लेकिन वह जो कर रहा था, उसमें एक खासियत थी। लेकिन उसका धैर्य कुछ ऐसा था जिसने मुझे प्रभावित किया। उसके पास प्रतिभा है और उसके पास आक्रामक शैली की बल्लेबाजी है, वह सब कुछ जो हमें आधुनिक समय के टी20 खिलाड़ी में पसंद है। लेकिन मैं उसके स्वभाव से काफी ज्यादा प्रभावित हूं।"

उन्होंने कहा, "आयुष म्हात्रे पहले दिन से ही बहुत सहज थे। टीम उनके साथ बहुत सहज थी। उम्मीद है कि उनके साथ सीएसके की एक लंबे रिश्ते की शुरूआत है।"

ऋतुराज गायकवाड़ की जगह सीएसके में आयुष म्हात्रे को शामिल किया गया था। गायकवाड़ कोहनी की चोट के कारण सीजन से बाहर हुए। आयुष म्हात्रे ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपना टी20 डेब्यू किया, जिसमें उन्होंने 15 गेंदों पर 32 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 19 गेंदों पर 30 रन की तेज पारी खेली। बेंगलुरु में, म्हात्रे ने आईपीएल के सर्वश्रेष्ठ पावरप्ले गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के एक ओवर में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 26 रन बटोरे। आयुष म्हात्रे जब तक खेल रहे थे तब तक सीएसके मैच में बनी हुई थी। लेकिन, मैच के अंतिम ओवरों में नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से सीएसके दो रनों से आरसीबी के सामने मैच हार गई।

आईपीएल 2025: आचार संहिता के उल्लंघन पर केकेआर के गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती पर लगा जुर्माना

■ बीएनटी न्यूज

कोलकाता नाइट राइडर्स के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पर बुधवार को ईडन गार्डन्स में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और साथ ही उन्हें एक डिमेरिट अंक भी दिया गया।

वरुण को आईपीएल आचार संहिता की धारा 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो मैच में किसी अन्य खिलाड़ी के प्रति अपमानजनक भाषा, कार्य या हाव-भाव का प्रयोग करने या आक्रामक प्रतिक्रिया भड़काने से संबंधित है।

आईपीएल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, वरुण चक्रवर्ती ने आर्टिकल 2.5 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया और मैच रेफरी की सजा को स्वीकार कर लिया। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी है।

आईपीएल आचार संहिता आर्टिकल 2.5 के अनुसार, जब कोई बल्लेबाज आउट होकर पवेलियन लौट रहा होता है तो उत्साह में कई बार गेंदबाज बल्लेबाज ऐसी प्रतिक्रिया देते हैं, जिससे बल्लेबाजी की ओर से जवाबी प्रतिक्रिया मिलने की संभावना बढ़ जाती है। कई मौकों पर फील्ड अंपायरों को बीच-बचाव के लिए आना पड़ता है। गेंदबाज की ओर से बल्लेबाज के प्रति इस तरह की प्रतिक्रिया अपमान के तौर पर मानी जाती है। भले ही बल्लेबाज स्वयं अपमानित न महसूस करता हो।

आर्टिकल 2.5 में अगर कोई बल्लेबाज आउट होकर पवेलियन लौट रहा हो उस वक्त गेंदबाज की ओर से उसके बहुत करीब जाकर जश्न मनाना, आउट बल्लेबाज को मौखिक रूप से गाली देना, पवेलियन की ओर इशारा करना आदि ऐसे मामले हैं जिनमें गेंदबाज को दोषी ठहराया जा सकता है।

कोलकाता नाइटराइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स में एक महत्वपूर्ण मैच खेला गया। सीएसके जो इस सीजन में लगातार हार का सामना कर रही थी, उसे केकेआर के सामने इस सीजन की तीसरी जीत मिली।

फीफा ने 2031 संस्करण से महिला विश्व कप में 48 टीमों को शामिल करने को मंजूरी दी

■ बीएनटी न्यूज

फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) ने फीफा परिषद की बैठक के बाद घोषणा की है कि उन्होंने 2031 संस्करण से महिला विश्व कप में भाग लेने वाली टीमों की संख्या 32 से बढ़ाकर 48 करने का फैसला किया है।

आभासी रूप से आयोजित बैठक में लिए गए इस निर्णय से प्रतिनिधित्व काफी व्यापक हो जाएगा, ज्यादा देशों और खिलाड़ियों को शीर्ष प्रतियोगिता तक पहुंच मिलेगी और दुनिया भर में महिला फुटबॉल में निवेश में तेजी आएगी।

48 टीमों वाला फीफा महिला विश्व कप 12-समूह प्रारूप अपनाएगा, जिसमें मैचों की कुल संख्या 64 से बढ़कर 104 हो जाएगी और टूर्नामेंट एक सप्ताह आगे बढ़ जाएगा। फीफा महिला विश्व कप के 2031 और 2035 संस्करणों के लिए मेजबानी की आवश्यकताओं को तदनुसार अनुकूलित किया गया है।

फीफा अध्यक्ष जियानी इनफैंटिनो ने कहा, यह सिर्फ फीफा महिला विश्व कप में 16 और टीमों के खेलने के बारे में नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करके सामान्य रूप से महिलाओं के खेल के बारे में अगला कदम उठाना है कि अधिक फीफा सदस्य संघों को टूर्नामेंट से लाभ उठाने का मौका मिले और वे समग्र दृष्टिकोण से अपनी महिला फुटबॉल संरचनाओं को विकसित कर सकें।

फीफा महिला विश्व कप 2023, पहला ऐसा विश्व कप है जिसमें सभी संघों की टीमों ने

कम से कम एक मैच जीता और पांच संघों की टीमें नॉकआउट चरण में पहुंचीं, कई अन्य रिकॉर्डों के अलावा, इसने वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए एक नया मानक स्थापित किया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय सुनिश्चित करता है कि हम वैश्विक स्तर पर महिला फुटबॉल के विकास के मामले में गति बनाए रखें।

परिषद ने अफगान महिला फुटबॉल के लिए फीफा रणनीति को भी मंजूरी दी, जिसमें अफगान महिला शरणार्थी टीम की स्थापना की परिकल्पना की गई है और प्रशासन को जल्द से जल्द अपनी गतिविधियों को शुरू करने के लिए इसके संचालन को व्यवस्थित करने और सुविधा प्रदान करने का अधिकार दिया गया है।

फीफा अध्यक्ष ने कहा, यह एक ऐतिहासिक पहल है। फीफा हर लड़की को फुटबॉल खेलने का मौका देने के लिए प्रतिबद्ध है।

फीफा महिला विश्व कप का पहला संस्करण 1991 में चीन में 12 टीमों के साथ आयोजित किया गया था। इस आयोजन के पिछले संस्करण की मेजबानी ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने की थी, जिसमें स्पेन ने खिताब जीता था।

मैंने अभी अपने भविष्य पर कोई निर्णय नहीं लिया है : धोनी

■ बीएनटी न्यूज

इस जुलाई में 44 साल का होने जा रहे एमएस धोनी ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि आईपीएल 2025 उनका आखिरी आईपीएल होगा या नहीं।

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मिली जीत के बाद धोनी ने कहा, मैं साल में केवल दो महीने ही खेलता हूं। जब यह आईपीएल खत्म होगा, तो मुझे फिर से छह से आठ महीने में कड़ी मेहनत करनी होगी, ताकि मैं देख सकूं कि मेरा शरीर इस तरह का दबाव झेलने के लिए फिट है या नहीं। तो अभी मेरे लिए कुछ तय करने जैसा नहीं है, लेकिन जहां भी मैं गया हूं, वहां मुझे प्यार और अपनापन मिला है।

धोनी अभी सीमित क्षमता के साथ बल्लेबाजी कर रहे हैं। सीएसके के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने भी कहा है कि उनके घुटने उन्हें ज्यादा देर बल्लेबाजी करने नहीं देते।

बुधवार को, धोनी 13वें ओवर में मैदान पर आए, जब डेवाल्ड ब्रेविस एक आतिशी अर्धशतकीय पारी के बाद आउट हुए। उन्होंने शिवम दुबे का साथ निभाया और आखिरी ओवर में आंद्रे रसेल पर जरूरी छक्का लगाकर सीएसके को जीत दिलाई।

इस जीत का आधार ब्रेविस और उनकी टीम के नए खिलाड़ी उर्विल पटेल ने रखा, जिन्होंने बुधवार को अपना आईपीएल डेब्यू किया। उर्विल ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा और फिर अपनी 11 गेंदों की 31 रन की पारी में तीन और छक्के लगाए, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 281.81 रहा।

इसके बाद ब्रेविस ने कमान संभाली और 22 गेंदों में अर्धशतक जड़ दिया, जिसमें उन्होंने तेज गेंदबाज वैभव अरोड़ा के खिलाफ लगातार 6, 4, 4, 6, 6, 4 के हिट्स किए। धोनी ने कहा कि असली मैच की स्थितियां ही युवा खिलाड़ियों के कौशल और मानसिक ताकत को परखने का सबसे अच्छा तरीका हैं। प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी सीएसके अब अपने बचे हुए कुछ मैचों का इस्तेमाल आईपीएल 2026 की तैयारी में कर रही है।

उन्होंने कहा, बात यह है कि ये खिलाड़ी अभी हमारे साथ हैं, तो हमें उन्हें परखने का मौका मिला है। आप उन्हें नेट्स में देख सकते हैं, अभ्यास मैचों में देख सकते हैं, लेकिन असली मैच जैसी कोई चीज नहीं होती। हम अब टूर्नामेंट से बाहर हैं, तो हमारे पास तीन मैच थे, जहां हम उन्हें मौका दे सकते थे और हमें देखना था कि वे कैसे प्रतिक्रिया देते हैं।

धोनी ने कहा, यह कोई तकनीकी पहलू नहीं है, जिसे हम देखना चाहते हैं। खिलाड़ी का रवैया और मानसिक मजबूती ही असल मायने रखता है। जरूरी नहीं कि सबसे तकनीकी रूप से मजबूत बल्लेबाज ही सबसे ज्यादा रन बनाए, बल्कि वह जो मैच को ज्यादा अच्छे से समझता है, जो समझता है कि गेंदबाज क्या करने की कोशिश कर रहा है, अगर उसने ऐसा फील्ड लगाया है तो वह क्या गेंद डालेगा, क्या वह धोखा देने वाली गेंद डालेगा, आजकल ये सब चीजें बहुत मायने रखती हैं।

अनुराग कश्यप की बढ़ी मुश्किलें, गैर जमानती धाराओं में केस दर्ज

■ बीएनटी न्यूज

ब्राह्मणों पर विवादित टिप्पणी कर फंसे फिल्म निमार्ता-अभिनेता अनुराग कश्यप की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। गुजरात के सूरत कोर्ट के नोटिस के बाद अब छत्तीसगढ़ के रायपुर की अदालत ने गैर-जमानती धाराओं में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है।

ब्राह्मणों के खिलाफ दिए गए विवादित बयान को लेकर अनुराग कश्यप के खिलाफ उच्च न्यायालय के अधिवक्ता अंजिनेश अंजय शुक्ला ने रायपुर की अदालत में परिवाद दाखिल किया था। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कुमारी आकांक्षा की बेंच ने सुनवाई के दौरान फैसला सुनाया है। कश्यप पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 196, 299 एवं 353 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज करने के आदेश हैं।

कोर्ट ने कहा कि अनुराग की टिप्पणी न सिर्फ सामाजिक सौहार्द को भंग करने वाली है बल्कि यह समाज की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली है, जो दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है।

अधिवक्ता अंजिनेश अंजय शुक्ला ने बताया, 'अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर हाल ही में पोस्ट शेयर किया था, जिसमें ब्राह्मण समाज के खिलाफ आपत्तिजनक और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली टिप्पणी की थी, जिसके विरुद्ध हमने संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराई। उस पर कोई कार्रवाई न होने पर हमने एसपी से शिकायत की। इसके बाद हमने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की

धारा 175(3) के अंतर्गत रायपुर जिला न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया। जज ने गैर जमानती धाराओं में मामला दर्ज करने का आदेश दिया है।'

इससे पहले 25 अप्रैल को सूरत की ज्युडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास (जेएमएफसी) कोर्ट ने अनुराग के खिलाफ नोटिस जारी कर पेश होने का आदेश दिया था। सूरत की जेएमएफसी कोर्ट ने अनुराग के खिलाफ नोटिस जारी कर हाजिर होने का आदेश दिया। यह नोटिस ब्राह्मण समाज की ओर से सूरत के वकील कमलेश रावल की शिकायत के बाद जारी की गई थी। उन्होंने अनुराग कश्यप के सोशल मीडिया पोस्ट और माफीनामे को सबूत के तौर पर कोर्ट में पेश किया।

इस बीच सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कश्यप ने हाल ही में दोबारा आहत लोगों से माफी मांगी थी। कश्यप का कहना है कि वह गुस्से में आकर मयार्दा भूल गए थे। आगे वह ध्यान देंगे कि बातचीत के दौरान सही शब्दों का इस्तेमाल करें। माफी मांगने के साथ ही अनुराग ने आगे कहा कि उनसे ऐसी गलती आगे कभी नहीं होगी।

यह विवाद तब शुरू हुआ, जब अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर एक यूजर को जवाब देते हुए ब्राह्मणों को लेकर बेहद शर्मनाक बात लिखी, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल मचा और लोगों ने उनकी कड़ी आलोचना की।

जुबिन नौटियाल ने मोदी संग शेयर की तस्वीर
प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद

■ बीएनटी न्यूज

गायक जुबिन नौटियाल ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ तस्वीर शेयर करते हुए उनका आभार जताया। पीएम का आभार जताने के साथ ही उन्होंने कैप्शन में 'जय उत्तराखंड, जय भारत' भी लिखा।

इंस्टाग्राम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ तस्वीर शेयर करते हुए जुबिन नौटियाल ने लिखा, 'दृष्टि से वास्तविकता तक, महानता से प्रेरित! माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आपके गर्मजोशी और प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद। जय उत्तराखंड, जय भारत।'

नौटियाल ने लिखा, 'जहां पवन बहे संकल्प लिए, जहां पर्वत गर्व सिखाते हैं। जहां ऊंचे-नीचे सब रास्ते, भक्ति के सुर में गाते हैंङ्घ उस देवभूमि के ध्यान से, मैं धन्य-धन्य हो जाता हूं, है भाग्य मेरा सौभाग्य मेरा, मैं तुमको शीश नवाता हूंङ्घ। जय बाबा केदारनाथ जी।'

वहीं, शेयर की गई तस्वीर में जुबिन पीएम मोदी के साथ हाथ मिलाते नजर आए।

गायक जुबिन नौटियाल ने गाने को लेकर अपना अनुभव शेयर किया था। उन्होंने कहा कि इस गाने को फिर से बनाना एक सम्मान और चुनौती भरा काम था। नौटियाल ने बताया, 'तुम्हें दिल्लगी' हमेशा से उन गीतों में से एक रहा है जो मेरे साथ रहा है। बचपन से अब तक मैं नुसरत साहब के इस जादुई गीत का आनंद ले रहा हूं। इस वर्जन में मैं एक गहरी तड़प है, जिसे मैंने हर नोट के माध्यम से समेटने की कोशिश की है। यह दो लोगों के बीच की खामोशियों और अनकही भावनाओं को व्यक्त करता है। एक ऐसे गाने को फिर से बनाना, जिसे मैंने लंबे समय से पसंद किया, मेरे लिए सम्मान और चुनौती दोनों से भरा था।'

रोमांटिक मूड में भूमि पेडनेकर फैंस से पूछा दिलचस्प सवाल

■ बीएनटी न्यूज

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर हिंदी सिनेमा की प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह अपनी दमदार एक्टिंग और सोशल मीडिया पर अपने लुक्स के लिए जानी जाती हैं। उनका हर लुक फैंस का दिल जीत लेता है। भूमि ने इंस्टाग्राम पर एक नया वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह साड़ी पहने नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन में बताया कि इन दिनों वह रोमांटिक मूड में हैं। यह वीडियो अब इंटरनेट पर वायरल हो रहा है।

वीडियो में भूमि पेडनेकर सिल्वर कलर की साड़ी में नजर आ रही हैं। उनका फैंसी ब्लाउज उनके लुक में चार चांद लगा रहा है। उन्होंने हाथों में खूबसूरत कंगन पहने हैं और बालों को आगे से स्टाइल करते हुए पीछे से खुला छोड़ा है।

वीडियो में वह स्विमिंग पूल के पास कैमरे के लिए पोज देती नजर आ रही हैं। उन्होंने म्यूजिक ट्रैक में 'फाईंडिंग हर' गाने को जोड़ा है, जो सिंगर कुशाग्र का गाया है।

भूमि ने कैप्शन में लिखा- 'मैं इन दिनों रोमांटिक मूड में हूं, क्या आप भी इस प्यार को महसूस कर रहे हैं?'

भूमि ने यशराज फिल्म्स की रोमांटिक कॉमेडी 'दम लगा के हईशा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म के लिए एक्ट्रेस ने 30 किलो वजन बढ़ाया था। फिल्म में वह आयुष्मान खुराना के अपोजिट थीं। उन्होंने संध्या वर्मा नाम की महिला का किरदार निभाया था, जिसका वजन बहुत ज्यादा था। ज्यादा वजन होने की वजह से उसे अपने ही ससुराल और पति के ताने और अपमान का सामना करना पड़ता था। इस फिल्म को लोगों ने काफी पसंद किया गया। फिल्म ने 11 अवॉर्ड्स हासिल किए।

इसके बाद वह अक्षय कुमार की फिल्म 'टॉयलेट एक प्रेम कथा' में नजर आईं। यह फिल्म एक सामाजिक मुद्दे- 'खुले में शौच' पर आधारित थी। फिल्म में भूमि का किरदार जया जोशी का था।

इसके अलावा, उन्होंने 'शुभ मंगल सावधान', 'बाला', 'पति पत्नी और वो', 'सांड की आंख', 'बधाई दो' समेत कई फिल्मों में काम किया। 'बधाई दो' के लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवॉर्ड मिला।

हाल ही में उनकी फिल्म 'मेरे हस्बैंड की बीवी' रिलीज हुई। इसमें उनके साथ अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह नजर आईं। फिल्म अब ओटीटी पर दर्शकों का मनोरंजन कर रही है।

घबराई और उलझी सी थीं अनन्या, कुछ ऐसी थी फिल्मी शुरूआत!

■ बीएनटी न्यूज

अनन्या पांडे बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने फिल्ममेकर करण जौहर की 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' के साथ अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत की थी, यह फिल्म 10 मई 2019 को रिलीज हुई थी। अनन्या पिछले 6 साल से हिंदी सिनेमा पर राज कर रही हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि जब उन्होंने शुरूआत की थी, तब वह नर्वस थीं और खुद को लेकर असमंजस में थीं, लेकिन अब उन्हें कुछ नया आजमाने या जोखिम लेने से डर नहीं लगता।

अनन्या ने कहा, 'मैं जब शुरू कर रही थी, तब मेरी उम्र 19 साल थी। मैं बहुत घबराई हुई थी, सपनों से भरी हुई थी और खुद को पहचानने की कोशिश कर रही थी। मैं यह समझने की कोशिश कर रही थी कि मैं कौन हूं, अपने व्यक्तित्व और करियर को लेकर थोड़ी उलझन में थी।'

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'अब, मुझे लगता है कि मैं खुद के एक ऐसे रूप में ढाल चुकी हूं जो कोशिश करने से, गिरने से, फिर उठने से और लोगों को चौंकाने से नहीं डरती। मैं अब भी सीख रही हूं। खुद को लगातार बेहतर बनाने की कोशिश कर रही हूं।'

उन्होंने कहा, 'मेरे पास हर सवाल का जवाब नहीं है, लेकिन मुझे पता है कि मैं खुद को बेहतर बनाते रहना चाहती हूं और ऐसे किरदार चुनना चाहती हूं जो मुझे चुनौती दें, मेरे भीतर उत्साह और घबराहट का एहसास जगाएं।'

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' का निर्देशन पुनीत मल्होत्रा ने किया। इस फिल्म में अनन्या पांडे के अलावा टाइगर श्रॉफ और तारा सुतारिया भी हैं। इन दोनों एक्टर्स ने भी इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

यह फिल्म 2012 में आई रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' का सीक्वल है, जिसके जरिए आलिया भट्ट, वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' के बाद वह 'पति पत्नी और वो', 'खाली पीली', 'गहराइयां', 'लाइगर', 'ड्रीम गर्ल 2', 'खो गए हम कहां', जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में कैमियो भी किया। फिल्मों के अलावा, उन्होंने सीरीज 'कॉल मी बे' के जरिए ओटीटी भी कर चुकी हैं।

अमिताभ बच्चन ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर तोड़ी चुप्पी, सेना को किया सलाम

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया और इस हमले का बदला लिया। इसके बाद पाकिस्तान की ओर से भारतीय नागरिक और सैन्य ठिकानों पर किए गए हमलों का भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया है। बॉलीवुड के तमाम सितारों ने भी सेना के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और उनका हौसला बढ़ाया। हालांकि, 'महानायक' अमिताभ बच्चन ने ऐसे समय में सोशल मीडिया पर चुप्पी साधी हुई थी। उनकी ब्लैंक पोस्ट यूजर्स को खटक रही थी, लेकिन अब उन्होंने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए 'एक्स' अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है।

अमिताभ ने अपनी 'एक्स' पोस्ट में पहलगाम हमले में आतंकवादियों के धर्म पूछकर गोली मारने की घटना का जिक्र करते हुए लिखा, 'छुट्टियां मानते हुए, उस राक्षस ने, निर्दोष पति-पत्नी को बाहर खींच कर, पति को नग्न कर, उसके धर्म की पूर्ति करने के बाद, उसे जब गोली मारने लगा, तो पत्नी ने घुटने पर गिरकर, रो-रोकर अनुरोध करने के बाद भी, कि 'उसके पति को न मारो', उसके पति को उस बुजदिल राक्षस ने बेहद बेरहमी से गोली मार दी.. । जब पत्नी ने कहा 'मुझे भी मार दो', तो राक्षस ने कहा 'नहीं... तू जाकरङ्घ: को बता।'

अमिताभ ने पोस्ट में आगे अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की पंक्तियों का भी जिक्र किया और लिखा, 'बेटी की मनःस्थिति पर पूज्य बाबूजी की एक कविता की पंक्ति याद आई.. मानो वो बेटी '...' के पास गई और कहा,

'है चिता की राख कर में मांगती सिंदूर दुनिया' (बाबूजी की पंक्ति)

तो '...' ने दे दिया सिंदूर. ऑपरेशन सिंदूर!!!'

जय हिन्द, जय हिन्द की सेना,
तू ना थमेगा कभी, तू न मुड़ेगा कभी, तू न झुकेगा कभी,
कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ!
अग्निपथ! अग्निपथ! अग्निपथ!!!'

बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था। आतंकवादियों ने 26 मासूम लोगों की जान ले ली थी। उन्होंने मारने से पहले लोगों का धर्म पूछा था। इसके 15 दिन बाद भारत सरकार और सेना ने 7 मई को पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। उसके बाद से पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव चल रहा है। इन सब विषय पर अमिताभ बच्चन ने लंबे समय तक चुप्पी साधी हुई थी। उन्होंने किसी भी विषय पर कोई पोस्ट नहीं किया था।

धन्यवाद वीर सैनिकों
सेलेब्स ने की भारतीय सेना की प्रशंसा

पाकिस्तान को 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए मुंहतोड़ जवाब देने के लिए फिल्म जगत के सितारों ने थल सेना, नौसेना और वायु सेना की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। अभिनेत्री अदा शर्मा, पुलकित सम्राट, राघव जुयाल, वरुण धवन के साथ ही श्रुति हसन ने भी सेना के शौर्य को सलाम किया है।

वरुण धवन ने रक्षा मंत्रालय के एक पोस्ट को शेयर किया, जिसमें लिखा था, 'आइए, केवल सही जानकारी ही आगे बढ़ाएं।'

इसके साथ ही पोस्ट में मीडिया, डिजिटल प्लेटफार्मों और व्यक्तियों को रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही की लाइव कवरेज या वास्तविक समय की रिपोर्टिंग से बचने की सलाह दी गई। कहा गया कि कवरेज में सतर्कता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी बरतें।

अदा शर्मा ने देश की सेनाओं के लिए एक कविता पोस्ट की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'हमारी रक्षा करने वाली थल सेना, नौसेना और वायु सेना को सलाम।'

अभिनेता पुलकित सम्राट ने लिखा, 'भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति हार्दिक आभार, जो संकट के समय में डटे रहते हैं, निर्दोषों की रक्षा करते हैं और खतरे के बीच हमारे लिए ढाल बनकर खड़े रहते हैं।'

पुलकित ने लिखा, 'हम आपकी बहादुरी को सलाम करते हैं, हम आपके बलिदान का सम्मान करते हैं और आपके परिवार के साथ खड़े हैं। सदैव ऋणी रहेंगे, सदैव गर्वित रहेंगे।'

राघव जुयाल ने लिखा, 'जय जवान।'

अभिनेत्री श्रुति हासन ने लिखा, 'कल रात जब पूरा देश गहरी नींद में था, तब भारतीय शहरों को बचाने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों का धन्यवाद। आप हैं तो हम खुलकर सांस ले सकते हैं। धन्यवाद, जय हिंद।'

सेलिब्रिटी शेफ और लेखक विकास खन्ना ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर का एक वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'आज हम 'ऑपरेशन सिंदूर' के बहादुर जवानों के साथ खड़े हैं। हमारे जवानों की भावना को सलाम है।'

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने लिखा, 'हमारी सुरक्षा और शांति के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाने वाले जवानों और उनके परिवार का सम्मान। आतंकवाद के खिलाफ हमारे देश की रक्षा के लिए हम आपके साथ खड़े हैं। हम आपके समर्थन में खड़े हैं और सदैव ऋणी रहेंगे।'

करिश्मा तन्ना ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, 'जय हिंद, जय भारत.. इस समय, जो हम अपना जीवन सुख से जी रहे हैं। इसके पीछे हमारी सीमाओं पर खड़े बहादुर सैनिक हैं, जो अपना सब कुछ दांव पर लगाकर हमें सुरक्षित महसूस करा रहे हैं। हर सैनिक, हर अधिकारी, हर परिवार.. जो चुपचाप डटे हुए हैं, उनके प्रियजन हमारे देश के लिए लड़ रहे हैं, उनके लिए धन्यवाद कहना बहुत छोटा लगता है। मैं भारत के साथ खड़ी हूं। हर जवान के साथ। हर उस दिल की धड़कन के साथ, जो हमारे देश के लिए धड़कती है। आपकी सुरक्षा के लिए प्रार्थना करती हूं। आपके साहस को सलाम करती हूं।

कंगना रनौत बनेंगी हॉलीवुड की 'हॉरर क्वीन', 'ब्लेस्ड बी द एविल' से करेंगी डेब्यू

■ **बीएनटी न्यूज**

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कंगना रनौत के करियर ने नया मोड़ ले लिया है। वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी पहचान बनाने जा रही हैं। कंगना, हॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। उन्हें हॉलीवुड की हॉरर ड्रामा फिल्म 'ब्लेस्ड बी द एविल' में लीड रोल मिला है।

फिल्म की कहानी एक ईसाई कपल की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी संतान पैदा होने से पहले ही मर जाती है। इस दुख से उबरने के लिए वे एक सुनसान और पुराने फार्म हाउस में जाते हैं, जो पहले से ही काली और रहस्यमयी घटनाओं से जुड़ा हुआ होता है। कपल को धीरे-धीरे बुरी आत्मा और शैतानी ताकत महसूस होने लगती है।

वैरायटी डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म का निर्माण प्रोडक्शन हाउस लायंस मूवीज के बैनर तले होगा। इसमें कंगना 'टीन वुल्फ' स्टार टायलर पोसी और स्कारलेट स्टैलोन के साथ काम करेंगी।

फिल्म की शूटिंग न्यूयॉर्क में शुरू होने जा रही है। फिल्म निमार्ताओं ने कहा कि अमेरिका में शूटिंग करने का फैसला इसलिए लिया गया, ताकि वे किसी भी परेशानी या रुकावट से बच सकें, जो हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए इंडस्ट्री टैरिफ्स की वजह से हो सकती है।

बता दें कि हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के बाहर बनने वाली सभी फिल्मों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। उन्होंने वाणिज्य विभाग और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) को अमेरिका के बाहर बनाई गई सभी फिल्मों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की प्रक्रिया शुरू करने

के लिए कहा था। राष्ट्रपति का कहना है कि अमेरिका में फिल्म उद्योग तेजी से खत्म हो रहा है। इसकी वजह यह है कि दूसरे देश फिल्म निमार्ताओं और स्टूडियो को आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहन दे रहे हैं।

टेलिंग पॉन्ड के निर्देशक अनुराग रुद्र ने फिल्म की कहानी गाथा तिवारी के साथ मिलकर लिखी है। गाथा तिवारी लायंस मूवीज की अध्यक्ष और संस्थापक हैं।

रुद्र ने कहा, 'मैं भारत के ग्रामीण इलाके में पैदा हुआ और वहीं मेरा बचपन बीता। मुझे ऐसी कहानियां सुनाई गईं जो मेरे दिलो-दिमाग में बस गईं। यह कहानियां इतनी खास होती थीं कि मैं उन पर विश्वास करने लगा था। मैं चाहता था कि इन कहानियों को दुनिया भर के सामने लाया जाए, और फिल्म सबसे खूबसूरत और ताकतवर जरिया है जो सपनों और हकीकत को जोड़ता है।'

वहीं गाथा तिवारी ने फिल्म 'ब्लेस्ड बी द एविल' के बारे में अपनी राय साझा की। उन्होंने कहा, 'फिल्म की कहानी बहुत ही दुर्लभ होती है। यह कुछ अलग, खास और हटके है। लायंस मूवीज ने एक ऐसी कहानी तैयार की है जो बहुत डरावनी है और इसमें जबरदस्त सस्पेंस और ड्रामा है। यह रहस्य से भरी है, जो दर्शकों को डराने के साथ-साथ रोमांचित भी करेगी। यह फिल्म कई देशों में स्ट्रीमिंग और बिक्री दोनों के मामले में अच्छा प्रदर्शन करेगी।'

कंगना के पास चार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और चार फिल्मफेयर पुरस्कार हैं। वह फिल्म निमार्ता और राजनेता भी हैं। वर्तमान में वह भारत की लोकसभा में सांसद के रूप में कार्यरत हैं।

■ **बीएनटी न्यूज**

अभिनेत्री जया प्रदा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अभिनेता धर्मेंद्र के साथ अपने यादगार पल शेयर किए। इस दौरान उन्होंने 'कयामत' और 'मैदान-ए-जंग' समेत 16 फिल्मों का जिक्र किया।

वीडियो में दोनों सितारे एक सोफे पर बैठकर फोन पर कुछ देखते हुए हंसते और बातचीत में मग्न दिखाई दिए। उनकी मुस्कान उनकी लंबी दोस्ती की सहजता और स्नेह को दिखा रही है।

जया ने इस खास पल को शेयर करने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'धर्म जी के साथ हल्के-फुल्के पल। एकमात्र लीजेंड धर्म जी के साथ 16 फिल्में की, जिसमें कयामत (1983), इंसाफ कौन करेगा (1984), धर्म और कानून (1984), गंगा तेरे देश में (1988), मर्दों वाली बात (1988), एलान-ए-जंग (1989), शहजादे (1989), कानून की जंजीर (1990), फरिश्ते (1991), कुंदन (1993), पापी देवता (1995), मैदान-ए-जंग (1995), वीर (1995), जुल्म-ओ-सितम (1998), लौह पुरुष (1999) के साथ ही न्यायदाता (1999) भी शामिल है।'

हाल ही में जया ने धर्मेंद्र के साथ तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें वह उनके साथ पोज देती नजर आईं। उन्होंने कैप्शन में लिखा था, 'आज मुंबई में अपने सबसे खास सम्मानित सह-कलाकार, सुपरस्टार लीजेंड धर्मेंद्र जी से उनके आवास पर मुलाकात हुई और कई पुरानी यादें ताजा कीं। धर्म जी, मैं ईश्वर से आपके सदा सुखी और स्वस्थ रहने की कामना करती हूं।'

धर्मेंद्र ने भी इन तस्वीरों को शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'जया प्रदा, मेरी प्यारी सह-कलाकार, आज अपने परिवार और दोस्तों के साथ मुझसे मिलने आईं। उन्हें देखकर मुझे बहुत खुशी हुई।'

जया प्रदा और धर्मेंद्र ने कई सफल फिल्मों में एक साथ काम किया है, जिनमें उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

एक्शन से भरपूर ड्रामा हो या भावनात्मक कहानी, दोनों ने फिल्मों में यादगार अभिनय किया। इन सितारों की दोस्ती और प्रोफेशनल केमिस्ट्री आज भी प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय है।

'रेड 2' की सफलता से वाणी कपूर बेहद खुश
ये सब सपने के सच होने जैसा

■ **बीएनटी न्यूज**

2018 की हिट फिल्म 'रेड' का सीक्वल 'रेड 2' सिनेमाघरों में धमाल मचा रहा है। इसका जलवा बॉक्स ऑफिस पर साफ देखा जा सकता है। फिल्म ने 70.50 करोड़ रुपये कमाए, जिससे यह 100 करोड़ क्लब की तरफ बढ़ती नजर आ रही है। फिल्म की कमाई से स्टार कास्ट काफी खुश है। वाणी कपूर भी! जिन्होंने मुख्य अभिनेत्री का किरदार निभाया है।

वाणी कपूर काफी खुश हैं कि उनकी फिल्म 'रेड 2' सिर्फ चार दिनों में बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई है।

अभिनेत्री ने फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा, 'बॉक्स ऑफिस पर सफलता पाना खास अहसास होता है, जैसे कोई सपना सच हो रहा हो। जब आप ऐसी फिल्म का हिस्सा बनते हैं जो दर्शकों से जुड़ती है, तो यह देखकर काफी अच्छा लगता है। फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया दिल को छू लेने वाली है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर खुद को बेहद भाग्यशाली महसूस कर रही हूं।'

वाणी फिल्म में अपनी एक्टिंग के लिए चारों ओर से तारीफें बटोर रही हैं।

उन्होंने कहा, 'इस फिल्म की कहानी बहुत दमदार है। निर्देशक राज कुमार गुप्ता के साथ इस प्रोजेक्ट पर काम करना मेरे लिए शानदार अनुभव रहा है। इस फिल्म से बहुत कुछ सीखने को मिला है। मेरे किरदार की सराहना के लिए आप सभी का धन्यवाद।'

रेड टू की अभिनेत्री ने आगे कहा, 'अजय देवगन सर और राज कुमार गुप्ता सर के साथ काम करके मैंने बहुत कुछ सीखा, जिससे मैं एक कलाकार के तौर पर और बेहतर बन पाई हूं। फिल्म की सफलता मेरे लिए बहुत मायने रखती है। दर्शकों से मिलने वाली प्रतिक्रिया मुझे मेहनत करने और लगातार बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है।'

फिल्म 'रेड 2' में अजय देवगन और वाणी कपूर के अलावा अमित सियाल, रितेश देशमुख, यशपाल शर्मा, सौरभ शुक्ला और सुप्रिया पाठक लीड रोल में हैं।

'मेरे पास शब्द नहीं हैं...', मां निर्मल के लिए अनिल कपूर ने लिखा भावुक नोट

■ **बीएनटी न्यूज**

अभिनेता अनिल कपूर ने हाल ही में दुनिया को अलविदा कह गईं अपनी मां, निर्मल कपूर, के लिए मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर अपने जज्बात साझा किए। अभिनेता ने बताया कि अपने दिल की बात साझा करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं।

इंस्टाग्राम पर मां के साथ कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए अनिल कपूर ने कैप्शन में लिखा, 'जीवन के हर क्षेत्र से मिल रहा प्यार अभिभूत करने वाला है। मेरे पास यह बताने के लिए शब्द नहीं हैं कि हम कितने आभारी हैं।'

उन्होंने लिखा, 'मेरी मां ने कई लोगों की जिंदगी पर असर डाला। उन्होंने अपने परिवार को खूब प्यार और लगाव के साथ सींचा, पालन-पोषण, समर्थन और प्यार किया। वह उन मजबूत महिलाओं में से एक थीं, जो कभी सुर्खियों में नहीं रहीं, लेकिन जिनकी ताकत ने सभी को एक साथ बांधे रखा। वह परिवार की एक मजबूत और शांत पिलर थीं। वह हमेशा खुश रहतीं और हमेशा सभी की परवाह करने वाली थीं। उनके आस-पास रहने से एक अलग तरह की एनर्जी, उत्साह का आभास होता था।'

अनिल ने बताया कि उनकी मां एक गोंद की तरह थीं, जिसने अपने परिवार, बच्चों, पोते-पोतियों और दोस्तों तक को बांधे रखा। वह हमेशा दूसरों पर प्यार लुटाती रहती थीं। वह हम सबके दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगी।'

इसके साथ ही उन्होंने प्रशंसकों और फिल्म इंडस्ट्री का आभार जताया। उन्होंने लिखा, 'आप सभी की प्रार्थनाओं और प्यार के लिए दिल से आभार।'

कपूर परिवार ने निर्मल कपूर के निधन की जानकारी देते हुए एक संयुक्त और भावुक बयान जारी किया था, जिसमें लिखा था, '2 मई को निर्मल कपूर ने अपने परिवार के बीच अंतिम सांस ली। उन्होंने आनंदमय जीवन जिया। वह अपने पीछे चार बच्चों, बहुओं, दामाद, ग्यारह पोते-पोतियों/नाती-नातिनों, चार परपोते-पोतियों और अनमोल यादों को छोड़ गई हैं।'

निर्मल कपूर ने 90 वर्ष की आयु में 2 मई को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में अंतिम सांस ली। विले पार्ले श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान परिवार के साथ ही तमाम हस्तियां भी पहुंचीं। जानकारी के अनुसार, वह लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थीं। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

विदेश में हूं, लेकिन दिल और आत्मा पूरी तरह भारत के साथ : सेलिना जेटली

■ **बीएनटी न्यूज**

मशहूर अदाकारा सेलीना जेटली भले ही विदेश में हों, लेकिन उनका मन खबरों की हलचल के बीच भारत में उलझा हुआ है। उन्होंने भारतीय सेना की बहादुरी को सलाम किया और उन आम लोगों के साथ हमदर्दी जताई जो हमले से प्रभावित हुए हैं। उनका कहना कि उन्हें भारत की ताकत पर पूरा भरोसा है।

सेलिना ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें लिखा, 'मैं ऑस्ट्रिया में हूं, लेकिन नींद नहीं आ रही। आज की रात सोना भी किसी 'लग्जरी' जैसी चीज लग रही है, क्योंकि मेरे देश में शांति पर हमला हो रहा है। मेरा दिल बेचैन है, एक तरफ मैं यहां के समय में हूं और दूसरी तरफ भारत की खबरों में उलझी हुई हूं। बेशक मैं दूर हूं, लेकिन मेरी आत्मा, मेरी भावना पूरी तरह भारत के साथ है।'

उन्होंने लिखा, 'हमारे बहादुर भारतीय सशस्त्र बलों को धन्यवाद। आप हमारे और अव्यवस्था के बीच एक ढाल बनकर खड़े हैं। आप हमें उस खतरे से बचाते हैं, जो आम लोग शायद कभी महसूस भी नहीं कर पाते। आपका साहस सिर्फ युद्ध में नहीं, बल्कि उन अनगिनत खामोश कुर्बानियों में भी दिखता है, जैसे ठंडी रातों में जागकर सरहद की रक्षा करना, बिना रुके.. बिना थके हर कदम देश के लिए बढ़ाना। हम आज सुरक्षित हैं, चैन से जी रहे हैं, सांस ले पा रहे हैं, सिर्फ इसलिए क्योंकि भारतीय सेना अडिग खड़ी है, बिना डरे, बिना झुके।'

हमले में प्रभावित नागरिकों को लेकर आगे लिखती हैं, 'आपका दर्द किसी से छुपा नहीं है, हम सब उसे महसूस करते हैं और समझते हैं। आपकी ताकत को भुलाया नहीं जा सकता। आपके साहस को हमेशा याद रखा जाएगा। डर और नुकसान का सामना करते हुए, आप दुनिया को दिखा रहे हैं कि एकता, सम्मान और धैर्य का वास्तव में क्या मतलब है। हम आपके साथ खड़े हैं। इस मुश्किल घड़ी से बाहर निकलने के लिए एक साथ मिलकर संघर्ष करेंगे और फिर से खड़े होंगे। शांति केवल एक शब्द नहीं है, बल्कि सभी लोगों का प्राकृतिक अधिकार है और कोई भी हमला भारत की आत्मा को नहीं तोड़ सकता। जय हिंद'

शुरुआत में खुद से खुश नहीं था
सीआईडी फेम ऋषिकेश पांडे

■ **बीएनटी न्यूज**

लोकप्रिय शो 'सीआईडी' में ऑफिसर सचिन की भूमिका निभाने वाले मशहूर एक्टर ऋषिकेश पांडे ने इंडस्ट्री में अपने शुरूआती दिनों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वह करियर के शुरूआती दिनों में खुद से खुश नहीं थे। उन्हें तब कई अलग-अलग तरह की भूमिकाएं मिलीं, लेकिन तब वे उन सभी किरदारों को उतनी गहराई से नहीं निभा पाए, जितना कि अब पर्दे पर निभा सकते हैं। समय के साथ वह एक बेहतर अभिनेता बन गए हैं।

पांडे ने कहा, 'मुझे अलग-अलग तरह के किरदार निभाना पसंद है, और जो भी अवसर मेरे पास आएगा, मैं उन्हें आजमाना चाहूंगा। मैं यह नहीं कहूंगा कि कोई खास भूमिका हो या कोई ड्रीम रोल हो, लेकिन हां, मैं एक्टिंग को जारी रखना चाहता हूं।'

एक्टर ने बताया कि वह किसी खास अभिनेता या निर्देशक के साथ काम करने की ख्वाहिश नहीं रखते, क्योंकि फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में असली विकास लगातार सीखने और बदलते रहने से आता है। उन्होंने आभार जताया कि उन्हें अब तक अपने करियर में बॉलीवुड की कई दिग्गज हस्तियों के साथ काम करने का सौभाग्य मिला है।

पांडे ने कहा, 'मैंने अमिताभ बच्चन जैसे महान कलाकार के साथ काम किया है, जो किसी बड़े सपने के सच होने जैसा है। मैं लता मंगेशकर जी से मिला हूं और उनके साथ एक खूबसूरत रिश्ता साझा किया है। मैंने जो कुछ भी जीवन में सोचा था, कुछ खास लोगों से मिलना या उनके करीब आना... वह सब पूरा हुआ है। इसलिए अब मेरे पास कोई खास विश लिस्ट नहीं है। मैं हर अच्छे कलाकार या निर्देशक के साथ काम करने के लिए तैयार हूं, बशर्ते कहानी और किरदार दमदार हो।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैंने कई लोगों को शोहरत और दौलत के नशे में बहते देखा है, लेकिन आखिरकार वे हकीकत में लौट आते हैं। मुझे लगता है कि इन बातों को जल्दी समझ लेना बेहतर है, ताकि आप गलत दिशा में बहुत दूर न चले जाएं। शोहरत और सफलता तो आती-जाती रहती है, लेकिन असली मायने इस बात के हैं कि आप अंदर से कैसे इंसान हैं।'

'अगर कल को पैसा या शोहरत न भी रहे, तो भी वही लोग आपके साथ रहेंगे जो आपको असल में जानते हैं और समझते हैं, जो आपके दिल की अच्छाई से जुड़ा है, न कि आपकी सफलता से। मेरे जीवन का सरल सिद्धांत है- किसी को तकलीफ मत दो, अगर अच्छा कर सकते हो तो करो और अगर नहीं कर सकते तो कम से कम उसका बुरा भी मत करो।'

ऋषिकेश पांडे पिछले दो दशक से भी ज्यादा समय से टीवी इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। उन्होंने कई लोकप्रिय और यादगार टीवी शोज में काम किया है, जिसमें 'सीआईडी', 'संजीवनी', 'रात होने को है', 'पिया का घर' जैसे शोज शामिल हैं।

Printed and Published by Mr. Rajendra Kumar Goel for and behalf of BNT Media & Entertainment Ltd. 339, 3rd Floor , Tower B-3, Spaze Techpark, Sohna Road, Gurgaon-122002 Haryana, India.
Printed at Vivek Publisher, A16, Sector-7, Noida, UP.; Editor Rajendra Kumar Goel. Reproduction in any manner, form or part is prohibited